अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर गुरुवार 2 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष द्वितीया

वर्ष 32 अंक 08 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 32.4°C
न्यूनतम तापमान 25.6°C
सूर्योदय - 5.29 | सूर्यास्त - 7.00

उमरिया में रेल ठहराव की मांग को लेकर महिलाओं ⏩ 4

महिलाओं के बिना कोई कहानी पूरी नहीं ⏩ 7

मार्शल आर्ट ताईक्वाण्डो का शिविर एवं टेस्ट सम्पन्न ⏩ 9

35 करोड़ का ऑफर...15 विधायकों का इस्तीफा

टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा का दावा

चेन्नई

तमिलनाडु की सियासत से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है, जहां अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले टीवीके विधायक ने दावा किया है कि उन्हें सदन अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्तावित विधानसभा प्रस्ताव पर अपना वोट प्रभावित करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। दरअसल, टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा की शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक कंसल्टेंसी फर्म के कर्मचारी समेत 3 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके तार डीएमके नेता सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी अशोक कुमार से जुड़े बताए जा रहे हैं। इस साजिश में टीवीके के 15 विधायकों के एक साथ इस्तीफे की साजिश रचकर सरकार को गिराने की योजना शामिल थी। टीवीके विधायक की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने जांच शुरू की और एक कंसल्टेंसी फर्म के कर्मचारी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान, अधिकारियों को डीएमके विधायक सेंथिल बालाजी से संबंध होने की खबर मिली। इसके बाद दो और लोगों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है। एन. इलायाराजा द्वारा चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि आईपीडीएस नामक परामर्श फर्म के एक व्यक्ति ने उन्हें तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर (जो टीवीके नेता हैं) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए 35 करोड़ रुपये की पेशकश की थी।

विस अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव की पेशकश

फोन करने वाले ने टीवीके विधायक इलैयाराजा को बताया कि तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ एक प्रस्ताव लाया जाएगा और उनसे सत्तारूढ़ दल का सदस्य होने के बावजूद एक विशेष तरीके से मतदान करने को कहा। इसके बदले में, उसने इलैयाराजा को 35 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। विधायक ने आरोप लगाया कि उन्होंने प्रस्ताव ठुकरा दिया और फोन करने वाले को दोबारा संपर्क न करने के लिए कहा। हालांकि, थिरुनावुक्करासु ने उन्हें धमकी दी और चेतावनी दी कि अगर उन्होंने बातचीत का खुलासा किया तो उन्हें और उनके परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

टीवीके मंत्री ने डीएमके पर निशाना साधा

विधायक इलैयाराजा द्वारा चेन्नई पुलिस आयुक्त के पास दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, थिरुनावुक्करासु नामक एक व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और दावा किया कि वह इंडियन पॉलिटिकल डेमोक्रेटिक स्ट्रैटेजीज नामक एक जनमत सर्वेक्षण संगठन का प्रमुख है और वह एक प्रमुख राजनीतिक दल के सदस्यों की ओर से लोगों से संपर्क कर रहा है। तमिलनाडु के मंत्री सीटी निर्मल कुमार ने साजिश को लेकर डीएमके पर हमला बोलते हुए कहा, सेंथिल बालाजी से सीधे तौर पर जुड़े लोग, साथ ही तथाकथित करूर गैंग के सदस्य भी इस मामले में सीधे तौर पर शामिल हैं। पुलिस को इसमें शामिल सभी लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए।

सरकार को गिराने की साजिश

मंत्री ने डीएमके पर एआईएडीएमके प्रमुख एडप्पाडी के पलानीस्वामी के साथ मिलकर विजय के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने की साजिश रचने का भी आरोप लगाया। मंत्री सीटी निर्मल कुमार ने दावा किया, एडप्पाडी पलानीस्वामी और अन्य लोग गुपचुप तरीकों से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे थे। एमके स्टालिन और उदयनिधि के इशारे पर काम करते हुए सेंथिल बालाजी जैसे डीएमके के प्रमुख नेता हमारे कई विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। वे उन्हें 10 करोड़, 20 करोड़ या यहां तक कि 50 करोड़ रुपये की रकम की पेशकश कर रहे हैं। ऐसा कोई विधायक नहीं है जिससे उन्होंने संपर्क न किया हो।

भारत-पाक की 117 हस्तियों ने मोदी-शहबाज को लिखा पत्र

नई दिल्ली/इस्लामाबाद। भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने के लिए दोनों देशों की 117 हस्तियों ने पीएम मोदी और पाक पीएम शहबाज शरीफ को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा गया है कि टकराव नहीं, बातचीत का रास्ता चुनिए, ताकि दक्षिण एशिया में शांति और विकास का माहौल बन सके। इन 117 हस्तियों में पूर्व अधिकारी, सामाजिक और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। भारत की ओर से जम्मू-कश्मीर के पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और आरजेडी सांसद मनोज झा समेत 61 लोगों और पाकिस्तान की ओर से पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी समेत 56 लोगों ने चिट्ठी पर साइन किए हैं।

कमर्शियल गैस सिलिंडर हुआ सस्ता

शामली। तेल कंपनियों ने होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालकों और छोटे व्यापारियों को बड़ी राहत देते हुए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में कटौती की है। नई कीमतें एक जुलाई 2026 से लागू हो गई हैं। कमर्शियल गैस सिलिंडर के दाम में अधिकतम 183.50 और पांच किग्रा वाले कमर्शियल सिलिंडर के दामों में 6 रुपये की कमी की गई है। हालांकि, घरेलू उपयोग वाले 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

राममंदिर चोरी: आरोपी अविनाश के घर 20 लाख मिले

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बुधवार को आरोपी लवकुश मिश्रा और अनुकल्प मिश्रा के घर पुलिस ने छापेमारी की। दस्तावेजों को खंगाला और परिजनों भी पूछताछ की गई। इस बीच, 8 में से 7 आरोपियों के घर बरामदगी का ब्योरा सामने आया है। सबसे अधिक 20 लाख कैश जेल में बंद अविनाश शुक्ला के पास मिला है। 1121 डॉलर यानी करीब एक लाख 6 हजार रुपए और सोने-चांदी की ज्वेलरी भी बरामद हुई है। टिन्नू के पास से 1 लाख और उसके भतीजे से 2 लाख कैश मिले हैं।

भरत तिवारी की पिस्टल पर पाकिस्तानी मोहर: नागमणि

आरा, भोजपुर। बीजेपी के पूर्व सांसद नागमणि कुशवाहा ने भरत तिवारी की तुलना पाकिस्तान के आतंकवादी से की है। उन्होंने कहा, मुझे सूचना मिली की भरत के पास से बरामद पिस्टल पर पाकिस्तान की मोहर लगी थी। उसका संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से था। भरत तिवारी के घर में तहखाना भी मिला है और जो लोग उसके समर्थन में आंदोलन कर रहे हैं, वे पाकिस्तानी एजेंट बनकर तिवारी के मैटर को हाईलाइट कर रहे हैं।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बड़ा हादसा

ट्रक से टक्कर के बाद बस में लगी आग, 8 लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार तड़के एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हरिद्वार से इंदौर जा रही एक प्राइवेट बस पहले एक ट्रेलर से टकराई और फिर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक गहरी खाई में जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हादसे के बाद बस में भीषण आग लग गई। इस दुर्घटना में कम से कम आठ यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि 24 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना कोलवा थाना इलाके में एक रेस्ट एरिया के पास तड़के करीब 2 से 3 बजे के बीच हुई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस खाई में गिर गई और देखते ही देखते उसके पिछले हिस्से में आग लग गई। आग की लपटें देखकर यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। मामले में दौसा के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 3.30 बजे हुआ। जहां इंदौर जा रही एक स्लीपर बस मुंबई की तरफ जा रहे एक खाली ट्रॉली ट्रक से टकरा गई। शुरुआती जांच से ऐसा लगता है कि किसी वाहन ने साइड से ओवरटेक करने की कोशिश की थी, जिसके कारण दोनों गाड़ियों में यह भीषण टक्कर हो गई। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और देखते ही देखते उसमें आग लग गई। सुबह का वक्त होने के कारण ज्यादातर यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें संभलने का मौका भी नहीं मिला। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग और हाईवे पर मौजूद अन्य वाहन चालक मदद के लिए दौड़े। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रेलर को अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि ट्रेलर से टकराने के बाद ड्राइवर बस पर से नियंत्रण खो बैठा था। इस हादसे की वजह से कुछ समय के लिए एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक भी प्रभावित रहा।

खामेनेई के फ्यूनरल में खड़गे और सलमान खुर्शीद को बुलावा

नई दिल्ली

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे अयातुल्ला अली खामेनेई के फ्यूनरल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब कांग्रेस को भी न्योता मिला है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और देश के पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद को इस मौके पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। खामेनेई का फ्यूनरल 4 जुलाई से 9 जुलाई तक ईरान और इराक के कई शहरों में आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर दुनिया भर के दिग्गज उन्हें आखिरी विदाई देने पहुंचेंगे। ईरान से आए इस निमंत्रण के बाद अब कांग्रेस पार्टी में चर्चा शुरू हो गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खड़गे खुद इस आमंत्रण को लेकर फैसला करेंगे। 28 फरवरी को ईरान पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमलों में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। इन हमलों में उनकी बेटी, दामाद और नातिन की भी जान चली गई थी। उनकी मौत को चार महीने हो चुके हैं, लेकिन अब तक उन्हें सुपुर्द-ए-खाक नहीं किया गया है। अब अगले हफ्ते ईरान में बड़े स्तर पर उनके फ्यूनरल का आयोजन किया जाएगा। उनके जनाजे में दुनिया भर के कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष, राजनीतिक दलों के बड़े नेता शामिल होने वाले हैं।

खड़गे करेंगे आखिरी फैसला

मल्लिकार्जुन खड़गे ही तय करेंगे कि खामेनेई के फ्यूनरल में कांग्रेस से कौन जाएगा और ईरान जाने वाले कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में किन-किन नेताओं के नाम शामिल होंगे। वहीं, सूत्रों की मानें तो भारत सरकार की ओर से विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के गवर्नर लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन उन्हें अंतिम विदाई देने ईरान जाएंगे।

व्हाट्सएप के नए यूजर आईडी फीचर की जांच करेगी सरकार

नई दिल्ली

व्हाट्सएप का नया यूजर आईडी फीचर सामने आया है, लेकिन इस फीचर को लागू करने के लिए व्हाट्सएप की मालिकाना कंपनी मेटा को नोटिस भेज सकती है। सरकार व्हाट्सएप के आने वाले 'यूजरनेम' फीचर की जांच कर रही है, क्योंकि ऐसी चिंता है कि इसका इस्तेमाल किसी और का नाम रखकर धोखाधड़ी के लिए किया जा सकता है। सरकार को संदेह है कि व्हाट्सएप के इस नए फीचर से डिजिटल फ्रॉड का खतरा बढ़ सकता है। सूत्रों ने कहा कि सरकार संभावित जोखिमों का आकलन करेगी। व्हाट्सएप के इस फीचर से यूजर्स ऐसे यूजरनेम चुन सकते हैं जो असली एजेंसियों और दूसरी संस्थाओं के यूजरनेम जैसे हों, जिससे किसी और का रूप धरने और धोखाधड़ी की आशंका बढ़ सकती है। इस फीचर का असर लोगों की सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। सूत्रों ने आगे बताया कि

सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी। दरअसल, मेटा के मालिकाना हक वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने यूजरनेम लाने की घोषणा की है। यह एक ऐसा फीचर है जिससे यूजर्स अपने फोन नंबर शेयर किए बिना बातचीत कर सकेंगे। कंपनी ने यूजरनेम के लिए शुरुआती रिजर्वेशन शुरू कर दिए हैं और इन्हें इस साल के आखिर में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जाएगा।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री को एक्सटेंशन मिला

नई दिल्ली। सरकार ने विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री को बुधवार को एक साल का एक्सटेंशन दिया। यह अगले साल 14 जुलाई तक प्रभावी रहेगा। 1989 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी मिस्त्री को जून 2024 में विदेश सचिव पर नियुक्त किया गया था। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने फंडामेंटल रूल 56(डी) के प्रावधानों के तहत मिस्त्री की सेवा अवधि बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इस नियम में रक्षा सचिव, विदेश सचिव, गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के सचिव और कुछ अन्य अधिकारियों के लिए 60 साल की रिटायरमेंट उम्र के बाद भी सेवा अवधि बढ़ाने का प्रावधान है।

भारत-पाक ने एक दूसरे को सौंपी कैदियों की लिस्ट

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को राजनयिक माध्यमों के जरिए एक-दूसरे की हिरासत में मौजूद नागरिक कैदियों और मछुआरों की लिस्ट का आदान-प्रदान किया। यह प्रक्रिया नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ पूरी की गई। दोनों देशों के बीच वर्ष 2008 में हुए कांसुलर एक्सेस समझौते के तहत हर साल 1 जनवरी और 1 जुलाई को यह लिस्ट साझा की जाती है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान या पाकिस्तानी माने जाने वाले 386 नागरिक कैदियों और 53 मछुआरों

की लिस्ट पाकिस्तान को सौंपी है। वहीं पाकिस्तान ने भारत या भारतीय माने जाने वाले 52 नागरिक कैदियों और 198 मछुआरों की लिस्ट भारत को सौंपी है। इस दौरान भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान से भारतीय नागरिक कैदियों, मछुआरों और उनकी नौकाओं की जल्द रिहाई और स्वदेश वापसी की मांग दोहराई। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद लापता भारतीय रक्षा कर्मियों के मामले को भी उठाया। भारत सरकार ने विशेष रूप से पाकिस्तान से 188 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों को तत्काल रिहा कर भारत भेजने की अपील की है। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, लेकिन अब भी पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं। इसके अलावा भारत ने पाकिस्तान से 13 ऐसे नागरिक कैदियों को तत्काल कांसुलर एक्सेस देने की मांग की है, जिन्हें भारत अपना नागरिक मानता है, लेकिन अब तक उन्हें भारतीय अधिकारियों से मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

असम राइफल्स ने जब्त की 9.5 करोड़ की ड्रग्स

नई दिल्ली। असम राइफल्स ने पूर्वोत्तर में सक्रिय ड्रग तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 9.5 करोड़ की ड्रग्स जब्त की है। यह कार्रवाई असम राइफल्स की श्रीकोना बटालियन ने कछार पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में असम के कछार जिले के टोलेंग्राम के पास की। खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में सुरक्षा बलों ने 30 हजार याबा टैबलेट और 535 ग्राम हेरोइन बरामद की। तस्करों ने ड्रग्स को लाल मिर्च से भरे डिब्बों में छिपाया था, ताकि जांच एजेंसियों की नजर से बचा जा सके।

30 दिन जेल में रहे तो जाएगी प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री की कुर्सी

मानसून सत्र में दोबारा आ सकता है बिल

नई दिल्ली। अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री या राज्य मंत्री किसी गंभीर अपराध के मामले में गिरफ्तार होने के बाद लगातार 30 दिन तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उन्हें पद छोड़ना पड़ सकता है। इससे जुड़े बिलों को सरकार मानसून सत्र में दोबारा पेश कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक 130वें संविधान संशोधन बिल पर बनी संसद की संयुक्त संसदीय समिति इससे जुड़े प्रावधानों को हटाने के पक्ष में नहीं है। समिति 17 जुलाई को अपनी रिपोर्ट को मंजूरी दे सकती है। हालांकि, रिपोर्ट में ऐसे सुरक्षा उपाय जोड़े जा सकते हैं, ताकि राजनीतिक बदले की भावना से झूठे मामलों में गिरफ्तारी कर किसी सरकार को अस्थिर करने के लिए इस कानून का दुरुपयोग न हो। गृहमंत्री अमित शाह ने इससे जुड़े 3 बिलों को पिछले मानसून सत्र में संसद के दोनों सदनों में रखा था, जिसके बाद इसे इन्हें जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया था।

2014 के बाद 13 मंत्री गिरफ्तार हुए

2014 के बाद कम से कम 13 सिटिंग मंत्रियों को सीबीआई-ईडी गिरफ्तार कर चुकी हैं। इनमें से 10 गिरफ्तारी पीएमएलए के कड़े प्रावधानों के तहत हुईं। अधिकतर गिरफ्तारी 'आप' शासित दिल्ली और टीएमसी शासित पश्चिम बंगाल में हुईं। किसी भाजपाई मंत्री की गिरफ्तारी नहीं हुई है। सिर्फ उत्तर प्रदेश के मंत्री राकेश सचान को अवैध हथियार के मामले में एक वर्ष की सजा हुई थी। वह जमानत के बाद द पर बने हुए हैं।

मप्र के 1500 संकुल प्राचार्यों पर निलंबन की तलवार

वेतन कटौती के बाद भी शिक्षकों का वेतन निकाला, डीईओ भी कार्रवाई के दायरे में

भोपाल (स्वतंत्र मत)

ई-अटेंडेंस को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने सख्ती और बढ़ा दी है। अब 90 प्रतिशत से कम ई-अटेंडेंस वाले शिक्षकों का वेतन भुगतान कराने वाले संकुल प्राचार्यों पर निलंबन की कार्रवाई होगी। लोक शिक्षण आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि ऐसे प्राचार्यों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। यदि कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी और संभागीय संयुक्त संचालक के खिलाफ भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में करीब 1500 संकुल प्राचार्य हैं। एक संकुल के अंतर्गत औसतन 40 प्राथमिक,

माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूल आते हैं। ऐसे में नए आदेश का असर पूरे स्कूल शिक्षा तंत्र पर पड़ेगा। लोक शिक्षण संचालनालय के अनुसार प्रदेश में फिलहाल करीब 95 प्रतिशत शिक्षक ही नियमित ई-अटेंडेंस दर्ज कर रहे हैं। यानी अभी भी कुछ शिक्षक निर्धारित मानकों के अनुरूप ई-अटेंडेंस नहीं लगा रहे हैं। विभाग का कहना है कि ऐसे मामलों में वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू करना शासन के निर्देशों का उल्लंघन माना जाएगा। विभाग ने पहले ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों के खिलाफ वेतन कटौती के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद शत-प्रतिशत अनुपालन नहीं होने पर अब कार्रवाई का दायरा बढ़ा दिया गया है। आदेश के मुताबिक, जिन संकुल प्राचार्यों ने कम ई-अटेंडेंस वाले शिक्षकों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू की है, उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई होगी।

सस्पेंशन की कार्रवाई के निर्देश जारी

लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने कहा कि जिन शिक्षकों की ई-अटेंडेंस कम होने के कारण वेतन कटौती की गई है, उन्हें उपस्थिति के आधार पर ही वेतन मिलना है। इसके बावजूद कई संकुल प्राचार्यों ने वेतन कटौती के आदेश का पालन नहीं किया और वेतन भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दी। इसी वजह से उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं। आयुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि शैडो एरिया के मामलों में संबंधित जिला शिक्षा अधिकारी को राहत देने का अधिकार है। यानी नेटवर्क संबंधी वास्तविक समस्याओं वाले मामलों में जिला स्तर पर निर्णय लिया जा सकता है।

चिलचिलाती धूप से मिली राहत रिमझिम फुहारों से सुहाना हुआ मौसम

तापमान में आई भारी गिरावट, बाजारों में आई रौनक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी में बुधवार को सुबह से ही आसमान में काले-घने बादलों ने डेरा डाल रखा था, जिससे चिलचिलाती धूप और उमस से परेशान नागरिकों को बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बने मजबूत सिस्टम के कारण जिले में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो चुका है। दिन भर रुक-रुक कर हुई झमाझम और रिमझिम बारिश ने पूरे शहर के तापमान में गिरावट ला दी है और मौसम को खुशनुमा बना दिया है। शहर में बुधवार को अधिकतम तापमान 32.2 तो वहीं न्यूनतम तापमान 25.6 दर्ज किया गया। सुहावने मौसम का असर शहर की धड़कन यानी बाजारों और पर्यटन स्थलों पर साफ देखने को मिला। फुहारों के बीच बड़ी संख्या में लोग घरों से बाहर निकले, जिससे बाजारों में अचानक रौनक बढ़ गई।

स्वास्थ की देख रेख है जरुरी

एक तरफ जहां यह मानसूनी बारिश अपने साथ गर्मी से राहत और चेहरे पर मुस्कान लेकर आई है, वहीं दूसरी तरफ डॉक्टरों ने इस

बदलते मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी है। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि बरसात का मौसम अपने साथ कई तरह की मौसमी बीमारियाँ भी लेकर आता है। इस दौरान जलजनित और मच्छरजनित बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, डायरिया और वायरल फीवर का खतरा काफी हद तक बढ़ जाता है, जिससे सतर्क रहना बेहद जरूरी है। खान-पान में शुद्धता रखें, बाहर के खुले और बासी भोजन से परहेज करें तथा अपने आस-पास पानी जमा न होने दें। अगर घर में किसी को भी बुखार या सर्दी-खांसी के लक्षण दिखते हैं, तो तुरंत नजदीकी चिकित्सक से परामर्श लें ताकि मानसून का यह आनंद सुरक्षित और सेहतमंद बना रहे।

फोटो : अनिल तिवारी

विदाई समारोह में याद किये गए अविस्मरणीय पल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी विद्यालय देवताल गढ़ा में दो शिक्षकों एवं एक चौकीदार को दी गई भावभीनी विदाई

हितकारिणी हायर सेकेंडरी स्कूल, देवताल गढ़ा में विद्यालय परिवार द्वारा सेवानिवृत्त/स्थानांतरित राजेश लिल्हारे और संध्या पाण्डेय एवं अनिल मशीह के सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव एवं विधा परिषद के सयोजक राजीव श्रीवास्तव और समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपने संबोधन में तीनों कर्मचारियों के वर्षों के समर्पित, अनुशासित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल एवं स्वस्थ भविष्य की कामना की।

श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर किया सम्मानित

इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं हितकारिणी सभा विधा परिषद की ओर से शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका सम्मान किया गया। विदाई समारोह के दौरान अनेक शिक्षक एवं कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए गए अविस्मरणीय पलों को साझा किया, जिससे वातावरण भावुक हो गया। सम्मानित कर्मचारियों ने भी विद्यालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हितकारिणी विद्यालय में बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेगा। इस अवसर पर तीनो कर्मचारियों के परिवार के सदस्य एवं मित्र गण उपस्थित रहे। अंत मे राजीव तिवारी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया एवं कार्यक्रम का संचालक नीतू साहू द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बीटी तिराहा प्राचार्य स्नेहा लता श्रीवास्तव, सहजपुर प्राचार्य देवा आशीष, एच एम तृप्ति नारंग, सी एस खाम्परिया, रोहित दुर्गेश, निरंजन, संजय, अभिलाषा, प्रिया, नंदा, समता पाण्डेय, दीपशिखा तिवारी एवं भूतपूर्व छात्रा श्रष्टि पायल अदिति पहलाद आदि उपस्थित रहे ।

90 दिनों में पूर्ण करें करोड़ों के गबन की जांच

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की पीठ ने इटारसी के पत्रकार सुरेश कुमार चिंचवाड़ की याचिका में सुनवाई कर प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन को इटारसी नगर पालिका के करोड़ों के भ्रष्टाचार व अवैध भुगतान की जांच 90 दिन में पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं । याचिकाकर्ता ने नगर पालिका परिषद, इटारसी को भारी वित्तीय हानि पहुंचाने के मामले में कार्यवाही करने हेतु प्रमुख सचिव, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, मप्र शासन एवं अन्य अधिकारियों के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किए थे। मध्य प्रदेश नगर पालिका (लेखा एवं वित्त) नियम, 2018 के नियम 85 (2) और मध्य प्रदेश शासन के आदेश दिनांक 06/08/2022 का घोर उल्लंघन करते हुए, नगर पालिका परिषद, इटारसी के अध्यक्ष पंकज चौरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रितु मेहरा एवं अन्य अधिकारियों ने कूटरचित (फर्जी) नोटशीट तैयार की और 35 महीनों की अवधि में ?14,20,51,378/- का धोखाधड़ीपूर्ण भुगतान किया। यह इटारसी नगर पालिका परिषद के भीतर सार्वजनिक धन के गबन (दुरुपयोग) और प्रशासनिक भ्रष्टाचार से जुड़ा एक गंभीर आरोप है। याचिकाकर्ताओं ने जांच संचालित करने हेतु कई शिकायतें और प्रतिवेदन प्रस्तुत किए, परन्तु नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा केवल आयुक्त से प्रतिवेदन बुलाने की औपचारिकता करके ठंडे बस्ते में डाल दिया। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष त्रिवेदी आनंद शुक्ला अपूर्व त्रिवेदी ने पैरवी की।

हितकारिणी डेंटल की टीम ने लगाया निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सनातन धर्म पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल, हथीतालद्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिसमें पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की टीम ने सहभागिता की। यह सहभागिता कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेश धीरवानी एवं प्राचार्य डॉ. रोहित मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार द्वारा चिकित्सकों का आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यार्थियों को समाज में

चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका, उनकी सेवा भावना तथा स्वास्थ्य संरक्षण में उनके अमूल्य योगदान के बारे में प्रेरणादायक जानकारी दी गई। इस अवसर पर पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की 6 सदस्यीय टीम द्वारा विद्यालय के 170 विद्यार्थियों का निःशुल्क दंत एवं मौखिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान विद्यार्थियों में पाई गई दंत समस्याओं की पहचान कर उन्हें आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया तथा नियमित दंत परीक्षण, उचित मौखिक स्वच्छता एवं स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय द्वारा आयोजित टॉक सेशन में डॉ. अंकिता सिंह ने विद्यार्थियों को मौखिक स्वास्थ्य के महत्व, सही ब्रश करने की विधि, दंत स्वच्छता तथा दंत रोगों की रोकथाम के विषय में सरल एवं रोचक ढंग से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने हितकारिणी डेंटल कॉलेज एवं अस्पताल की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वस्थ जीवनशैली के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सतीश नामदेव की पुण्यतिथि पर हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के संस्थापक एवं वरिष्ठ समाजसेवी एड. स्व. सतीश नामदेव की द्वितीय पुण्यतिथि पर शहर में कार्यक्रमों का आयोजन कर उन्हें याद किया गया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार से ताल्लुक रखने वाले स्व. नामदेव की स्मृति में उनके पुत्रों एड. शैलेष और योगेश नामदेव के राइट टाउन स्थित निवास पर एक विशेष श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमे अमरीश मिश्रा, मनोज नामदेव और वरिष्ठ एडवोकेट प्रकाश चंद गोल्छा ने उनके चित्र पर पुष्पमाला अर्पित की। तत्पश्चात, जिला कलेक्टर कार्यालय अधिवक्ता परिसर में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एड. मनीष मिश्रा की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। कलेक्ट्रेट बार की स्थापना और अधिवक्ताओं के बैठने के स्थान के लिए उनका संघर्ष को याद किया गया पुण्यतिथि के अवसर निर्मला नामदेव, पुरूषोत्तम नामदेव, सुशील नामदेव गरीब जनों को अनाज एवं वस्त्र दान कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जनस्वास्थ्य सेवाओं के लिए डॉ. नवीन कोठारी हुए सम्मानित

सीजीएचएस स्थापना दिवस पर हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। 'इमा डॉक्टर्स डे' एवं सीजीएचएस स्थापना दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विजन संस्था के सौजन्य से आयोजित इस समारोह में आशीष दुबे एवं अभिलाष पांडे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वीएफजे, सीजीएचएस और आईएमए के आला अधिकारी

सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। समारोह के दौरान डॉ. नवीन कोठारी को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के सफल क्रियान्वयन, जिले में समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन, कुशल नेतृत्व तथा जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मुख्य अतिथियों द्वारा स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने डॉ. कोठारी को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि कोरोना काल से लेकर वर्तमान समय तक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है।

माल ढुलाई में पमरे ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पमरे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। महाप्रबंधक के सतत मार्गदर्शन और वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के संयुक्त प्रयासों से जून 2026 के दौरान रेलवे ने 5.45 मिलियन टन ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग दर्ज की है। यह शानदार आँकड़ा पिछले वर्ष के इसी महीने में की गई 4.85 मिलियन टन लोडिंग के मुकाबले 12 प्रतिशत से भी अधिक है। रेलवे की इस उपलब्धि से मालगाड़ियों के सुचारू संचालन और राजस्व में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। चालू वर्ष में अब तक कुल 15.31 मिलियन टन ओरिजिनेटिंग फ्रेट लोडिंग दर्ज की जा चुकी है, जो गत वर्ष की समान अवधि 14.40 मिलियन टन की तुलना में 6.3 प्रतिशत अधिक है। रेलवे ने माल ढुलाई को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए बुनियादी ढांचे और संचालन में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। पटरियों के दोहरीकरण और तिहरीकरण के कार्यों में तेजी लाने के साथ-साथ गुड्स टर्मिनलों की कार्यप्रणाली को सुधारा गया है, जिससे मालगाड़ियों के खड़े रहने के समय में भारी कमी आई है। इसके अलावा, माल गोदामों को आधुनिक रूप देकर वहाँ चौबीसों घंटे लोडिंग और अनलोडिंग की सेवाएँ शुरू की गई हैं।

एपीएन महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ले रहे प्रशिक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

1 मप्र बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल नितिन शर्मा एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल समीर बोडस के दिशा निर्देशन में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 29 जून से 08 जुलाई तक तिलहरी स्थित जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एक्शन एंड स्ट्डीज में किया जा रहा हैं। इस शिविर में ए पी एन महाविद्यालय के 40 एनसीसी कैडेट्स सहित विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 550 कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण ले रहे हैं। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस पर समस्त कैडेट्स का बायोमेट्रिक द्वारा पंजीयन करवाया गया साथ ही दूसरे और तीसरे दिन एएनओ एवं पी आई स्टाफ द्वारा पीटी .22

रायफल ,मैप रीडिंग, युद्ध कौशल आदि का प्रशिक्षण दिया गया। इस कैंप के द्वारा कैडेट्स को शारीरिक प्रशिक्षण के साथ मानसिक क्रियाकलाप भी करवाए जा रहे है। इस कैंप का उद्देश्य कैडेट्स को सैन्य जीवन शैली से रुबरु करवाना तथा अनुशंसित जीवन को अपनाना हैं।

इस कैंप में महाविद्यालय की एनसी सी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ.दिव्या पाराशर के साथ अन्य एनसीसी अधिकारी पीआई स्टाफ उपस्थित है।

मेनका गांधी के बयान के विरोध में युवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी द्वारा दिगंबर जैन संतों के संयम उपकरण मयूर पिच्छिका को लेकर दिए गए भी कथित विवादित बयान के विरोध में बुधवार शाम मालवीय चौक पर युवा कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष सतेंद्र (सोनू) कुकरेले एवं ब्लॉक अध्यक्ष समीर जैन गढ़ावाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और मेनका गांधी से सार्वजनिक माफी की मांग की। विवाद की शुरुआत तब हुई जब मेनका गांधी ने नई दिल्ली के एक जैन मंदिर में चर्चा के दौरान कथित तौर पर दावा किया कि जैन मुनियों द्वारा धारण की जाने वाली पिच्छिका बनाने के लिए लाखों मोरों की हत्या की जाती है। उनके इस बयान के सामने आने के बाद देश भर के जैन समाज में तीखी प्रतिक्रिया हुई और सामाजिक संगठनों ने इसे तथ्यहीन बताते हुए दिगंबर परंपरा का अपमान करार दिया।

प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष समीर जैन ने स्पष्ट किया कि मयूर पिच्छिका पूर्णतः अहिंसा का प्रतीक है। जैन मुनि इसका उपयोग सूक्ष्म जीवों की रक्षा के लिए करते हैं। इसके निर्माण के लिए किसी मोर को नुकसान नहीं पहुँचाया जाता, बल्कि प्राकृतिक रूप से (मोल्टिंग प्रक्रिया के दौरान) झड़े हुए पंखों को एकत्र कर इसे बनाया जाता है। यह पूरी तरह एक स्वाभाविक और जैविक प्रक्रिया है। शहर अध्यक्ष सतेंद्र कुकरेले ने आरोप लगाया कि बिना प्रामाणिक जानकारी के ऐसा भ्रामक बयान देना करोड़ों जैन अनुयायियों की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। इस विरोध प्रदर्शन में भानु यादव, अभ्युत बाजपेयी, शिशांत सिंह राजपूत, नीलेश जैन और सचिन जैन सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता व समाज के लोग उपस्थित रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ 151वां मारुति महायज्ञ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। उखरी रोड, बलदेव बाग स्थित श्री राम भवन में अध्यात्म की अनूठी बयार बहने लगी है। यहाँ संत शिरोमणि योगीराज देवहरा बाबा की पावन स्मृति में पाँच दिवसीय 151वें श्री मारुति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ बुधवार, 1 जुलाई से हुआ। काशी से पधारे परम शिष्य राम मारुति पीठाधीश्वर 1008 जगदीश दास जी महाराज के दिव्य सानिध्य में आयोजित हो रहा यह महायज्ञ जबलपुर की धरती पर पाँचवाँ आयोजन है। महायज्ञ के पहले दिन बुधवार को यज्ञ स्थल से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा बलदेव बाग से शुरू होकर पंजाब नेशनल बैंक कॉलोनी और दुर्गा मंदिर सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए वापस यज्ञशाला में संपन्न हुई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में पीतांबर और लाल वस्त्र धारण किए महिला श्रद्धालु सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं, जिससे पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और जय मारुति के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस पावन अवसर पर नंद बाबा, अभय निखरा, संजय रावत, राकेश अयाची, राजेश शर्मा और अमरीश मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

घोटालों से अकूत दौलत कमाने का आरोप, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

आय से अधिक संपत्ति मामले में डॉ आदर्श विश्नोई के खिलाफ जांच शुरू, सीएमएचओ ने जारी किया नोटिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सेडमैप आउटसोर्स घोटाले और एचपीवी वैक्सीनेशन घोटाले में लिप्त नर्सिंग होम शाखा के जिला नोडल अधिकारी और पाटन के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ आदर्श विश्नोई की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। बीते 9 जून को समाजसेवी और शिकायतकर्ता अरविन्द मिश्रा ने कलेक्टर जनसुनवाई में उपस्थित होकर डॉ विश्नोई के द्वारा अवैध कमाई कर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के एक नए घोटाले के संबंध में 164 पन्नों का विस्तृत शिकायत पत्र सौंपा था। बताया जा रहा है कि इस भारी भरकम पुलिंदे में डॉ विश्नोई की अवैध संपत्तियों के पुख्ता सबूत शामिल थे। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर कार्यालय ने सीएमएचओ स्तर से 15 दिनों के भीतर इस पूरे मामले का निराकरण करने का आदेश जारी किया था। जिसके पालन में सीएमएचओ डॉ नवीन कोठारी द्वारा जहां डॉ विश्नोई से शिकायत में लगाए गए सभी आरोपों का बिंदुवार लिखित जवाब प्रस्तुत करने के लिए पत्र जारी किया गया था, वहीं उनके द्वारा 18 जून 2026 को एक और पत्र जारी कर शिकायतकर्ता को भी कार्यालय में दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर शिकायत के संबंध में अपने बयान दर्ज कराने का निर्देश दिया गया था।

करोड़ों की संपत्ति खरीदने का आरोप

शिकायतकर्ता शिकायतकर्ता का आरोप है कि डॉ विश्नोई ने अपने व परिवार के सदस्यों के नाम पर बिना शासन की पूर्व अनुमति के करीब एक करोड़ दस लाख रुपये मूल्य की 5 अचल संपत्तियां मझौली, पाटन और जबलपुर में खरीदी हैं। इतना ही नहीं, डॉ विश्नोई ने पांचों संपत्तियों को अपने व अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर सरकारी खसरे में दर्ज भी करवा लिया है। अचल संपत्ति के अलावा, डॉ विश्नोई ने शासकीय सेवा के दौरान सक्षम अधिकारी की बिना पूर्व अनुमति

के चल संपत्ति के रूप में 3 कारें भी खरीदीं। उनके द्वारा किये गए ये सभी कृत्य मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 19(2)(2) का खुला उल्लंघन हैं जिसमें प्रावधान है कि शासकीय सेवक शासन की पूर्व मंजूरी के बिना स्वयं अपने या अपने कुटुम्ब के सदस्य के नाम से कोई भी चल अचल संपत्ति न तो खरीदेगा और न ही बेचेगा। शिकायतकर्ता द्वारा यह भी जानकारी उजागर की गई कि डॉ विश्नोई द्वारा राज्य शासन की अनुमति के बिना वर्ष 2017 में यूएसए व वर्ष 2018 में दुबई की यात्रा की गई।

अस्पताल पंजीयन घोटाला

शिकायतकर्ता द्वारा यह भी आरोप लगाया गया कि डॉ विश्नोई ने सरकारी पद का दुरुपयोग कर जबलपुर के अयोग्य व अनुपयुक्त अस्पतालों के पंजीयन अथवा नवीनीकरण दिलाने के एवज में करोड़ों रुपये का घोटाला किया है। डॉ विश्नोई ज्यादातर अस्पतालों के मामले में इंस्पेक्शन अथारिटी होने से अस्पताल का निरीक्षण कर इंस्पेक्शन रिपोर्ट बनाते हैं और उनके पक्ष में पंजीयन जारी करने की अनुशंसा पर्यवेक्षण अधिकारी सीएमएचओ को करते हैं। इंस्पेक्शन अथारिटी की इसी अनुशंसा के आधार पर आगे सीएमएचओ के द्वारा अस्पतालों को पंजीयन व लाइसेंस प्रदान किया जाता है।

विगत 4 वर्षों में डॉ विश्नोई ने चंद हजार रुपयों के लालच में बिना जरूरी कागजात, बिना दमकल वाहन के रास्ते वाले व बिना वैकल्पिक फायर एग्जिट वाले या बिना पार्किंग वाले भवनों में या पूरी तरह आवासीय भवनों में या नक्शे के विपरीत अवैध निर्माण करने वाले करीब 50 से अधिक भवनों में अस्पताल चलाने का लाइसेंस बांट देने की अनुशंसा कर दी। जिन अस्पतालों के पास अनिवार्य भवन पूर्णता प्रमाणपत्र तक उपलब्ध नहीं था, उनसे मोटी रकम लेकर निरीक्षण के दौरान जानबूझकर अपनी आंखें बंद रखी गईं ताकि अवैध निर्माण सामने न आ सके। उनकी कमियों को फाइल में दफन कर दिया गया और चमचमाती फर्जी क्लीन चिट रिपोर्ट अनुशंसा सहित तैयार कर दी गई।

विज्ञानः तर्क, प्रयोग और विकास का आधार

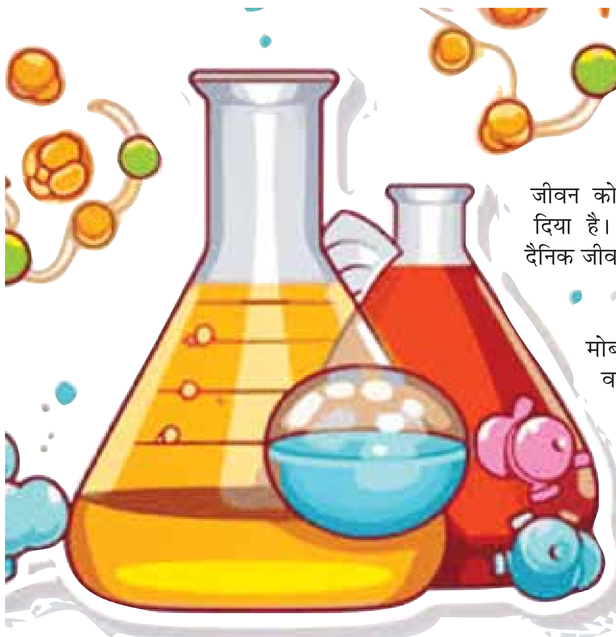

विज्ञान ने मानव जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। आज हम अपने दैनिक जीवन में जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, मोबाइल, कंप्यूटर, वाहन, दवाइयाँ और बिजली, ये सभी विज्ञान की देन हैं। विज्ञान ने न केवल जीवन को आसान बनाया है, बल्कि

सोचने और समझने का एक नया दृष्टिकोण भी दिया है।

विज्ञान क्या है- विज्ञान शब्द संस्कृत के दो शब्दों से मिलकर बना है वि अर्थात विशेष और ज्ञान या जानकारी अर्थात विशेष ज्ञान। इस प्रकार विज्ञान वह व्यवस्थित अध्ययन है जिसमें किसी वस्तु या घटना को अवलोकन, प्रयोग और तर्क के माध्यम से समझा जाता है।

विज्ञान के मुख्य उद्देश्य

विज्ञान का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक घटनाओं को समझना और उनके नियमों की खोज करना है। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं जैसे प्राकृतिक घटनाओं की व्याख्या करना, वैज्ञानिक नियमों और सिद्धांतों का निर्माण करना, मानव ज्ञान का विस्तार करना, वैज्ञानिक विधि आदि।

विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया

विज्ञान एक निश्चित प्रक्रिया के अनुसार कार्य करता है, जिसे वैज्ञानिक विधि कहते हैं जैसे निरीक्षण, किसी घटना को ध्यान से देखना। समस्या पहचान, प्रश्न या समस्या तय करना। परिकल्पना, संभावित उत्तर का अनुमान लगानां प्रयोग, परिकल्पना की जाँच करना। आँकड़ा संग्रह, परिणाम एकत्र करना। विश्लेषण, डेटा का अध्ययन करना। निष्कर्ष यानि अंतिम परिणाम निकालना और सत्यापन अर्थात निष्कर्ष की पुष्टि करना।

विज्ञान की प्रमुख विशेषताएँ

विज्ञान मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और उन्नत बनाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। यह हमें सोचने, समझने और तर्क के आधार पर निर्णय लेने की शक्ति देता है। इसलिए विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। विज्ञान तथ्य और प्रमाण पर आधारित होता है। यह व्यवस्थित, तर्कसंगत और प्रयोगशील ज्ञान है। इसके सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं और नए प्रमाण मिलने पर इनमें परिवर्तन भी संभव है।

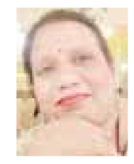

सुप्रिया गुप्ता
शिक्षक
हितकारिणी उमा शाला, गोविंदगंज
दमोहनाका, जबलपुर

संतुलित दिनचर्याः वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ और सफल बचपन की कुंजी

संतुलित दिनचर्याः वैज्ञानिक दृष्टि से स्वस्थ और सफल बचपन की कुंजी

आज के समय में बच्चों का जीवन मोबाइल, टीवी और अनियमित खान-पान से प्रभावित हो रहा है। विज्ञान के अनुसार, बचपन में बनी आदतें मस्तिष्क, शरीर और व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इसलिए संतुलित दिनचर्या केवल अनुशासन नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक आवश्यकता है, जो बच्चे के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करती है।

नींद और मस्तिष्क का विकास

वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों को प्रतिदिन 9 से 11 घंटे की नींद आवश्यक होती है। नींद के दौरान मस्तिष्क में न्यूरॉन कनेक्शन मजबूत होते हैं और ग्रोथ हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जिससे शारीरिक वृद्धि होती है। देर रात तक जागने से एकाग्रता

कम होती है और याद रखने की क्षमता प्रभावित होती है।

पोषण और शरीर की ऊर्जा

समय पर भोजन करना शरीर के मेटाबॉलिज्म को संतुलित रखता है। सुबह का नाश्ता न करने से ग्लूकोज स्तर गिरता है, जिससे थकान और ध्यान की कमी होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित आहार मोटापा, डायबिटीज और पाचन संबंधी रोगों से बचाव करता है।

शारीरिक गतिविधि और मस्तिष्क स्वास्थ्य

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार बच्चों को प्रतिदिन कम से कम 60 मिनट शारीरिक गतिविधि करनी चाहिए। खेलकूद से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन बढ़ता है, जो तनाव कम करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इससे आंखों की रोशनी और हड्डियों की मजबूती भी बढ़ती है।

सीखने की क्षमता और स्मृति

वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि सुबह के समय मस्तिष्क सबसे अधिक सक्रिय होता है। इस समय पढ़ाई करने से जानकारी लंबे समय तक याद रहती है। अनियमित दिनचर्या से ब्रेन फॉग और ध्यान की कमी बढ़ती है, जिससे शैक्षणिक प्रदर्शन प्रभावित होता है।

व्यवहार और मानसिक संतुलन

नियमित दिनचर्या बच्चों के डोपामिन सिस्टम को संतुलित रखती है, जिससे वे शांत और अनुशासित रहते हैं। अनियमित जीवन से चिड़चिड़ापन, गुस्सा और मोबाइल की लत बढ़ती है। समय का सही प्रबंधन आत्मविश्वास और जिम्मेदारी विकसित करता है। वैज्ञानिक दृष्टि से संतुलित दिनचर्या बच्चों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास का आधार है। यह न केवल स्वास्थ्य सुधारती है, बल्कि सीखने की क्षमता और व्यवहार को भी बेहतर बनाती है। इसलिए यदि हम बच्चों का उज्ज्वल भविष्य चाहते हैं, तो हमें आज से ही उनकी दिनचर्या को वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित करना होगा।

पूजा त्रिपाठी
शिक्षक
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी दीक्षितपुरा, जबलपुर

हरे पत्तों की अद्भुत फैक्ट्री

जानिए पौधे अपना भोजन कैसे बनाते हैं?

कल्पना कीजिए, यदि मनुष्यों को अपना भोजन खुद बनाने की शक्ति मिल जाए, तो न खेती की जरूरत होगी और न ही रसोई की। प्रकृति ने यह अनोखी क्षमता केवल पौधों को दी है। वे बिना किसी रसोइए, गैस या मशीन के अपना भोजन स्वयं तैयार करते हैं। यही कारण है कि पौधों को पृथ्वी का प्राकृतिक भोजन निर्माता कहा जाता है। पौधों द्वारा भोजन बनाने की इस अद्भुत प्रक्रिया को प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। यही प्रक्रिया पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अधिक से अधिक पेड़ लगाए, उनकी रक्षा करे और प्रकृति के इस अनमोल उपहार को सुरक्षित रखे। याद रखें, हर हरा पौधा पृथ्वी के भविष्य की सांस है।

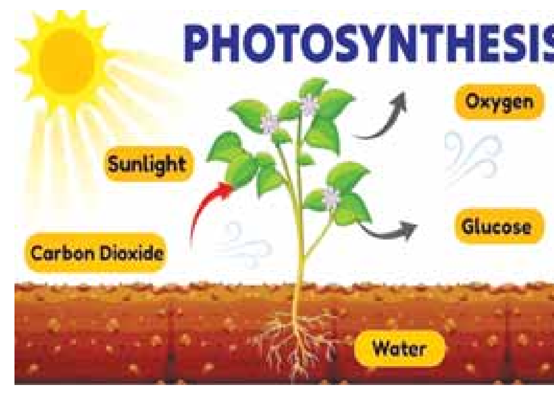

क्या है प्रकाश संश्लेषण ?

प्रकाश संश्लेषण वह जैविक प्रक्रिया है, जिसमें पौधे सूर्य के प्रकाश, पानी और वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड की सहायता से अपना भोजन (ग्लूकोज़) बनाते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान पौधे वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो मनुष्य और अन्य जीवों के जीवन के लिए अनिवार्य है।

पौधों को भोजन बनाने क्या चाहिए?

सबसे पहले पौधों को सूर्य का प्रकाश चाहिए, जो उन्हें ऊर्जा प्रदान करता है। इसके बाद जड़ें मिट्टी से पानी और आवश्यक खनिजों को अवशोषित करती हैं। पत्तियों पर मौजूद सूक्ष्म छिद्र, जिन्हें रंध्र कहा जाता है, उनके माध्यम से पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं। पत्तियों में पाया जाने वाला हरा वर्णक क्लोरोफिल सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करके भोजन बनाने की प्रक्रिया को संभव बनाता है।

भोजन बनने की पूरी प्रक्रिया

जब सूर्य की किरणें पत्तियों पर पड़ती हैं, तो क्लोरोफिल प्रकाश ऊर्जा को ग्रहण करता है। यह ऊर्जा पानी और कार्बन डाइऑक्साइड को मिलाकर ग्लूकोज़ यानी शर्करा बनाती है। यही ग्लूकोज़ पौधों के विकास, फूल, फल और बीज बनने में काम आता है। यदि भोजन अधिक बन जाए, तो पौधे उसे स्टार्च के रूप में जड़ों, तनों और फलों में संग्रहित कर लेते हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उसका उपयोग किया जा सके।

प्रकाश संश्लेषण क्यों है इतना महत्वपूर्ण?

यदि यह प्रक्रिया न होती, तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना करना भी कठिन होता। पौधे भोजन श्रृंखला की पहली कड़ी हैं, इसलिए सभी जीव प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हीं पर निर्भर हैं। यही प्रक्रिया वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा को नियंत्रित करती है और जीवनदायिनी ऑक्सीजन उपलब्ध कराती है। जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी पौधों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विज्ञान के प्रयोग

नमक से क्रिस्टल कैसे उगाएँ?

क्रिस्टल प्रकृति की सबसे सुंदर संरचनाओं में से एक हैं। नमक, चीनी, बर्फऔर कई खनिज प्राकृतिक रूप से क्रिस्टल के रूप में पाए जाते हैं। यदि आप यह जानना चाहते हैं कि क्रिस्टल कैसे बनते हैं, तो घर पर नमक की सहायता से एक आसान और सुरक्षित प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रयोग के माध्यम से आप क्रिस्टलीकरण की प्रक्रिया को आसानी से समझ सकते हैं।

क्रिस्टलीकरण क्या है?

क्रिस्टलीकरण वह प्रक्रिया है, जिसमें किसी घुले हुए पदार्थ के कण धीरे-धीरे एक निश्चित क्रम में व्यवस्थित होकर ठोस और चमकदार क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं। जब पानी में घुला नमक धीरे-धीरे वाष्पित होता है, तो नमक के कण आपस में जुड़कर छोटे-छोटे क्रिस्टल बना लेते हैं।

आवश्यक सामग्री

- साफ़ काँच का गिलास या जार
- लगभग 200 से 250 मिलीलीटर गर्म पानी
- साधारण खाने का नमक
- एक सूती धागा
- एक पेंसिल या लकड़ी की पतली छड़ी
- एक चम्मच

क्या होगा?

लगभग 3 से 7 दिनों के भीतर धागे पर छोटे-छोटे सफेद, चमकदार नमक के क्रिस्टल दिखाई देने लगेंगे। समय के साथ ये क्रिस्टल और बड़े होते जाएँगे। यदि घोल को अधिक दिनों तक बिना हिलाए रखा जाए, तो क्रिस्टल का आकार और स्पष्ट हो सकता है।

प्रयोग करने की विधि

सबसे पहले गर्म पानी को काँच के जार में डालें। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा करके नमक मिलाते जाएँ और चम्मच से चलाते रहें। नमक तब तक मिलाएँ, जब तक वह घुलना बंद न कर दे। इसे संतृप्त घोल कहते हैं। अब धागे का एक सिरा पेंसिल से बाँध दें और दूसरा सिरा घोल में इस तरह लटकाएँ कि वह जार के बीच में रहे और तली को न छुए। पेंसिल को जार के ऊपर रख दें ताकि धागा स्थिर रहे। जार को ऐसी जगह रखें जहाँ उसे कोई हिलाए नहीं। अगले कुछ दिनों तक धैर्य रखें और रोज़ उसका निरीक्षण करें।

ऐसा क्यों होता है?

गर्म पानी में ठंडे पानी की तुलना में अधिक नमक घुल सकता है। जैसे-जैसे पानी ठंडा होता है और धीरे-धीरे वाष्पित होता है, उसमें घुला अतिरिक्त नमक बाहर आने लगता है। धागा नमक के कणों को चिपकने के लिए एक आधार प्रदान करता है। धीरे-धीरे ये कण एक नियमित संरचना बनाकर क्रिस्टल का रूप ले लेते हैं।

प्रयोग के दौरान सावधानियाँ

- पानी बहुत गर्म हो, लेकिन उबलता हुआ न हो।
- प्रयोग के दौरान जार को बार-बार न हिलाएँ।
- साफ़ जार और साफ़ धागे का उपयोग करें।
- घोल को पीने या चखने की कोशिश न करें।
- छोटे बच्चे यह प्रयोग किसी बड़े की देखरेख में करें।

फिंगर प्रिंट, हर इंसान की अलग पहचान

क्या आपने कभी ध्यान दिया है कि हमारी उँगलियों पर बनी छोटी-छोटी घुमावदार रेखाएँ हर व्यक्ति में अलग होती हैं? दुनिया में अरबों लोग हैं, लेकिन आज तक दो अलग-अलग व्यक्तियों के उँगलियों के निशान बिल्कुल समान नहीं पाए गए हैं। यही कारण है कि फिंगरप्रिंट को किसी व्यक्ति की सबसे विश्वसनीय पहचान माना जाता है। पुलिस जाँच से लेकर स्मार्टफोन अनलॉक करने तक, उँगलियों के निशान आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन आखिर ऐसा क्यों होता है? आइए इसका वैज्ञानिक रहस्य जानते हैं।

उँगलियों के निशान कैसे बनते हैं?

उँगलियों के निशान गर्भ में ही बनने शुरू हो जाते हैं। जब शिशु लगभग 10 से 16 सप्ताह का होता है, तब उसकी उँगलियों की त्वचा पर महीन उभरी हुई रेखाएँ विकसित होने लगती हैं। इन रेखाओं का निर्माण केवल जीन से ही नहीं होता, बल्कि गर्भाशय के भीतर का दबाव, एम्नियोटिक द्रव की स्थिति, उँगलियों की गति और अन्य सूक्ष्म परिस्थितियाँ भी इन्हें प्रभावित करती हैं। इसलिए हर व्यक्ति के फिंगरप्रिंट अनोखे बनते हैं।

क्या जुड़वाँ बच्चों के फिंगरप्रिंट भी अलग होते हैं?

यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक जैसे दिखने वाले जुड़वाँ का डीएनए लगभग समान होता है, फिर भी उनके उँगलियों के निशान अलग-अलग होते हैं। इसका कारण यह है कि गर्भ में विकास के दौरान बनने वाली सूक्ष्म परिस्थितियाँ प्रत्येक भ्रूण के लिए पूरी तरह एक जैसी नहीं होतीं।

खाना लंबे समय तक ताज़ा कैसे रहता है? जानिए फूड प्रिजर्वेटिव का विज्ञान

आज के समय में पैकेटबंद दूध, ब्रेड, बिस्कुट, सॉस, जूस और कई अन्य खाद्य पदार्थ महीनों तक खराब नहीं होते। क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा कैसे संभव होता है? इसका उत्तर फूड प्रिजर्वेटिव में छिपा है। ये भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने, बर्बादी कम करने और दूर-दराज़ तक पहुंचाने में मदद करते हैं। सही मात्रा में उपयोग किए जाने पर ये उपयोगी हैं, लेकिन स्वस्थ जीवनशैली के लिए ताज़ा और घर का बना भोजन हमेशा सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है।

फूड प्रिजर्वेटिव क्या होते हैं?

फूड प्रिजर्वेटिव ऐसे प्राकृतिक या कृत्रिम रासायनिक पदार्थ हैं, जिन्हें खाद्य पदार्थों में बहुत कम मात्रा में मिलाया जाता है। इनका मुख्य कार्य बैक्टीरिया, फफूंद (फंगस) और यीस्ट जैसे सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को रोकना तथा भोजन को जल्दी खराब होने से बचाना होता है। इससे खाद्य पदार्थों की शेल्फ लाइफ बढ़ जाती है।

इनकी आवश्यकता क्यों पड़ती है?

भोजन में नमी, हवा और तापमान के कारण सूक्ष्मजीव तेजी से पनपने लगते हैं, जिससे भोजन खराब हो जाता है। फूड प्रिजर्वेटिव इन सूक्ष्मजीवों की वृद्धि को नियंत्रित करते हैं और भोजन का स्वाद, रंग तथा गुणवत्ता लंबे समय तक बनाए रखते हैं। इससे खाद्य पदार्थों का परिवहन और भंडारण भी आसान हो जाता है।

फूड प्रिजर्वेटिव के प्रकार

फूड प्रिजर्वेटिव दो प्रकार के होते हैं। प्राकृतिक प्रिजर्वेटिव में नमक, चीनी, सिरका, नींबू का रस और मसाले शामिल हैं। इनका उपयोग सदियों से अचार, जैम और मुरब्बा बनाने में किया जाता रहा है। वहीं कृत्रिम प्रिजर्वेटिव जैसे सोडियम बेंजोएट, पोटैशियम सोर्बेट और सल्फर डाइऑक्साइड का उपयोग पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में नियंत्रित मात्रा में किया जाता है।

क्या ये स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित हैं?

मानक मात्रा में उपयोग किए गए फूड प्रिजर्वेटिव सामान्यतः सुरक्षित माने जाते हैं। भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण इनके उपयोग की मात्रा तय करता है। हालांकि, अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं माना जाता। इसलिए ताज़े और संतुलित भोजन को प्राथमिकता देना बेहतर होता है।

सामान्य विज्ञान रोचक तथ्य

- अरस्तू को जीव विज्ञान का जनक माना जाता है।
- कोशिका जीवन की सबसे छोटी संरचनात्मक एवं क्रियात्मक इकाई है।
- कोशिका की खोज रॉबर्ट हुक ने 1665 में की थी।
- जीवित कोशिका का प्रथम अध्ययन एंटनी वॉन ल्यूवेनहॉक ने किया।
- डीएनए को आनुवंशिक जानकारी का वाहक माना जाता है।
- मानव शरीर में 46 गुणसूत्र होते हैं, अर्थात 23 जोड़ी गुणसूत्र।
- रक्त का लाल रंग हीमोग्लोबिन के कारण होता है।
- लाल रक्त कणिकाएँ ऑक्सीजन का परिवहन करती हैं।
- सफेद रक्त कणिकाएँ मानव शरीर में रोगों से रक्षा करती हैं।
- स्वस्थ वयस्क का हृदय प्रतिदिन लगभग एक लाख बार धड़कता है।

निरीक्षण के नाम पर कृषि उपसंचालक कर रहे जेब गर्म!

40 लाख की कुर्सी का हवाला देकर वसूली की चर्चा, कृषि विभाग फिर सवालों के घेरे में

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट जिला कृषि विभाग एक बार फिर चर्चाओं में है। इस बार मामला किसानों से जुड़ी योजनाओं या खाद-बीज की उपलब्धता का नहीं, बल्कि विभाग के निरीक्षण अभियान के दौरान कथित रूप से व्यापारियों से अवैध वसूली और दबाव बनाने के आरोपों का है। कृषि विभाग के उपसंचालक पर लगाए जा रहे इन आरोपों ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारी का पक्ष भी सामने नहीं आ सका है। जानकारी के अनुसार, खरीफ सीजन में जिलेभर में किसान खाद, बीज और कीटनाशकों की खरीदारी कर रहे हैं। ऐसे समय कृषि विभाग द्वारा दुकानों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है ताकि एक्सपायरी दवाओं, अमानक बीज एवं अनियमितताओं पर कार्रवाई की जा सके। लेकिन विभाग के निरीक्षण को लेकर अब अलग ही तरह की चर्चाएं बाजार में सुनाई दे रही हैं। विगत वर्ष 2024 और 2025 में तत्कालीन कृषि विभाग के उपसंचालक के द्वारा कई ऐसे मामले एक्सपोज किए गए थे जो अवैध दवा और नकली धान बीज का बड़ा रैकेट का खुलासा किया था और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया गया था लेकिन कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय की कार्यवाही सवालों के घेरे में हैं।

व्यापारियों में कार्रवाई का भय.

सूत्रों का दावा है कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी दुकान में एक्सपायरी दवा, खाद या दस्तावेजों में किसी प्रकार की कमी मिलती है तो नियमानुसार कार्रवाई करने के बजाय संबंधित व्यापारियों को लाइसेंस निरस्त करने का डर

दिखाया जाता है। आरोप है कि कार्रवाई से बचाने के नाम पर मोटी रकम की मांग की जाती है। कुछ व्यापारियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि निरीक्षण के दौरान उन्हें इस तरह का दबाव महसूस कराया गया।

40 लाख खर्च कर मिली है यह कुर्सी कहने की चर्चा

सूत्रों के अनुसार व्यापारियों के बीच यह चर्चा भी है कि निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी कथित तौर पर यह कहते हैं कि उन्होंने जिला कृषि उपसंचालक की कुर्सी पाने के लिए करीब 40 लाख रुपये खर्च किए हैं, इसलिए अब वह रकम निकालना भी उनकी मजबूरी है। यही नहीं, यह भी कहा जाता है कि भोपाल में इस तरह की पोस्टिंग के लिए बड़ी रकम खर्च करनी पड़ती है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दस्तावेजी कार्यों में भी वसूली की चर्चा

सूत्रों का यह भी आरोप है कि केवल निरीक्षण ही नहीं, बल्कि विभाग में दस्तावेज सत्यापन और अन्य प्रशासनिक कार्यों के नाम पर भी कथित रूप से भारी-भरकम राशि वसूले जाने की चर्चाएं हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो यह न केवल विभाग की कार्यप्रणाली बल्कि किसानों और व्यापारियों के विश्वास पर भी गंभीर आघात है।जिले में पहले से ही नकली बीज, अमानक खाद और कीटनाशकों की शिकायतें सामने आती रही हैं। ऐसे में यदि निरीक्षण अभियान पारदर्शी होने के बजाय कथित रूप से वसूली का माध्यम बन जाए तो इसका सीधा नुकसान किसानों को उठाना पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई हो और ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी भी अनावश्यक विवादों से बच सकें।

अधिकारी का पक्ष नहीं मिल सका

इन आरोपों के संबंध में कृषि उपसंचालक फूलसिंह मालवीय से उनका पक्ष जानने के लिए मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

कटंगी में बावड़ी उत्सव आयोजित जल संरक्षण का लिया संकल्प

कटंगी(स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत के नेतृत्व में बामन नाला तालाब स्थित रानी दुर्गावती सामुदायिक भवन में बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने जल संरक्षण और पारंपरिक जल स्त्रोतों के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया।

कायक्रम का शुभारंभ माँ भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इस अवसर पर नगर परिषद की प्रभारी अध्यक्ष धर्मकला कामराज देशमुख सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कुएं, बावड़ियां और तालाब हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

विकासखंड समन्वयक सुरेंद्र कुमार भगत ने बताया कि अभियान के तहत पिछले तीन माह से बोरी बंधान, सोख्ता गड्ढों का निर्माण तथा गांव-गांव में चौपालों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने घर का पानी घर में, गांव का पानी गांव में और खेत का पानी खेत में रोकने का संदेश देते हुए जल बचाने को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य अतिथियों ने बामन नाला तालाब का पूजन कर जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके बाद नगर में जनजागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं नागरिक शामिल हुए।

मानपुर क्षेत्र को मिली विकास कार्यों की सौगात, विधायक मीना सिंह ने निर्माण कार्यों का किया लोकार्पण

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले के मानपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मीना सिंह ने क्षेत्रवासियों को कई महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान कीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल, जनपद पंचायत मानपुर अध्यक्ष ममता सिंह, जिला पंचायत सदस्य सावित्री चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान 06 विस्तरीय से 30 विस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया, जिसकी लागत लगभग 873.81 लाख रुपये बताई गई। इसके साथ ही 50 विस्तरीय बालक छात्रावास मानपुर के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया गया, जिसकी लागत करीब 400 लाख रुपये है। वहीं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महरोई में 03 नग प्रयोगशाला एवं 04 नग अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया गया, जिसकी लागत 123.20 लाख रुपये है। विधायक मीना सिंह ने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। नए स्वास्थ्य केंद्र और छात्रावास के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों एवं विद्यार्थियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि और प्रशासन मिलकर कार्य कर रहे हैं।

विधायक ने कहा कि मानपुर क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार विकास कार्य स्वीकृत कराए जा रहे हैं। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि इन निर्माण कार्यों से आमजन को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। लोक निर्माण विभाग (भवन), जिला उमरिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बारिश में ढही कच्चे मकान की दीवार, मलबे में दबे तीन मजदूर; एक गंभीर, गोंदिया रेफर

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

शहर में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार शाम एक बड़ा हादसा हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के राम मंदिर गली (कालीपुतली चौक के पास) में निर्माणाधीन भवन के बेसमेंट में काम कर रहे तीन मजदूर अचानक बगल के कच्चे मकान की दीवार ढहने से मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर तीनों मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक मजदूर की हालत गंभीर होने पर उसे गोंदिया रेफर किया गया।

जानकारी के अनुसार, हर्षित पगाड़िया के निर्माणाधीन भवन में बेसमेंट का कार्य चल रहा था। बुधवार को एक दर्ज से अधिक लोग काम कर रहे थे, शाम करीब 5.30 बजे लगातार हो रही बारिश के कारण समीप स्थित कच्चे मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय बेसमेंट में कार्य कर रहे नीलेश नगपुरे (23) निवासी नवेगांव, चैतराम सौलखे (35) निवासी नैतरा तथा मानिक मचाड़े (48) निवासी तिलपेवाड़ा मलबे में दब गए।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य का नेतृत्व सीएसपी मयंक तिवारी ने किया। उनके साथ सहयोगी सुमित मगलानी, आरक्षक राजू गौतम, आरक्षक आकाश ब्रम्हे सहित अन्य पुलिसकर्मियों और स्थानीय नागरिकों ने मिलकर लगातार प्रयास किए। मदद से राहत अभियान चलाकर तीनों मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला। इसके बाद तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मानिक मचाड़े की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए गोंदिया रेफर कर दिया गया। अन्य दो मजदूरों का उपचार जिला अस्पताल में जारी है।

सीएसपी मयंक तिवारी ने बताया कि राम मंदिर गली में बारिश के कारण कच्चे मकान की दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे में दब गए थे। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल मजदूर मानिक मचाड़े को बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दुकानों में गुणवत्ताविहीन खाद बीज के मिलने से किसानों को हो रहा नुकसान..!

मानपुर (स्वतंत्रमत)

इन दिनों वर्षा ऋतु वाले किसानी कार्यों की तैयारी बड़े जोर से होते हुये दिख रहा है, कई जगह तो बुवाई के कार्य भी हो चुके हैं, जहां किसानों द्वारा खूब खाद बीज खरीदा जा रहा है, मानपुर क्षेत्र के तकरीबन 70 फीसदी किसान शास्कीय और सहकारी समिति के दुकानों से खाद एवं बाजार और गांव में संचालित दुकानों से बीज और दवाई खरीदा करते हैं, जहां शास्कीय दुकान से मिलने वाले लगभग सभी बोरियों में कई हुक्क लगे होने से बोरी फटे रहते हैं जहां अधिक मात्रा में खाद गिर जाने से सभी बोरी के खाद का बजन कम हो जाता है, जिससे किसानों का ज्यादा नुक्सान होता रहता है, जबकि किसान बोरी के पूरे 50 किलो का कीमत अदा किया करते हैं। सुत्रों की माने तो अत्यधिक उत्पादन के लिये किसान लोग बिना महगाई देखे अच्छे गुणवत्ता वाले खाद, बीज, खरपतवार और कीट नासक दवाई की खरीदी करने में आगे रहते हैं, जिन्हे बाजार से मिलने वाले खाद, बीज और दवाईयों के गुणवत्ता के विषय में

कोई जानकारी नहीं मिल पाती है कि मंहगे दामों में मिलने वाला वह बीज खाद दवाई कितने गुणवत्ता पूर्वक है, जो दुकानदारों के कथन और विश्वास के आधार पर खरीदी करके खेती का कार्य कर लिया करते हैं, जिससे उस फसल में कई प्रकार के रोग लग जाते हैं तथा फसल के उत्पादन में भारी कमी होने से किसानों को बड़ा घाटा सहना पड़ता है, जो विशेष जांच का विषय बनकर उभर रहा है। वहीं यदि खाद के वैरायटी की माने तो सहकारिता विभाग से मिलने वाले खाद अक्सर गुणवत्ता से भरपूर होने से किसानो को उसमे विश्वास बना रहता है। भारत में बेचे जाने वाले यूरिया और डीएपी उर्वरक श्उर्वरक नियंत्रण आदेश ष्एफसीओष् के तहत नियंत्रित होते हैं, इसलिए सभी सरकारी और प्रमाणित कंपनियों की गुणवत्ता लगभग एक समान (मानक स्तर की) होती है। डैमोन्यम फासफेट ब्रांड की डीएपी बेस्ट मानी गई है, वहीं ष्इफकोष् डीएपी भारतीय किसानों के बीच सबसे लोकप्रिय और विश्वसनीय ब्रांड मानी जाती है। ष्कोरोमंडलष् विशेष रूप से दक्षिण और मध्य भारत में बहुत प्रसिद्ध और बेहतरीन गुणवत्ता वाली डीएपी बनाती है। इप्ल भारत डीएपी, इंडियन पोटाश लिमिटेड की डीएपी अपनी शुद्धता और गुणवत्ता के लिए जानी जाती है। चंबल फ्रेटिलाइजर जय किसान ब्रांड उत्तम गुणवत्ता वाली फास्फेटिक खाद के लिए जानी जाती है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा शहडोल के जिला प्रभारी बनने पर अजय सुखदेवे का नगर में स्वागत सत्कार

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के शहडोल जिला प्रभारी नियुक्त होने के बाद अजय सुखदेवे का मित्रमण्डल द्वारा भव्य स्वागत किया गया,दीनदयाल पुरम में जिले के प्रतिष्ठित उद्योगपति संजीव अग्रवाल के नेतृत्व में अविनाश लिल्हारे लोधी,संदेश नगपुरे,दीपक लिल्हारे,जितेंद्र गौतम एवं नरेश नारनौरे सहित अन्य सामाजिक बंधुओं ने गमछा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अजय सुखदेवे का स्वागत करते हुए उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद नगर के वार्ड क्रमांक-7 में चंद्रकांत जायसवाल के नेतृत्व में वार्डवासियों ने गमछा एवं गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। भूपेंद्र सुहागपुरे एवं सभापति भुनेश्वर रजक ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

उमरिया में रेल ठहराव की मांग को लेकर महिलाओं की आवाज भी जुड़ी

कोलकाता निवासी उषा शर्मा बोलीं प्रमुख ट्रेनों का ठहराव जरूरी

उमरिया (स्वतंत्रमत)

शायोप्रश द्वारा उठाई जा रही प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग को अब बाहर रहने वाले उमरिया से जुड़े परिवारों का भी समर्थन मिल रहा है। उषा शर्मा, कोलकाता निवासी ने बताया कि वे अपनी बहन से मिलने वर्ष में तीन-चार बार उमरिया आती हैं, लेकिन पिछले तीन वर्षों से हर यात्रा में उन्हें एक जैसी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।यही समस्या हमारे परिचित बंगाली परिवारों को कहना है जो हर वर्ष बांधवगढ प्रोजेक्ट टाईगर घूमने आते है।उनका कहना है कि जबलपुर संतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर 20828, शालीमार भूज एक्सप्रेस ट्रेन नम्बर 22830,गरीब रथ,बरौनी गोंदिया एक्सप्रेस का बिरसिंहपुर पाली सहित अन्य महत्वपूर्ण ट्रेनों

का उमरिया में ठहराव नहीं होने के कारण उन्हें शहडोल, कटनी या जबलपुर जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। उनका कहना है कि कोरोना काल के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से संतरागाछी जबलपुर व शालीमार भुज का उमरिया अमृत स्टेशन में ठहराव बंद कर दिया गया था।लेकिन अब परिस्थितियां अनुकूल हो चुकी है। पहले जिन ट्रेनों का उमरिया में ठहराव था, उनमें से कई का स्टॉपेज बंद होने के बाद नागरिकों की लगातार मांग के बावजूद आज तक बहाल नहीं किया गया है जबकि यात्री संख्या और पर्यटन दोनों लगातार बढ़े हैं।उन्होंने कहा कि हर बार अतिरिक्त वाहन करना पड़ता है, जिससे डीजल-पेट्रोल पर अनावश्यक खर्च बढ़ता है और यात्रा शुरू होने से पहले ही 7..8 घंटे अतिरिक्त लग जाते हैं। घर से बनाया गया भोजन भी तब तक बासी हो जाता है और कई बार उपयोग के योग्य नहीं रह जाता, जिससे लंबी यात्रा के दौरान स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती हैं।उनका कहना है कि विश्वप्रसिद्ध बांधवगढ़ जैसे पर्यटन स्थल के मुख्य रेलवे स्टेशन उमरिया पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव पुनः बहाल किया जाना चाहिए।

रेड क्रॉस सोसायटी उमरिया एवं शैल्बी हॉस्पिटल जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में विशाल निशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का उमरिया में सफल आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा उमरिया एवं शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 30 जून को जिला चिकित्सालय उमरिया परिसर में एक विशाल 'निरूशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य जिले के नागरिकों को कैंसर जैसी गंभीर एवं जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक करना, प्रारंभिक अवस्था में रोग की पहचान कराना तथा जरूरतमंद मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रभक्ति एवं भारतीय संस्कृति की भावना के साथ 'भारत

माता के पावन छायाचित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन' कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों ने स्वास्थ्य जागरूकता एवं समाज सेवा के क्षेत्र में रेड क्रॉस सोसायटी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। शिविर में शैल्बी हॉस्पिटल, जबलपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप मरीजों की जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। पूरे दिन चले इस शिविर में 'कुल 62 मरीजों' का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान '17 मरीजों में कैंसर की आशंका' पाई गई, जिन्हें विस्तृत जांच एवं शीघ्र उपचार के लिए उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान में रेफर किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि कैंसर का समय पर पता चल जाने पर उसका उपचार काफी हद तक सफल हो सकता है, इसलिए नियमित जांच और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सचिव राकेश शर्मा,जूनियर रेड क्रॉस सोसायटी, मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह जी, रेड क्रॉस सोसायटी, जिला शाखा उमरिया के सभापति अखिलेश त्रिपाठी, सदस्य शंभूदयाल शर्मा. आदि उपस्थित रहे।

ड्रेनेज सिस्टम नाला-नाली निर्माण और सड़कों के रख रखाव में खर्च कर दिए करोड़ों...नतीजा सिफर, एक घंटे की बरसात ने खोली पोल

मण्डला(स्वतंत्रमत)

अभी मानसून ने अंगडाई भी नही ली है और शहर लबालब होने लगा है। महज एक घंटे की बारिश ने बुधवार की दोपहर बारिश पूर्व तैयारियों की पोल खोल दी है। कहते हैं कि मानसून आने से पहले प्रशासनिक फाइलें दुरुस्त हो जाती हैं नालों की सफाई के कागजी आंकड़े चमकने लगते हैं और नगर पालिका अपनी पीठ थपथपाने के लिए तैयार बैठी होती है। लेकिन मंडला नगर में मानसून की पहली ही तेज बारिश ने प्रशासन के इन तमाम खोखले दावों की ऐसी धज्जियां उड़ाईं कि जिम्मेदार अब मुँह छिपाने की जगह तलाश रहे हैं। महज एक घंटे तक हुई झमाझम बारिश ने पूरे शहर को टापू में तब्दील कर दिया। सबसे बदतर और शर्मनाक स्थिति शहर के प्रमुख केंद्र रेडक्रॉस के सामने देखने को मिली जहां सड़कें नहीं बल्कि उफनती हुई नदियां बहती नजर आईं। इस बारिश ने नगर पालिका की जल निकासी (ड्रेनेज सिस्टम) की व्यवस्थाओं की पूरी तरह पोल खोलकर रख दी है। प्रशासनिक लापरवाही का आलम यह रहा कि पहली ही बारिश में जनता को न केवल भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा बल्कि गरीब फुटपाथ दुकानदारों के आशियाने और उनकी

रोजी-रोटी पानी के तेज बहाव में तिनके की तरह बह गई। बुधवार को जब आसमान में काले बादल छाए तो तपती गर्मी से राहत की उम्मीद लेकर लोग खुश हुए थे। लेकिन किसे पता था कि यह राहत महज कुछ ही मिनटों में आफत बन जाएगी। करीब एक घंटे तक हुई मूसलाधार बारिश ने मुख्य बाजारों और चौराहों को जलमग्न कर दिया। देखते ही देखते रेडक्रॉस के सामने की मुख्य सड़क समंदर में तब्दील हो गई। पानी का बहाव इतना तेज और डरावना था कि वहां खड़ी मोटरसाइकिलें, स्कूटर और पुलिस के भारी-भरकम बैरिकेड्स तक पानी में डूब गए। सड़क पर कमर तक पानी भर जाने के कारण पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। वाहन चालकों को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं मिल रहा था जिससे कई गाड़ियां बीच सड़क पर ही बंद हो गईं और लोग धक्का लगाते हुए दिखे। इस प्रशासनिक नाकामी की सबसे बड़ी गाज उन गरीब फुटपाथ दुकानदारों पर गिरी जो रेडक्रॉस और सब्जी मंडी के आसपास दुकान लगाकर अपने परिवार का पेट पालते हैं। बारिश का पानी इतनी तेजी से बढ़ा कि इन दुकानदारों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। फुटपाथ पर सजीं सब्जी की दुकानें टोकरियां और उनका कीमती सामान पानी के तेज करंट में बह गया। हम साल भर मेहनत करके पूंजी जुटाते हैं और नगर पालिका की एक घंटे की लापरवाही हमारी पूरी कमाई बहा ले

गई। हर साल टैक्स और रसीद कटती है लेकिन जब सुरक्षा की बात आती है तो हमें भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है फूट-फूटकर रोते हुए एक पीड़ित सब्जी विक्रेता ने अपनी आपबीती सुनाई। सब्जी मंडी से आने वाले कचरों और प्लास्टिक ने नालियों को पूरी तरह चोक कर दिया है जिससे पानी सड़कों पर बैक मारने लगा और देखते ही देखते तबाही का मंजर सामने आ गया। स्थानीय नागरिकों का गुस्सा इस बात पर सातवें आसमान पर है कि प्रशासन हर साल नालों और नालियों के निर्माण और उनकी गाद कीचड़ निकालने के नाम पर लाखों रूपए का बजट ठिकाने लगाता है। रेडक्रॉस के सामने नाली का निर्माण तो किया गया है लेकिन उसकी समय पर साफ-सफाई न होना इस पूरी तबाही की मुख्य वजह बनी। अखबार की पड़ताल में यह साफ हुआ कि सब्जी मंडी का पूरा कचरा और गंदा पानी इसी नाली के जरिए निकलता है। मानसून से पहले इस नाली की मुकम्मल सफाई की जानी थी लेकिन नगर पालिका के अमले ने एसी कमरों में बैठकर ऑल इज वेल की रिपोर्ट तैयार कर दी। नतीजा यह हुआ कि पहली ही तेज बारिश में सब्जी मंडी का पूरा कचरा और पानी रेडक्रॉस के सामने आकर जमा हो गया और पूरा इलाका जलमग्न हो गया। जलभराव के कारण मंडला का यह मुख्य मार्ग कई घंटों तक पूरी तरह ठप रहा। स्कूली बच्चे दफ्तर से लौटने वाले कर्मचारी और मरीज लेकर अस्पताल जा रही एम्बुलेंस तक इस जाम और जलभराव में फंसती नजर आईं। पैदल चलने वाले लोगों के लिए तो स्थिति और भी जानलेवा बन चुकी थी क्योंकि उफनते पानी के नीचे कहां खुला नाला है और कहां गड्ढा यह देखना नामुमकिन था। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ अन्यथा किसी की जान भी जा सकती थी। यह कोई पहली बार नहीं है जब मंडला की सड़कों पर ऐसा नजारा देखने को मिला हो। स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों का कहना है कि यह हर साल की कहानी बन चुकी है। बारिश आते ही प्रशासन कुछ दिन के लिए जागता है दिखावे के लिए दो-चार जगह नालियां साफ की जाती हैं और फिर मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। जनप्रतिनिधियों से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक सभी इस समस्या से वाकिफ हैं लेकिन इच्छाशक्ति के अभाव में जनता को हर साल नरकीय जीवन जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मंडला की जनता टैक्स देती है ताकि उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकें न कि इसलिए कि उनकी गाढ़ी कमाई के वाहन गंदे पानी में तैरते नजर आएं और गरीबों का धंधा चौपट हो जाए। नगर पालिका के स्वच्छता और सुदृढ़ अधोसंरचना के बड़े-बड़े दावे इस एक घंटे की बारिश के पानी में बह गए हैं।

31 अक्टूबर तक अभियान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जनजातीय कार्य विभाग के निर्देशानुसार वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत लंबित नवीन तथा सामुदायिक वन संसाधन से संबंधित दावों के शत-प्रतिशत निराकरण के लिए जिले में 1 जुलाई से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला वन अधिकार समिति के अध्यक्ष द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार अभियान के दौरान व्यक्तिगत वन अधिकार, सामुदायिक वन अधिकार तथा सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन से जुड़े सभी लंबित एवं नवीन दावों का पुन: परीक्षण कर नियमानुसार निराकरण किया जाएगा।

रेवा सेवा समागम कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर विकासखंड मंडला की ग्राम पंचायत खैरी स्थित रानी दुर्गावती महाविद्यालय में वृहद जल संगोष्ठी एवं रेवा सेवा समागम के अंतर्गत नर्मदा अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जल संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ लोगों को जल बचाने का संकल्प दिलाया गया।

जागरूकता सत्र आयोजित

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में मंगलवार को शासकीय हाई स्कूल ग्वारी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता एवं प्रतियोगी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्र-छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सहायता सेवाओं की जानकारी दी।

उत्कृष्ट विद्यालय में पौधरोपण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में अशोक के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक आनंद कुमार मुख्य प्रबंधक आशीष मित्तल एवं मुख्य प्रबंधक विवेक सिंह अलपूरिया विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

भोपाल में उत्पादों की प्रदर्शनी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित मध्यप्रदेश एमएसएमई सम्मेलन में जिले की कोदो कुटकी प्रसंस्करण इकाई मैसर्स मध्यम बेकर्स बिछिया ने जिले का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में इकाई द्वारा कोदो कुटकी से निर्मित उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई जिसे आगंतुकों एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सराहा।

भर्ती पर आवेदन आमंत्रित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में रिक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पदों की भर्ती के लिए पात्र महिला अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। देवगांव लावर अम्बेडकर वार्ड केन्द्र क्रमांक-2 एवं देवदरा के चूनाभट्टा में 1-1 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा पौंड़ी महाराजपुर-1 एवं जंतीपुर.2 में सहायिका के पद रिक्त हैं। जारी सूचना के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी 1 जुलाई से 13 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

श्रीअन्न उत्पादक किसानों का सम्मान सरकार की प्राथमिकता : मंत्री

मण्डला(स्वतंत्रमत)

प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय धान महोत्सव एवं रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कोदो-कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को कृषि उपज मंडी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और जनजातीय भाई-बहनों के हित में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जैविक खेती और श्रीअन्न उत्पादन करने वाले किसानों के परिश्रम का सम्मान करते हुए सरकार बिना किसी परेशानी के बोनस उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि कोदो-कुटकी जिले का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट भी है जिसके माध्यम से जिले की

पहचान और किसानों की आय दोनों को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम से पूर्व कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने पशुपालन विभाग माटी से रेशम विषय पर आधारित प्रदर्शनी वनोपज विभाग के शहद आंवला हल्दी सहित अन्य उत्पाद उद्यानिकी विभाग की प्रदर्शनी तथा कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। कृषि अभियांत्रिकी विभाग के स्टॉल पर उन्हें हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर सहित आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी दी गई। उद्यानिकी गतिविधियों का विस्तार कर अधिक से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर भी उन्होंने जोर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न गांवों से आए हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से तिल बीज मिनी किट मुनगा पौधे चरीचरा मिनी किट कोदो कुटकी बोनस के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। इस दौरान कृषि सखियों द्वारा मंत्री श्रीमती संपतिया उइके को बीजामृत एवं चिया सीड्स भेंट किए गए। इसके साथ ही कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत भी अनुग्रह सहायता राशि का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 16754 श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की। जिले के 386 श्रमिक परिवारों को 8 करोड़ 36 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता प्राप्त हुई। कार्यक्रम में हितग्राहियों को प्रतीकात्मक रूप से संबल योजना की सहायता राशि भी प्रदान की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, सभापति कृषि स्थाई समिति जिला पंचायत भूपेन्द्र वरकडे, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, उप संचालक कृषि अश्विनी झारिया सहित संबंधित अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

जी राम जी योजना के शुभारंभ पर बैठक

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत नारायणगंज के सभा कक्ष में 1 जुलाई 2026 बुधवार को विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन 2026-27 के शुभारंभ अवसर पर मनरेगा मेट संघ की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में नई योजना के क्रियान्वयन कार्यप्रणाली एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया एवं जनपद पंचायत उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों जनप्रतिनिधियों ने नई योजना के शुभारंभ पर सभी मेट साथियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन आजीविका संवर्धन एवं विकास कार्यों को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने सभी मेटों से जिम्मेदारी एवं ईमानदारी के साथ

कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर योजना अधिकारी पंकज साहू एपीओ ने बताया कि पूर्व में संचालित मनरेगा योजना अब विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन के नाम से संचालित होगी। उन्होंने योजना के उद्देश्यों कार्यप्रणाली एवं नवीन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायतों में 318 नए विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है जिनका शीघ्र क्रियान्वयन किया जाएगा। साथ ही नई कार्यकारिणी एवं संगठनात्मक व्यवस्थाओं की भी विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मेट संघ अध्यक्ष प्रेमसिंह नरेती, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्रीति विश्वकर्मा, सचिव मनीष दुबे जिला मीडिया प्रभारी हेमसिंह परते, पवन सिंह, डुमारी लाल, अनूप सिंह, महेश कुमार, जगदीश कुमार, चमरू लाल सहित बड़ी संख्या में मेट भाई-बहनों ने भाग लिया। बैठक के अंत में सभी सदस्यों ने नई योजना के सफल संचालन तथा ग्रामीण विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

शिक्षक राजकुमार चौकसे सेवानिवृत्त

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)। निवास विकासखंड अंतर्गत ग्राम पिपरिया निवासी शिक्षक राजकुमार चौकसे लगभग 39 वर्ष 8 माह की गौरवपूर्ण शासकीय सेवा पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय सरसवाही में ग्राम पंचायत की सरपंच ज्योति मार्को, सचिव लक्ष्मण दास पिटानिया, शिक्षक बी एस कुशराम विवेक रंजन पटेल, प्रियंका पटेल,राम मिलन यादव सहित शाला परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया जहां उनके लंबे सेवाकाल अनुशासन कर्तव्यनिष्ठा एवं शिक्षण योगदान की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इसके पश्चात शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया में संकुल स्तरीय विदाई समारोह आयोजित हुआ। इधर राजकुमार चौकसे और शासकीय हाई स्कूल कटंगसिवनी में पदस्थ रहे राजेंद्र मार्को बताया गया राजेंद्र मार्को लगभग 38 वर्ष का सेवा कार्य रहा दोनों शिक्षकों का विदाई समारोह आयोजित किया गया कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक नवीन व्यौहार, अनुराग जैन, संकुल प्राचार्य डीके गुप्ता, शिक्षक एसएम अली, जनशिक्षक दर्शन भारतीय सहित संकुल क्षेत्र के बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं जनशिक्षक उपस्थित रहे। अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया भूमिपूजन

मण्डला/मवई(स्वतंत्रमत)

विकासखंड मवई के ग्राम पंचायत इंद्री में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन संपन्न हुआ। ग्राम मुरकुटा शिव मंदिर चौराहा से बस्ती अंदर सीसी सड़क निर्माण कार्य लागत 7 लाख, 15वें वित्त आयोग, ग्राम मुरकुटा पुल से इंद्री को जोड़ने वाले सड़क निर्माण कार्य 5 लाख सांसद निधि एवं एवं 5 लाख 15वें वित्त आयोग, ग्राम इंद्री के कबीर मोहल्ला में रंगमंच निर्माण कार्य लागत 1.50 लाख 15वें वित्त आयोग जनपद स्तर तथा ठाकुर टोला स्थित शिव मंदिर के पास रंगमंच निर्माण कार्य लागत 1.50 लाख, 15वें वित्त आयोग जनपद स्तर का भूमि पूजन संपन्न हुआ यह भूमि पूजन संजय कुशराम अध्यक्ष जिला पंचायत, अन्नत सिंह राठौर जनपद सदस्य, श्रीमती ललती भागवत सरोते सरपंच ग्राम पंचायत इंद्री एवं राजकुमार अहीरवार उपसरपंच

ग्राम पंचायत इंद्री के करकमलों द्वारा संपन्न हुआइस अवसर पर करन सिंह मरावी, ओम प्रकाश मरावी, हनुमान जाट, दुर्गा पंडा, सुनीता मिंज, पूरनता धुर्वे,बंशी दास धारवैय्या, शिव विश्व कर्मा, तीर्थ धुर्वे, तीर्थ झरिया, प्रेम दास धनिया, बल्लू सिंह बंजारा, सुरेश झरिया, भाव सिंह बंजारा, रूप राम राय, लक्ष्मण परते, मोहन भाड़े, शैलेश यादव, हमी लाल धुर्वे, कोमल सिंह धुर्वे, पालन सिंह टेकाम, लाला राम धुर्वे, ज्ञान सिंह मसराम,सोहन सिंह मसराम, मन्नू मरकाम, राकेश धार वैया, भेरू दास सोनवानी, सुरेन्द्र सिंह धुर्वे, अमृत धुर्वे, टिकेश्वर उइके,सहित ग्राम के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रोजगार की तलाश में महानगरों की ओर ग्रामीण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले से रोजगार की तलाश में मजदूरों का दूसरे राज्यों की ओर पलायन लगातार जारी है। एक बार फिर जिले से बड़ी संख्या में मजदूर केरल के इलायची बागानों में काम करने के लिए रवाना हुए। इस दौरान मजदूरों के सफर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है जिसमें एक तूफान वाहन के केबिन में क्षमता से कहीं अधिक लोगों को ठूंस-ठूंसकर बैठाकर ले जाया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद परिवहन व्यवस्था सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक निगरानी पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बताया जा रहा है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से हर वर्ष सैकड़ों मजदूर रोजगार की तलाश में केरल सहित दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में जाते हैं। वहां उन्हें इलायची, चायपत्ती, कॉफी और अन्य बागानों में मजदूरी का काम मिलता है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के सीमित अवसर कृषि पर निर्भरता और आर्थिक तंगी के कारण बड़ी संख्या में परिवार पलायन करने को मजबूर हैं। वायरल वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि तूफान वाहन के आगे के केबिन में निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक लोगों को बैठाया गया है। चालक के आसपास भी मजदूर बैठे नजर आ रहे हैं जिससे वाहन चलाने में भी कठिनाई हो सकती है। यह स्थिति न केवल मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन है बल्कि यात्रियों की जान के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। जानकारों का कहना है कि इस तरह क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर लंबी दूरी की यात्रा करना बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। वहीं यदि पलायन करना भी पड़े तो उनके सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वायरल वीडियो ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मजदूरों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है।

सीएम हेल्पलाइन करें फोकस

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि टीएल पत्रों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय में समुचित निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि टीएल के प्रकरणों में 7 दिवस के भीतर कार्रवाई पूरी कर उन्हें प्राथमिकता से क्लोज किया जाए। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपनी विभागीय प्रगति का नियमित रिव्यू करें।

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में विशेष आयोजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी में डॉक्टर का समर्पण और मानवता की सेवा थीम के अंतर्गत श्रद्धा एवं सम्मान के साथ एक शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महान चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. बीसी रॉय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने एक प्रभावशाली लघु नाटिका प्रस्तुत की साथ ही चिकित्सा समुदाय को समर्पित आकर्षक नृत्य प्रस्तुति ने उपस्थित सभी का मनमोह लिया। कार्यक्रम के दौरान प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का उपयोगी प्रदर्शन भी आयोजित किया गया जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवनरक्षक उपायों की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। समारोह का मुख्य आकर्षण फ्यूचर हीलर्स रैंप वॉक रहा जिसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञों की वेशभूषा धारण कर मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के संचालक निशांत शुक्ला ने प्रेरणादायी उद्बबोधन देते हुए विद्यार्थियों से चिकित्सकों की मानवीय सेवाओं का सम्मान करने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा समाज में स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान को सदैव याद रखने का आव्हान किया।

संपादकीय

चढ़ावा चोरी की छिद्रमय जांच

उप्र के पुलिस महानिदेशक रहे डॉ. विक्रम सिंह और सीबीआई के पूर्व विशेष निदेशक एमएल शर्मा का अनुमान हैं कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला शायद ही किसी निष्कर्ष तक पहुंचे, क्योंकि जांच के नाम पर जो किया जा रहा है, उसमें कई छिद्र हैं और वह सवालिया भी है। बड़ी आरामदेह जांच चल रही है। जांच के नाम पर तमाशा किया जा रहा है। अहम और संदेहास्पद सवाल यह है कि जिन 8 आरोपियों को पुन: 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है, उनकी रिमांड पुलिस ने क्यों नहीं मांगी? यदि रिमांड नहीं है, तो आरोपियों से पूछताछ, सवाल-जवाब कैसे किए जाएंगे?

गौरतलब है कि विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने खुलासा किया है कि बीती 5 जून को राम मंदिर ट्रस्ट ने खुद प्राथमिक जांच कराई। पुलिस की मदद ली गई और आरोपी अविनाश शुक्ला के घर से करीब पांच लाख रुपए नकदी का काला बैग बरामद किया गया, लेकिन 7 जून को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल ने 'चोरी' से इंकार कर दिया। कहा कि कुछ उल्लेखनीय बात नहीं हुई। पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह इसे ट्रस्ट की 'गैर-कानूनी' हस्तक्षेप मानते हैं। पुलिस किसके आदेश पर उस छापेमारी में शामिल हुई? उनका सवाल है कि रुपए बरामद होने के बावजूद प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं कराई गई? दरअसल, पहली बरामदगी और 25 जून को प्राथमिकी दर्ज कराने के बीच 20 लंबे दिनों का फासला था। उस दौरान आरोपियों और उनके आकाओं ने सबूत मिटा दिए होंगे, चोरी की रकम ठिकाने लगा दी होगी और उसके बावजूद अयोध्या पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर नहीं लिया, तो जाहिर है कि जांच का निष्कर्ष नहीं निकलेगा। क्या चढ़ावा चोरी का इतना संवेदनशील, भ्रष्ट मामला 'बेनतीजा' भी रह सकता है? साफ लगता है कि ट्रस्ट के स्तर पर बहुत कुछ छिपाया जा रहा है, लिहाजा अपराध में बराबर की भूमिका चंपत राय बंसल, अनिल मिश्रा आदि की भी है! पुलिस ने चंपत राय से भी पूछताछ की है और उनका बयान दर्ज कर लिया गया है, लेकिन उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है और न ही उन्हें आरोपी करार दिया गया है, क्यों?

आश्चर्य यह है कि पुलिस ने 8 आरोपियों के घर पर छापेमारी की। नकदी, आभूषण और महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए जाने का दावा भी किया जा रहा है। आरोपियों के परिजनों से भी पूछताछ की गई है। फिर भी अदालत में पुलिस ने आरोपितों की रिमांड क्यों नहीं मांगी? क्या पुलिस सब कुछ जानती है? क्या पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य जुटा लिए हैं? क्या यह राजनीतिक दबाव, आरोपितों को संरक्षण, सांठगांठ का मामला है। 'बड़ी मछलियां' डर रही होंगी कि ये 'छोटी मछलियां' कहीं सच न उगल दें और 'मगरमच्छ' जाल में न फंस जाएं! गौरतलब यह भी है कि प्रभु श्रीराम के मंदिर में व्यापक, अनवरत चोरी की जाती रही, उसकी जांच तो अभी जारी है, लेकिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर के आंदोलन का मुद्दा उछाल दिया है। उसमें सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी लपेटने की कोशिश की गई है। क्या 2027 के विधानसभा चुनाव का बड़ा मुद्दा चढ़ावा चोरी भी बन सकता है? जांच तो उन राम-शिलाओं की भी होनी चाहिए, जो चांदी की बनी थीं। साथ में दीपक और फूल भी चांदी के थे। देश के करीब 5 लाख गांवों में 100-100 रुपए की पर्ची काट कर धन इकट्ठा किया गया था। कहां है वह धन...कौन हिसाब देगा? इस मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और घपला करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुन: उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। इतिहास

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान

देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णत: सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

डॉक्टर इलाज के साथ उम्मीद भी जिंदा करता है

अनिरुद्ध सिंह 'कुसुम'

लेखक/पत्रकार

गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति की आख़िरी उम्मीद डॉक्टर ही होता है, वो डॉक्टर से यही कहता है सर कोई तो दवा होगी कहीं से भी बुलाओ बस मुझे बचा लो, एक दुर्घटना में घायल व्यक्ति यही कहता है बस जल्दी से मुझे हॉस्पिटल पहुंचा दो क्योंकि एक घायल व्यक्ति की आख़िरी उम्मीद डॉक्टर ही होता है ,घायल और बीमारी से पीड़ित व्यक्ति डॉक्टर से ही उम्मीद कर सकता है और डॉक्टर भी अपने पेशे की ज़िम्मेदारी और गम्भीरता को समझता है इसलिए वो मरीज से कहता है मैं पूरी कोशिश करूंगा तुम बस हिम्मत रखो।डॉक्टर का काम सिर्फ पर्चे पर दवा लिखना नहीं होता। वो बीमारी से लड़ने की हिम्मत भी लिखता है। जब मरीज के अंदर से जीने की चाह खत्म होने लगती है, तब डॉक्टर का एक शब्द जादू की तरह काम करता है। इसीलिए कहते हैं कि डॉक्टर इलाज के साथ उम्मीद भी जिंदा करता है। डॉक्टर और उम्मीद का रिश्ता दवा और मर्ज से भी पुराना है। अस्पताल की सफेद दीवारों के बीच जब सब तरफ खामोशी पसर जाती है, तब एक सफेद कोट वाला इंसान आकर कहता है हम कोशिश करेंगे। बस यही तीन शब्द मौत के दरवाजे से ज़िंदगी को वापस खींच लाते हैं। इसीलिए सच है जब तक डॉक्टर है, ज़िंदगी की उम्मीद ज़िंदा है।

डॉक्टर- उम्मीद का पहला नाम अंधेरे में रोशनी- आईसीयू के बाहर जब परिवार की आंखें जवाब ढूंढ रही होती हैं, तब डॉक्टर का चेहरा ही पहली उम्मीद बनता है। उसका आना मतलब अभी जंग जारी है।

टूटे हौसले का सहारा- कैंसर, एक्सीडेंट, हार्ट अटैक के बाद जब मरीज खुद से हार मान लेता है, तब डॉक्टर कहता है तुम्हारी बीमारी बड़ी है, लेकिन तुम्हारी हिम्मत से बड़ी नहीं। ये एक लाइन मरीज को फिर से उठा देती है। जब दवा से पहले दुआ काम आती है।

पहला भरोसा- इमरजेंसी में जब मरीज दर्द से तड़प रहा होता है, तब डॉक्टर का पहला वाक्य होता है घबराओ मत, मैं हूं ना। ये 5 शब्द किसी भी पेनकिलर से ज्यादा तेजी से असर करते हैं। मरीज की आधी बीमारी उसी वक्त कम हो जाती है।

आंखों की भाषा- डॉक्टर मरीज की रिपोर्ट से पहले उसकी आंखें पढ़ता है। आंखों में डर है या हौसला, ये देखकर वो तय करता है कि इलाज के साथ कितनी उम्मीद देनी है।

हाथ का स्पर्श- बुखार में तपते मरीज के माथे पर जब डॉक्टर हाथ रखता है, तो वो सिर्फ टेंपरेचर नहीं चेक करता। वो ये एहसास दिलाता है कि तुम अकेले नहीं हो। ये स्पर्श उम्मीद की पहली खुराक होता है।

उम्मीद कैसे बनती है सबसे बड़ी दवा

हार्ट अटैक के बाद -बायपास के बाद जब मरीज को लगता है अब जिंदगी खत्म, तब डॉक्टर कहता है अब तो दूसरी पारी शुरू हुई है। ये सुनकर मरीज वॉक पर जाना शुरू करता है, परहेज करता है। उम्मीद उसे दोबारा जिंदगी की पटरी पर लाती है।

डिप्रेशन का इलाज- नींद की गोली से पहले डॉक्टर 10 मिनट मरीज से बात करता है। उसकी नौकरी, परिवार, टेंशन सुनता है। कई बार मरीज को दवा की नहीं, सिर्फ सुनने वाले की जरूरत होती है। डॉक्टर वो उम्मीद बनता है।

कोरोना काल- पीपीई में छुपा चेहरा- मरीज अपनों से दूर था। डॉक्टर ही परिवार था। ऑक्सीजन लेवल गिरने पर जब डॉक्टर कहता था तुम फाइटर हो, 2 दिन में ड्ढ्ढट से बाहर आओगे, तो सच में लोग बाहर आ जाते थे।

वीडियो कॉल वाली उम्मीद- डॉक्टर ने परिजनों से कहा हम पूरी कोशिश कर रहे हैं, आप प्रार्थना मत छोड़ना। ये उम्मीद ही थी जिसने हजारों घरों के चिराग बुझने से बचाए।

खुद की कीमत पर- सैकड़ों डॉक्टरों ने मरीजों की उम्मीद जिंदा रखते रखते अपनी सांसें गंवा दीं। वो जानते थे कि अगर डॉक्टर टूट गया तो मरीज का क्या होगा।

डॉक्टर उम्मीद कैसे जिंदा रखता है

दवा से पहले भरोसा देता है- इंजेक्शन लगाने से पहले डॉक्टर का डरो मत कहना ही आधा इलाज कर देता है। मरीज को लगता है कोई है जो मुझे बचाने के लिए खड़ा है।

आखिरी सांस तक लड़ता है- डॉक्टर जानता है कि हर केस नहीं बचेगा। फिर भी वो 36 घंटे बिना सोए ड्ढ्ढक्र देता है। क्योंकि उसके लिए एक पल की उम्मीद भी कीमती है। कोरोना में हमने देखा कि डॉक्टर अपनी जान पर खेलकर दूसरों की उम्मीद बचाते रहे। सच बोलकर भी डॉक्टर झूठी तसल्ली नहीं देता। वो कहता है बीमारी बड़ी है, पर नामुमकिन नहीं। ये सच मरीज को हकीकत से लड़ना सिखाता है। छोटी जीत सेलिब्रेट करके- आज 2 रोटी खा ली, शाबाश। आज 10 कदम चल लिए, बहुत बढ़िया। डॉक्टर की ये छोटी तारीफें मरीज के अंदर बड़ी जंग जीतने की उम्मीद भरती हैं।

परिवार को जोड़कर- डॉक्टर सिर्फ मरीज का नहीं, पूरे परिवार का इलाज करता है। वो मां से कहता है आपके हाथ के खाने से ये जल्दी ठीक होगा। ये सुनकर मां की उम्मीद और मरीज की रिकवरी दोनों बढ़ जाती है।

अगर डॉक्टर ना हो तो-तेज बुखार में भी इंसान ये सोचकर सो जाता है कि सुबह डॉक्टर को दिखा लेंगे। अगर ये भरोसा टूट जाए तो छोटी बीमारी भी जानलेवा लगने लगेगी।

समाज की सांसें थम जाएंगी- डॉक्टर सिर्फ मरीज नहीं बचाता। वो एक पिता को उसके बच्चों के लिए, एक बेटी को उसकी मां के लिए जिंदा रखता है। डॉक्टर गया तो पूरा परिवार की उम्मीद गई।

डॉक्टर को भगवान का दर्जा मत दो, पर इंसान तो समझो। वो अपनी नींद, त्योहार, परिवार कुर्बान करके आपकी उम्मीद जिंदा रखता है। याद रखो अस्पताल की मशीनें बंद हो सकती हैं, डॉक्टर की हिम्मत नहीं। इलाज खत्म हो सकता है, उम्मीद नहीं। क्योंकि जब तक डॉक्टर है, उम्मीद जिंदा है।

जीवन धारा: जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है

मनुष्य ने अपने चारों ओर जितनी भी दीवारें खड़ी कर ली हों, उसकी आत्मा अब भी प्रकृति की संतान है। वह नगरों-महानगरों में रह सकता है, पत्थरों के बीच जीवन बिता सकता है, अपने जीवन को महत्वाकांक्षा और शोर से भर सकता है, पर उसके भीतर कहीं न कहीं एक मौन स्मृति भी जरूर जीवित रहती है। यह मौन स्मृति खुले आकाश की, बहती हुई हवा की या किसी नदी के किनारे की शांति की होती है। शायद यही कारण है कि जब जीवन बेहद मुश्किल और कृत्रिम लगने लगता है, तब मनुष्य अनायास ही प्रकृति की ओर लौटने को बेचैन हो उठता है, जैसे थका हुआ बच्चा अंतत: अपनी मां की गोद में लौट आता है।

प्रकृति संसार की सबसे प्राचीन व सबसे धैर्यवान शिक्षक है। वह उपदेश या आदेश नहीं देती, सिर्फ मौजूद रहती है। उसकी यही मौन उपस्थिति मनुष्य के भीतर ऐसा बदलाव ला सकती है, जो हजारों शब्द भी नहीं कर पाते। जब मैं किसी जंगल से गुजरती हूं, तो ऐसा लगता है, मानो पृथ्वी स्वयं धीरे-धीरे सांस ले रही हो। पेड़ों की शाखाएं हवा में जिस तरह से हिलती हैं, तब उनमें कोई उतावलापन नहीं होता। वे आकाश तक पहुंचने की आकांक्षा भी रखती हैं, पर साथ ही अपनी जड़ों को भी गहराई तक फैलाए रखती हैं।

मनुष्य भी यदि प्रकृति से कुछ सीखना चाहे, तो शायद यही सबसे पहली शिक्षा होगी कि ऊंचा उठने की इच्छा रखो, पर अपनी जड़ों को मत भूलो। शहरों में लोग एक-दूसरे के करीब तो रहते हैं, पर आत्माएं दूर होती जाती हैं। हर व्यक्ति स्वयं को सिद्ध करने में लगा रहता है। हर चेहरा किसी भूमिका का अभिनय करता हुआ नजर आता है। प्रकृति इन सब कृत्रिमताओं को धो देती है। प्रकृति में कोई पाखंड नहीं है। फूल इसलिए नहीं खिलते कि कोई उनकी प्रशंसा करे। केवल मनुष्य ही है, जो निरंतर अपने अस्तित्व का प्रदर्शन करता रहता है।

शायद इसी कारण प्रकृति के बीच मनुष्य का हृदय अधिक सरल हो जाता है। वहां उसे किसी मुखौटे की जरूरत नहीं रह जाती। प्रकृति सिखाती है कि जीवन का अर्थ संग्रह में नहीं, लय में है। ॠतुओं को देखिए। वसंत आकर चला जाता है। ग्रीष्म ॠतु के बाद वर्षा ठंडक देती है। पतझड़ पेड़ों को खाली कर देता है और शीत ॠतु सब कुछ स्थिर कर देती है। पर, प्रकृति कभी निराश नहीं होती। उसे पता है कि हर अंत में एक आरंभ छिपा है। मनुष्य यदि यह एक शिक्षा भी सीख ले, तो उसका आधा दुख समाप्त हो जाए। प्रकृति हमें प्रेम का अर्थ भी सिखाती है। प्रेम अधिकार नहीं है, जैसे सूर्य फूलों पर अधिकार नहीं जमाता। वह केवल उन्हें प्रकाश देता है। सच्चा प्रेम भी ऐसा ही होता है, वह दूसरे को खिलने देता है।

जब जीवन कठोर लगने लगे, जब संसार का शोर आपकी आत्मा को थका दे, तब कुछ समय प्रकृति के पास जाइए। पेड़ की छाया में बैठिए, मिट्टी की गंध महसूस कीजिए, हवा को अपने चेहरे पर बहने दीजिए। आप पाएंगे कि प्रकृति कोई उत्तर नहीं देती, फिर भी आपके भीतर के अनेक प्रश्न शांत हो जाते हैं।

बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य-संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा। गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क्रा-बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज़ फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं।

बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू-आवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और वह विश्व के चुनींदा निर्धनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयां ही बीतीहैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम ट्रओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कू-दे-ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से टूओरे पैन-अफ्रीका या अफ्रीकी-अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ-इंपीरियालिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। बिलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है।

कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896 में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958 में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तखतापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966, 80, 83 और 87 तथा फिर सन 2022 में दो बार कूदे तो हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989, 2015 और 2023 में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983 में सत्त में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। संकारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक-आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुर्नवितरण, 20 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987 में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का 31 अक्टूबर 2014 को अंत हुआ, लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनाबे विस्थापित हुये।

फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। टूओरे की पहल पर फ्रेंच फौजियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटो को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना, कपास और तिलहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनों जवाहरतों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। टूओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधोसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं।

इसमें शक नहीं संकारा टूओरे के आदर्श हैं और वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। संकारा ऐसी शख्सियत थे, जिसने मर्सिडीज की बेड़ा बेचकर सस्ती रेनोल्ट को चुना था। उन्होंने अफसरों के वेतन में कटौती कर उनके प्रथम श्रेणी हवाई टिकट और शोफरों के पर पाबंदी लगा दी थी। वह विदेशी वित्त के विरोधी थे और कहते थे कि ही हू फीड्स यू, कंट्रोल्स यू। अफ्रीका केचेक्वेरा कहे गये संकारा अफ्रीकी राष्ट्रों की एकजुटता चाहते थे, ताकि अफ्रीका का उद्धार हो और वह पश्चिम की गुलामी से मुक्त हो। उन्हें क्यूबा का मॉडल पसंद था। उन्होंने राजधानी क्बागादोगू में फौज के प्रोवीजन स्टोर को जनसामान्य के लिए देश के पहले सुपर मार्केट में तब्दील कर दिया था। उनके दफ्तर में एयर कंडीशनर नहीं था और वह सिर्फ 450 डालर वेतन लेते थे। उनके पास सिर्फ एक कार, चार बाइक, तीन गिटार, एक रेफ्रीजरेटर और एक टूटा फ्रीजर था। वह कुशल गिटारवादक थे। बिना अंगरक्षकों के वह जॉगिंग पर निकल जाते थे। बुर्कीना का राष्ट्रगीत उन्होंने ही लिखा था। सार्वजनिक दफ्तरों में अपना चित्र नहीं लटकाने पर पूछे प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा था कि हमारे यहां सात मिलियन संकारा हैं।

आज पूरा बुर्कीना उन्हीं संकारा को याद कर रहा है। सन 2019 में राजधानी में उसी ठोर उनकी प्रतिमा लगी, जहां उनकी हत्या हुई थी। मुखाकृति नहीं मिलने से अगले वर्ष नयी प्रतिमा स्थापित की गयी। टूओरे के सत्ता में आने के बाद सन 2023 में उन्हें 'हीरो ऑफ द नेशन' घोषित किया गया। अक्टूबर सन 2023 में ही राजधानी के बुल्वार चार्ल्स द गाल का नाम बदलकर बुल्वार कैप्टेन थॉमस संकारा कर दिया गया। इस बीच क्यूबा ने संकारा को अपने सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ जोसे मार्टी से विभूषित किया।

उन्होंने संयुक्त अरब अमीरात की बुर्कीना में सौ मस्जिदें बनाने की पेशकश यह कहकर ठुकरा दी है कि हमें मस्जिदों की नहीं, वरन स्कूल-कालेजों, अस्पतालों और कल कारखानों की जरूरत है। इसमें शक नहीं कि युवा टूओरे संकारा के जूतों में पांव डाल चुके हैं।

घटनाक्रम से स्पष्ट है कि बुर्कीना का ताजा कदम फ्रांस, अमेरिका और योरोपीय देशों को पसन्द नहीं आयेगा। फ्रेंच सैनिक टुकड़ियों को इलाके से पहले ही निष्कासित किया जा चुका है। यह भी साफ है कि बुर्कीना में लोकतंत्र की बहाली के कोई आसार नहीं हैं।

टओरे ने दो टूक कह दिया है कि लोकतंत्र हमारे लिये नहीं है। डेमोक्रैसी इज नॉट फार अस। लीबिया का उदाहरण देते हुये उन्होंने कहा कि अफ्रीकी राष्ट्रों में लोकतंत्र की स्थापना का अर्थ है रक्तपात। हमारा रास्ता अलग है और हमें सुदृढ़ आर्थिकी, अधिक मेहनत और मजबूत फौज की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि जुंता ने सन 2024 में लोकतंत्र की बहाली का वायदा किया था, किंतु जनवरी, सन 24 से सभी राजनीतिक दलों को भंग कर उसने आगामी पांच वर्षों के लिये सत्ता पर फौज के काबिज रहने का ऐलान कर दिया। इस बीच पश्चिमी सूत्रों ने बुर्कीना में जुंता काल में करीब 1800 निर्दोष नागरिकों के मारे जाने का आरोप लगाया है, जिसका जुंता ने खंडन किया है।

यूरोप तपे तो सहानुभूति, भारत झुलसे तो मजाक क्यों, वैश्विक मीडिया के दोहरे मापदंड पर भड़की पोलैंड की महिला

नई दिल्ली। भारत में रह रही पोलैंड की कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा का एक सोशल मीडिया पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो पोस्ट में महिला ने जलवायु संकट को लेकर पश्चिमी मीडिया और वैश्विक सोशल मीडिया यूजर्स के दोहरे मापदंड की धज्जियां उड़ाई हैं। दरअसल, कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का हड्डा ने सवाल उठाया है कि जब यूरोप में 35 डिग्री तापमान होने पर स्कूल बंद हो जाते हैं और लोग पार्कों या समुद्र तटों पर सोते हैं, तो पूरी दुनिया उनके प्रति सहानुभूति दिखाती है।

लेकिन जब भारत में तापमान 40 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचता है और भारतीय इस गर्मी से बचने के लिए खुले में सोते हैं तो विदेशी मीडिया उनका जमकर मजाक उड़ाती है और भारत को पिछड़ा देश बताती है।

उपहास केवल भारत के लिए ही

उन्होंने वीडियो में पूछा, सहानुभूति पश्चिम के लिए ही क्यों आरक्षित है जबकि उपहास केवल भारत के लिए ही? एग्निएस्का ने आगे कहा कि आलोचना वहां करें जहां सही हो, लेकिन भारत की उपलब्धियों का सम्मान करना भी जरूरी है। कंटेंट क्रिएटर एग्निएस्का ने यह वीडियो अपने अपने गृह देश पोलैंड की यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किया, जहां इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। उन्होंने बताया कि तापमान 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है, यह पहले देश में दुर्लभ माना जाता था। उन्होंने बताया कि भीषण गर्मी के स्कूल बंद हो गए हैं, बाहरी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ गया है। सड़कों और रेलवे ट्रैक के पिघलने और बिजली व्यवस्था पर बढ़ते

दबाव की खबरें आ रही हैं।

यूरोप के कई घरों में नहीं है सीलिंग फैन

उन्होंने यह भी बताया कि यूरोप में कई घरों और दफ्तरों में एयर कंडीशनिंग या यहां तक कि सीलिंग फैन भी नहीं हैं, जिससे गर्मी सहन करना और भी मुश्किल हो जाता है।

यूरोपीय देशों की भारत से की तुलना

एग्निएस्का ने इस गर्मी की तुलना भारत से करते हुए कहा, यहां यूरोपीय देशों में जिस 35 डिग्री तापमान पर लोगों की हालत खराब है, उस 35 डिग्री तापमान को भारत में सामान्य माना जाता है। वहां गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर होना आम बात है और कुछ क्षेत्रों में तो यह 50 डिग्री तक भी पहुंच जाता है। फिर भी, जब भी भारत किसी चुनौती का सामना करता है, विदेशी मीडिया तुरंत भारत को पिछड़ा कहने लगता है। लेकिन आज, वे सुर्खियां कहां हैं?

मुंबई की घटना का किया जिक्र

वीडियो में आगे एग्निएस्का ने मुंबई के वर्सोवा बीच पर बिजली गुल होने के दौरान खुले में सो रहे लोगों की वायरल तस्वीरों का बचाव करते हुए कहा कि गर्मी से बचने की कोशिश करने वाले भारतीयों का व्यापक रूप से उपहास किया गया।

उन्होंने कहा, याद है जब बिजली कटौती के दौरान वर्सोवा बीच या पार्कों में सोते हुए भारतीयों की तस्वीरें पूरी दुनिया में वायरल हुई थीं? वे मीम्स बन गईं, मजाक बन गईं। भारत का उपहास उड़ाया गया।

आज, यूरोप के कई हिस्सों में लोग समुद्र तटों और पार्कों की घास पर रातें बिता रहे हैं क्योंकि यही उनके पास सबसे सस्ता एयर कंडीशनिंग विकल्प है। इस बार, दुनिया उनका उपहास नहीं उड़ा रही है, बल्कि उनके प्रति सहानुभूति दिखा रही है। और सहानुभूति ही वह चीज है जिसके हर इंसान हकदार है। इस बार, दुनिया उनका उपहास नहीं उड़ा रही है, बल्कि उनके प्रति सहानुभूति दिखा रही है। उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, भारत की आलोचना वहीं करें जहां आलोचना उचित हो, लेकिन भारत की उपलब्धियों का जश्न भी उतने ही आत्मविश्वास के साथ मनाएं। क्योंकि अगर हम अपने देश का सम्मान नहीं करेंगे, तो कोई और भी नहीं करेगा।

45 डिग्री सेल्सियस की गर्मी में भी एसी से दूरी! आखिर यूरोप क्यों नहीं अपनाना चाहता एयर कंडीशनर

पेरिस

फ्रांस में 19वीं शताब्दी की शुरुआत में एक कहावत खूब कही जाती थी, 'वन मस्ट सफर टू बी ब्यूटीफुल' और हिंदी में कहते हैं 'सुंदरता के लिए थोड़ा कष्ट तो सहना ही पड़ता है'। आज के दौर में यह सदियों पुरानी कहावत पूरे यूरोप के लिए एकदम सटीक बैठती है। इस कहावत और यूरोप के संबंध को हम इसलिए जोड़ रहे हैं, क्योंकि यूरोप इन दिनों भीषण और जानलेवा लू की चपेट में है। कई देशों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। गर्मी का आलम यह है कि सड़कें पिघल रही हैं, ट्रेन की पटरियां मुड़ रही हैं और बिजली ग्रिड ठप होने की कगार पर हैं। इसके बावजूद यूरोप के लोग अपने घरों में एयर कंडीशनर लगाने से कतराते हैं। आइए जानते हैं क्यों?

खूबसूरती बचाने के लिए सह रहे कष्ट

भीषण गर्मी के बावजूद भी वहां के लोग अपनी ऐतिहासिक इमारतों की खूबसूरती और सांस्कृतिक विरासत को बचाने के लिए घरों और अस्पतालों में एयर कंडीशनर लगाने से कतरा रहे हैं। यूरोप के शहरों की गर्मी के चलते जैसी आज स्थिति है यह मुहावरा सिर्फ एक फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि तपते यूरोप की एक बड़ा सामाजिक हकीकत बन चुका है। कहा जाता है कि यूरोप के लोग अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को

बचाने के मामले में बड़े स्वार्थी होते हैं। फिर सवाल ये है कि आखिर ऐसा और क्या-क्या कारण है कि, जिसके चलते आज के समय में भी यूरोप के लोग भीषण गर्मी झेलने के लिए तैयार हैं, लेकिन एयर कंडीशनर नहीं।

अमेरिका की तरह नहीं दिखना चाहते

जानकार कहते हैं कि यूरोपीय शहरों के योजनाकारों का मानना है कि इमारतों के बाहर लटकेएसी के डिब्बे बेहद बदसूरत लगते हैं। पेरिस की डिप्टी मेयर ऑड्रे पुल्वार ने कहा कि हम अमेरिकी, ब्राजीलियाई या इतालवी शहरों की तरह नहीं बनना चाहते, जहां दीवारों परएसी की कतारें लगी होती हैं, जो भारी शोर करती हैं और जहरीली गैसें छोड़ती हैं। पेरिस जैसे ऐतिहासिक शहरों में प्राचीन इमारतों की खूबसूरती (जैसे हॉसमैन-दौर की चूना पत्थर वाली दीवारें) को बनाए रखने के लिए बाहरएसी लगाने की अनुमति आसानी से नहीं मिलती।

इसके अलावा यूरोप मेंएसी लगाना सिर्फ आपका निजी फैसला नहीं है। अगर आप अपार्टमेंट में रहते हैं, तो आपको पड़ोसियों और स्थानीय प्रशासन से मंजूरी लेनी होगी। फ्रांस के कानून के मुताबिक, अगर आपकेएसी की आवाज हल्की हवा के चलने से ज्यादा है, तो सोसायटी उस पर रोक लगा सकती है।शोर के मुकदमों के विशेषज्ञ वकील क्रिस्टोफ सैनसन ने बताया कि अब उनके पासएसी के शोर से जुड़े 100 से ज्यादा मामले आ रहे हैं। पेरिस के 32 वर्षीय लुका फुनारो, जो एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी से पीड़ित हैं, पिछले दो साल से अपने घर मेंएसी लगाने की भीख मांग रहे हैं, लेकिन पड़ोसी शोर होने का बहाना बनाकर हर बार उनका प्रस्ताव खारिज कर देते हैं।

यूरोप खुद को पर्यावरण संरक्षण में सबसे आगे रखता है। वहां की सरकारों का मानना है किएसी बहुत ज्यादा बिजली खाते हैं, जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है और ग्लोबल वार्मिंग में इजाफा होता है। इसलिए सरकारेंएसी के बजाय घरों में बेहतर इन्सुलेशन, खिड़कियों पर पर्दे, प्राकृतिक हवा और पेड़ लगाने को बढ़ावा देती हैं।

फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबट ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि हर जगहएसी लगा दो, मैं उनकी सोच से हैरान हूं। क्याएसी लगाने से जंगलों की आग रुक जाएगी? क्या इससे फसलें मरने से बच जाएंगी? अच्छा, इन सभी चिजों के अलावा गौर करने वाली बात यह है कि यूरोप का इतिहास हमेशा से ठंडे मौसम का रहा है। यहां की इमारतें और बुनियादी ढांचा इस तरह बनाया गया था कि वे ठंड को रोक सकें, न कि गर्मी को। पिछले हफ्ते पेरिस में 19वीं सदी के बाद केवल चौथी बार तापमान 40 डिग्री के पार गया। ऐसे में अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने सोचा था कि ऐसा मौसम 2030 के बाद आएगा, लेकिन यह अभी से ही शुरू हो गया है। गर्मी के कारण हजारों स्कूल बंद करने पड़े हैं, जिससे महामारी के लॉकडाउन जैसी यादें ताजा हो गई हैं।

स्पेन में जून रहा है सबसे गर्म माह , गर्मी जनित कारणों से लगभग 900 लोगों की मौत

मैड्रिड, (वार्ता)

स्पेन में पिछले सात दशकों में इस वर्ष जून माह को सबसे गर्म माह के रूप में दर्ज किया गया है।

सरकारी मौसम विभाग एजेंसी (एएमईटी) के आंकड़ों के अनुसार, स्पेन में जब से रिकॉर्ड रखना शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक एजेंसी ने इस महीने को %अत्यंत गर्म% की श्रेणी में रखा है, जो विशेष रूप से असामान्य घटनाओं के लिए आरक्षित है।

स्पेन के मुख्य हिस्से में औसत तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो 1991-2020 की अवधि के औसत से 3.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वर्ष 1961 से शुरू हुई एएमईटी की ऐतिहासिक श्रृंखला में केवल जून 2025 ही इससे अधिक गर्म रहा है, जब औसत तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

महीने के अंत में भीषण गर्मी ने दैनिक तापमान के भी कई रिकॉर्ड तोड़ दिये। स्पेन में 1950 के बाद से 22 और 23 जून जून माह के दो सबसे गर्म दिन दर्ज किये गये। एजेंसी ने इस दौर को इसकी तीव्रता, अवधि और भौगोलिक दायरे के कारण असाधारण बताया है, विशेष रूप से मुख्य हिस्से के उत्तरी हिस्से में जहां तापमान के कई रिकॉर्ड टूटे।

इस अत्यधिक गर्मी का स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ा। स्वास्थ्य मंत्रालय की हर दिन होने वाली मौतों की निगरानी करने वाली प्रणाली (मोमो) का अनुमान है कि इस महीने के दौरान उच्च तापमान के कारण लगभग 900 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 600 से अधिक मौतें केवल भीषण गर्मी वाले हफ्ते में हुई हैं।

इसमें अभी जून के आखिरी दिनों के अंतिम आंकड़े शामिल किये जाने बाकी हैं। इसके बावजूद इस मंगलवार तक मोमो प्रणाली ने 892 मौतों का अनुमान लगाया था। इसके साथ ही वर्ष 2015 में रिकॉर्ड शुरू होने के बाद से यह जून के महीने में गर्मी से होने वाली मौतों का दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा बन गया है।

एएमईटी के आंकड़े बताते हैं कि स्पेन के मुख्य हिस्से में 1975 और 2000 के बीच जून के महीने में केवल दो बार भीषण गर्मी दर्ज की गयी थी। वर्ष 2000 और 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर 10 हो गयी। विशेषज्ञ इस बदलाव को मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के उपयोग से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और उससे जनित ग्लोबल वार्मिंग से जोड़ते हैं।

अखिलेश के जन्मदिन पर सपा की अंदरूनी खींचतान चर्चा में

मुरादाबाद, (वार्ता)

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन के अवसर पर मुरादाबाद स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित समारोह के दौरान उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब 53 फीट लंबा केक काटे जाने के बाद कार्यकर्ताओं में उसे लेने की होड़ मच गई। समारोह के दौरान पार्टी की अंदरूनी राजनीति, वरिष्ठ नेता कमाल अख्तर के इस्तीफे और स्थानीय विधायकों की अनुपस्थिति भी चर्चा का विषय रही। सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अलबीना बेकरी द्वारा तैयार 53 फीट लंबे केक को सांसद रुचि वीरा तथा अन्य नेताओं की मौजूदगी में काटा गया। केक कटते ही कार्यकर्ताओं में उसे लेने की होड़ मच गई। कई कार्यकर्ता डिब्बों और हाथों में केक भरकर अपने वाहनों से रवाना होने लगे, जिससे कुछ देर के लिए अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो गई।

इस बीच राजनीतिक गलियारों में चल रही उन चर्चाओं पर भी सवाल उठे, जिनमें दावा किया जा रहा था कि वरिष्ठ सपा नेता कमाल अख्तर से मुख्य सचेतक पद से इस्तीफा लिए जाने के पीछे सांसद रुचि वीरा की शिकायत या दबाव था। इस पर रुचि वीरा ने इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण से उनका कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि संगठन से जुड़े निर्णय लेना राष्ट्रीय अध्यक्ष का विशेषाधिकार है और इस निर्णय के कारणों से वही अवगत हैं। समारोह के दौरान यह भी चर्चा का विषय रहा कि जिले के किसी भी वर्तमान सपा विधायक की कार्यक्रम में मौजूदगी नहीं रही। इसे पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी और संगठनात्मक मतभेदों से जोड़कर देखा गया। वहीं, हाल में आयोजित पीडीए सम्मेलन के पोस्टर एवं होर्डिंग से सांसद रुचि वीरा का चित्र नहीं होने को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चाएं रहीं। इन सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए रुचि वीरा ने कहा कि वह किसी प्रकार की व्यक्तिगत प्रचार-प्रसार की इच्छुक नहीं हैं और उनका उद्देश्य केवल जनता के बीच रहकर पार्टी की नीतियों और पीडीए के सिद्धांतों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी मुरादाबाद जिले की सभी छह विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी तथा अखिलेश यादव पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे।

तेलंगाना में नहीं है भाजपा का कोई भविष्यः रवि

हैदराबाद,(वार्ता)। तेलंगाना में नागरकुर्नूल के कांग्रेस सांसद मल्लू रवि ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए कहा कि तेलंगाना में पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। श्री रवि ने भाजपा पर बांटने वाली राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि राज्य में ऐसी राजनीति सफल नहीं होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हालिया तीन दिवसीय दौरे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री रवि ने उनके दौरे को पूरी तरह से फ्लाप बताया । उन्होंने भाजपा के कांग्रेस-मुक्त तेलंगाना के नारे को अव्यावहारिक करार देते हुए कहा कि न तो भाजपा और न ही कोई अन्य पार्टी तेलंगाना से कांग्रेस को खत्म कर सकती है। भाजपा राज्य में सत्ता में आने का सिर्फ सपना देख रही है।

हार के डर से पंजाब सरकार ने वीबी जी राम जी को अपनाया : भाजपा

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को हार का डर सताने लगा है, इसलिए उन्होंने विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण (वीबी जी राम जी) योजना को इस अपना लिया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आप ने जिस वीबी जी राम जी को गरीब-विरोधी, किसान-विरोधी, दलित-विरोधी और मजदूर-विरोधी बताया, उसे आज से पंजाब में लागू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली बार आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के कहने पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की सरकार ने वीबी जी राम जी का विरोध किया था। उन्होंने सवाल किया कि छह महीनों में ऐसा क्या बदल गया कि अब वह उसी योजना को अपना रही है जिसका उन्होंने विरोध किया था?

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि लगता है मान सरकार को एहसास हो गया है कि वे विधानसभा चुनाव हार रहे हैं। इसीलिए अब वे केंद्र सरकार की वीबी जी राम जी योजना की तारीफ़ कर रही है।

उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल के कहने पर 30 दिसंबर 2025 को पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर मान सरकार ने वीबी जी राम जी योजना का विरोध किया था और इस योजना को ग़रीब-विरोधी, किसान-विरोधी, दलित-विरोधी और मज़दूर-विरोधी बताया था। इस दौरान उन्होंने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर निशाना साधते हुए कहा कि श्री रेड्डी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के बारे में पूछा कि वह कौन हैं? उन्होंने कहा कि श्री रेड्डी को पता होना चाहिए कि श्री नवीन दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के अध्यक्ष हैं, एक ऐसी पार्टी जिसकी सरकार 22 राज्यों में है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने बेहद शर्मनाक सवाल पूछा है।

जन्मजात नागरिकता के खिलाफ काम करे संसद, मेरा पूरा समर्थन : ट्रंप

वाशिंगटन,(वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जन्म के आधार पर नागरिकता उनके देश के लिए अच्छी नहीं है, वह इसके खिलाफ जल्द ही संसद में कानून देखना चाहेंगे। ट्रंप ने मंगलवार रात ट्रुथ सोशल पर लिखे एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने जन्मजात नागरिकता को बरकरार रखा है, जो हमारे देश के लिए बहुत बुरा है। हम राष्ट्रपति के समर्थन से संसद में कानून लाकर इसमें बदलाव कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के दौरान अब यह तय हो गया है। अब किसी लंबे और बोझिल संवैधानिक संशोधन की जरूरत नहीं है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ट्रंप के उस प्रयास को सिरे से खारिज कर दिया।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

एसीटॉक्सिकएसी के एसीलेडीज़ एंड लेडीज़एसी वीडियो ने बढ़ाया रोमांच, दमदार अंदाज में दिखीं नयनतारा-कियारा

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता यश की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसीटॉक्सिक– ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्सएसी का नया वीडियो एसीलेडीज़ एंड लेडीज़एसी जारी किया गया है, जिसमें फिल्म की दमदार महिला किरदारों की झलक देखने को मिली है।जारी वीडियो में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रभावशाली अंदाज में नजर आ रही हैं। वीडियो फिल्म की रहस्यमयी और स्टाइलिश दुनिया का विस्तार करता है तथा शक्ति, रहस्य और विद्रोह की भावना को प्रमुखता से प्रस्तुत करता है। इसकी शुरुआत एक चेतावनी संदेश से होती है, जो फिल्म के बोल्ड और डार्क अंदाज की ओर संकेत देता है। निर्माताओं के अनुसार, फिल्म में प्रत्येक महिला किरदार की अपनी अलग पहचान और अहम भूमिका है, जो कहानी को नई दिशा देती है। वीडियो में एक प्रभावशाली महिला वॉइस-ओवर भी है, जो कहानी को महिला दृष्टिकोण से प्रस्तुत करता है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी इस फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले निर्मित यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट की गई है तथा इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम में भी रिलीज किया जाएगा।

महिलाओं के बिना कोई कहानी पूरी नहीं : अदिति

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने कहा है कि भारतीय सिनेमा में महिलाओं के लिए बेहतर और सशक्त किरदारों का दौर शुरू हो चुका है, लेकिन इस बदलाव को गति देने के लिए कलाकारों और फिल्मकारों को जागरूक और

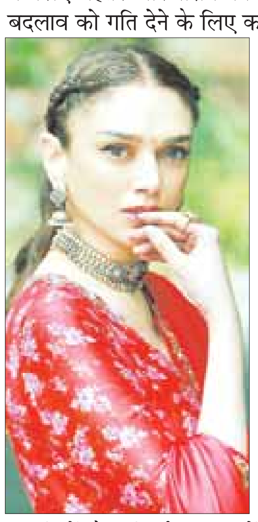

साहसिक फैसले लेने होंगे।अदिति का मानना है कि महिलाओं के बिना न जीवन संभव है और न ही कोई कहानी पूरी हो सकती है। अदिति ने कहा कि बदलाव अपने आप नहीं आता, बल्कि उसे स्वीकार करना और उसके लिए प्रयास करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को केवल तात्कालिक आर्थिक लाभ के बजाय लंबे समय तक प्रभाव छोड़ने वाली अच्छी और सार्थक कहानियों को प्राथमिकता देनी चाहिए। उनके अनुसार, यदि कोई काम उनके विचारों और मूल्यों से मेल नहीं खाता तो उसे ठुकराने का साहस भी होना चाहिए। उनके लिए हमेशा सिनेमा और कला सर्वोपरि रहे हैं। यदि कलाकार अपनी रचनात्मक संवेदनाओं और अच्छी कहानियों के प्रति ईमानदार रहें, तो सही अवसर समय के साथ अवश्य मिलते हैं। उनके अनुसार, सफलता और लोकप्रियता सुखद होती है, लेकिन किसी कलाकार की वास्तविक पहचान उसके समर्पण, अनुशासन और रचनात्मक ईमानदारी से बनती है। अदिति राव हैदरी ने कहा कि महिला-केंद्रित फिल्मों को अब भी अक्सर अतिरिक्त जोखिम के रूप में देखा जाता है, जबकि यह ऐसा जोखिम है जिसे उठाया जाना चाहिए। महिलाओं को केवल सहायक पात्र के रूप में नहीं, इच्छाशक्ति, गरिमा, संवेदनशीलता और अनेक आयामों वाले व्यक्तित्व के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को जिस नजरिए से पर्दे पर दिखाया जाता है, वह समाज और रचनाकारों की सोच को भी दर्शाता है। किसी कलाकार का हर फैसला भविष्य की कहानियों को आकार देता है ।

महेश बाबू का अनुशासन देख प्रभावित हुए एस.एस.राजामौली

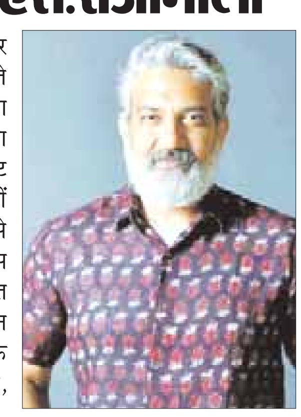

फिल्म निर्देशक एस. राजामौली ने अभिनेता महेश बाबू के अनुशासन और काम के प्रति समर्पण की जमकर सराहना की है। एस. राजामौली ने कहा कि महेश बाबू शूटिंग के दौरान अपना मोबाइल फोन कार में ही छोड़ देते हैं,जिससे उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपने काम पर रहता है। राजामौली ने अपनी आगामी फिल्म वाराणसी की शूटिंग के अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह लंबे समय से महेश बाबू के अभिनय के प्रशंसक रहे हैं और उनकी प्रतिभा से पहले से परिचित थे। हालांकि, इस बार उन्हें सबसे अधिक प्रभावित महेश बाबू का प्रोफेशनल रवैया और सेट पर उनका अटूट फोकस देखकर हुआ।उन्होंने कहा कि महेश बाबू सेट पर कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करते। वह शूटिंग स्थल पर पहुंचने से पहले अपना फोन कार में छोड़ देते हैं और काम खत्म होने के बाद ही उसे देखते हैं। राजामौली के अनुसार, ब्रेक के दौरान भी महेश फोन में व्यस्त रहने के बजाय चुपचाप बैठकर आसपास हो रही गतिविधियों का अवलोकन करते रहते हैं। राजामौली ने बताया कि महेश बाबू की यह आदत उन्हें व्यक्तिगत रूप से भी प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि अब वह भी अपने परिवार के साथ समय बिताते समय मोबाइल फोन से दूरी बनाने की कोशिश करते हैं। गौरतलब है कि राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी में महेश बाबू के साथ प्रियंका चोपड़ा जोनास और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के 07 अप्रैल, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने की योजना है।

हर परिवार को तुलसी जैसी शख्सियत की जरूरत : स्मृति

मुंबई, 01 जुलाई (वार्ता) लोकप्रिय अभिनेत्री स्मृति ईरानी का मानना है कि बदलते समय और बदलते पारिवारिक रिश्तों के बीच आज भी हर परिवार को तुलसी जैसी शख्सियत की जरूरत है, जो रिश्तों को जोड़ने, परिवार को एकजुट रखने और हर संबंध को दूसरा मौका देने में विश्वास रखती हो।स्टार प्लस के लोकप्रिय धारावाहिक क्योंकि सास भी कभी बहू थी में 10 वर्ष के लीप के साथ कहानी नए दौर में प्रवेश कर रही है। इस अवसर पर स्मृति ईरानी ने कहा कि वर्षों बाद भी लोग तुलसी के किरदार में अपनी मां, दादी या नानी की झलक देखते हैं। हर परिवार को ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है, जो लोगों को समझे, उनकी बात सुने और बिना किसी पूर्वाग्रह के उन्हें अपनाए।उन्होंने कहा कि नए अध्याय में तुलसी अपने परिवार में लौटती है, जहां रिश्ते पहले से अधिक उलझ चुके हैं और अपनों के बीच दूरियां बढ़ गई हैं। इसके बावजूद तुलसी का विश्वास कायम है कि हर रिश्ते को एक और अवसर मिलना चाहिए और हर परिवार फिर से एक हो सकता है।

स्मृति ईरानी ने कहा कि नई पीढ़ी अपने साथ नई चुनौतियां लेकर आती है और उनका सामना समझदारी, साहस तथा एक-दूसरे को समझने की इच्छा से ही किया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शकों को तुलसी की नई यात्रा में अपने परिवार और जीवन की झलक देखने को मिलेगी। यह धारावाहिक प्रतिदिन रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा तथा जियोहॉटस्टार पर भी उपलब्ध रहेगा।

श्री गणेश देवस्थानम के स्वास्थ्य शिविर में 135 मरीज लाभान्वित

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में नि:शुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर में 135 जरूरतमंद लाभान्वित हुए। श्री द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती जी की प्रेरणा से सिद्धपीठ के संस्थापक स्व. कृष्ण कुमार जी पुरोहित की पुण्य स्मृति में उक्त सेवा शिविर गणनायक फाउंडेशन ने आयोजित किया।

जांच में इनका रहा योगदान– नेत्रालय स्टॉफ के भाग्यवान तिवारी (केम्प प्रभारी), गौरव रैकवार, नीलेश जाट, अजय गिरदौनिया का विशेष योगदान रहा। शिविर में मोतियाबिन्द के 40 मरीज मिले। इनमें से 16 ने ऑपरेशन करने की सहमति दी जिन्हे नेत्रालय द्वारा बस सेवा से झोंतेश्वर अस्पताल ले जाकर उपचार व आपरेशन किया जाएगा। जहां लेंस, चश्मा, भोजन सहित आवागमन नि:शुल्क रहेगा। आगुतकों का स्वागत व आभार प्रदर्शन आयोजन के प्रमुख सूत्रधार सुशान्त पुरोहित ने किया। पूर्व में भगवान गजानन का पावन अभिषेक आचार्य कृष्णकांत उदेनिया, पं संजय शर्मा ने किया।

पाठक व दुबे को मिला गणनायक पत्रकारिता सम्मान – कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठित गणनायक पत्रकारिता अलंकरण संतोष पाठक व सतीश दुबे को फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती रमा पुरोहित ने प्रदान किया। पुण्य स्मृति को अक्षुण बनाए रखने के लिए नारियल का पौधा भी रोपा गया।

पीएचई कार्यालय करेली में धूमधाम से मनाया गया दशरथ प्रसाद कहार का सेवानिवृत्ति समारोह

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड कार्यालय में 30 जून 2026 को कार्यभारित हेल्पर के पद पर पदस्थ श्री दशरथ प्रसाद कहार का सेवानिवृत्ति समारोह अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अपनी लंबी, समर्पित और बेदाग शासकीय सेवा पूर्ण करने के पश्चात आज वे ससम्मान सेवानिवृत्त हुए।

शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर किया गया सम्मान–विदाई समारोह के दौरान कार्यालय को विशेष रूप से सजाया गया था। कार्यक्रम में उपस्थित पीएचई विभाग के अधिकारियों और साथी कर्मचारियों ने श्री दशरथ प्रसाद कहार का पुष्पहार पहनाकर और तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके स्वस्थ, सुखमय और सुदीर्घ जीवन की कामना की गई।

कार्यकाल और मिलनसार स्वभाव की हुई भूरि-भूरि प्रशंसा– समारोह को संबोधित करते हुए अधिकारियों व साथी कर्मचारियों ने कहा कि श्री दशरथ प्रसाद कहार ने अपने संपूर्ण सेवाकाल में पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। विभाग में उनका मिलनसार स्वभाव, मृदुभाषी व्यक्तित्व और कार्य के प्रति समर्पण हमेशा अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

गाजे-बाजे के साथ दी गई विदाई, भावुक हुए साथी– भव्य विदाई समारोह में ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ जश्न का माहौल रहा, जिसने इस पल को बेहद यादगार बना दिया। अपने विदाई की बेला पर श्री कहार भी भावुक नजर आए। उन्होंने अपने सेवाकाल के दौरान विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों और साथी कर्मचारियों से मिले निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन व प्रेम के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।सहायकयंत्री सुनील कुमार परतेती,उपयंत्री गोवर्धन अहिरवार सब इंजिनियर माधुरी यादव एवं कर्मचारी रज्जाक खान. प्रमोद हिन्नोलीया.महेश कुशवाहा. चंद्रकांत अजय बरेले.अनंतराम कहार. मातवर प्रजापति.ओमकार विश्वकर्मा.कामता विश्वकर्मा. श्याम रजक.राजेश श्रीवास्तव संजय तिवारी.नीलेश वेग. प्रशांत चौवे गणेश भरिया.ताज कुरैशी.डालसिंग ठाकुर सभी अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

कोरी-तंतुवाय समाज द्वारा मनाई सद्गुरु कबीर साहेब की जयंती

नरसिंहपुर। महान संत, समाज सुधारक और भक्तिकाल के प्रमुख कवि संत कबीरदास जी की जयंती को पूरे देश में बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि को कबीर जयंती मनाई जाती है। वहीं सद्गुरू कबीर साहेब के 629वें प्राकट्योत्सव के अवसर पर बीते दिवस विपतपुरा स्थित वीरेंद्र कोरी के निवास पर में आयोजित प्राकट्योत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कोरी-तंतुवाय समाज के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कोरी, सोमराज कोरी, नवल किशोर तंतुवाय, डोरीलाल कोरी, धनीराम कोरी, अर्जुन कोरी, कमलकांत कोरी, राकेश कोरी, सुनील कोरी, राजेश कोरी, हर्ष कोरी आदि स्वाजातीय बंधु उपस्थित हुए।

कलेक्टर की समीक्षा बैठक में शिक्षा विभाग को सख्त निर्देश

शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति और बोर्ड परीक्षा परिणाम सुधार पर रखें विशेष फोकस

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायपुर में विकासखंड चीचली के समस्त प्राचार्यों, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों एवं बीआरसी/बीएसी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, बोर्ड परीक्षा परिणाम, छात्र उपस्थिति, नामांकन, अधोसंरचना, अपार आईडी, आधार सीडिंग सहित शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अधिकारियों एवं प्राचार्यों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, बेहतर परीक्षा परिणाम और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें।

नवंबर-दिसंबर तक पूरा करें पाठ्यक्रम, बोर्ड परीक्षा पर विशेष फोकस

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि कक्षा 9वीं से 12वीं तक का पाठ्यक्रम नवंबर-दिसंबर तक पूर्ण कराया जाए। कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। मेधावी विद्यार्थियों को मेरिट सूची में स्थान दिलाने तथा छ्ववश्व एवं ह्वश्वज्ञ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

कमजोर विद्यार्थियों के लिए जुलाई से अतिरिक्त कक्षाएं– बैठक में कमजोर विद्यार्थियों के लिए जुलाई माह से रेमेडियल कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए गए। विशेष रूप से गणित एवं अंग्रेजी विषयों पर ध्यान देते हुए विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें बेहतर श्रेणी में उत्तीर्ण कराने के प्रयास किए जाएंगे। प्रत्येक माह कम से कम दो मूल्यांकन परीक्षण अनिवार्य रूप से आयोजित किए जाएंगे।उपस्थिति और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति 50 प्रतिशत से कम है, वहां शिक्षक घर-घर संपर्क अभियान चलाकर पालकों से संवाद करें। लगातार 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। वनांचल एवं पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष रूप से बालिकाओं की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अलग कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए गए।

आउट ऑफ स्कूल बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ें

कक्षा 1 से 8 तक के शाला त्यागी बच्चों की पहचान कर उन्हें पुन: विद्यालय से जोड़ने के निर्देश दिए गए। इसके लिए आंगनवाड़ी की सूची से मिलान कर नियमित मॉनिटरिंग करने पर जोर दिया गया।

अपार आईडी, आधार सीडिंग और छात्र मैपिंग में लाएं तेजी

बैठक में अपार आईडी, आधार सीडिंग एवं दस्तावेजों की त्रुटियों के कारण लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। जिन विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या अधिक है वहां विशेष आधार शिविर आयोजित कर नाम एवं जन्मतिथि संबंधी त्रुटियों का सुधार कराया जाएगा। साथ ही शनिवार तक सभी विद्यार्थियों की ऑनलाइन प्रविष्टियां पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 9वीं एवं 12वीं के शेष विद्यार्थियों की मैपिंग भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने को कहा गया।

जर्जर भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करें, सुरक्षा सर्वोपरि

कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए जर्जर एवं क्षतिग्रस्त विद्यालय भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करने तथा आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए। क्षतिग्रस्त बाउंड्रीवालों की मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी अधिकारियों की सहायता लेने को कहा गया।

वर्ष में तीन बार होगी शिक्षा विभाग की व्यापक समीक्षा

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शिक्षा विभाग के कार्यों की वर्ष में कम से कम तीन बार विस्तृत समीक्षा की जाएगी, ताकि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और शैक्षणिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक विपनेश कुमार जैन, जिला परियोजना समन्वयक श्री द्विवेदी, जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी/बीएसी तथा विकासखंड चीचली अंतर्गत सभी शासकीय हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने नारगी-माल्हनवाड़ा में आंगनवाड़ी एवं विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

बच्चों से किया संवाद, पोषण, शिक्षा और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता का लिया जायजा

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बुधवार को विकासखंड चीचली के ग्राम नारगी-माल्हनवाड़ा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र एवं एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के पोषण, शिक्षा, उपस्थिति एवं भोजन व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केन्द्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती सिंह ने पोषण ट्रैकर एप, दर्ज बच्चों की संख्या, उनकी नियमित उपस्थिति तथा कुपोषित एवं कम वजन वाले बच्चों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बच्चों की उपस्थिति का सही ढंग से रिकॉर्ड संधारित नहीं पाए जाने पर उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के प्रति नाराजगी व्यक्त की और अभिलेखों को अद्यतन एवं व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें दिए जा रहे भोजन एवं नाश्ते की जानकारी ली। उन्होंने स्वयं बच्चों को परोसे जा रहे नाश्ते का स्वाद चखकर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा पाँचवीं की एक छात्रा से अंग्रेजी विषय के प्रथम अध्याय का वाचन कराया और विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का आकलन किया। उन्होंने विद्यालय में दर्ज विद्यार्थियों की संख्या, उनकी उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति तथा मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था की भी जानकारी ली। कलेक्टर ने विद्यालय में नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के प्रभावी संचालन एवं बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्व. कमल कोचर की प्रथम पुण्यतिथि पर वृक्षारोपण एवं सेवा कार्य, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

नगर के तालाब परिसर में स्वर्गीय कमल कोचर की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर कोचर परिवार एवं कमल कोचर मित्र मंडली द्वारा श्रद्धांजलि स्वरूप वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन के उद्देश्य से संचालित राम नाम संग्रहालय समिति के च्प्रकृति बचाओ अभियानज्ज के अंतर्गत संपन्न हुआ। समिति द्वारा लंबे समय से नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में लगातार वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी अभियान के तहत इस अवसर पर वान्या कोचर पिता ऋषभ कोचर के जन्मदिन तथा वाची कोचर, पिता वैभव कोचर के जन्मदिन उपलक्ष्य में तालाब परिसर में जामुन, आम एवं विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बताया कि लगाए गए पौधे केवल पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में ही सहायक नहीं होंगे, बल्कि आने वाले समय में राहगीरों को छाया, स्वच्छ वातावरण एवं औषधीय लाभ भी प्रदान करेंगे। विशेष रूप से लगाए गए औषधीय पौधे स्वास्थ्य की दृष्टि से भी अत्यंत उपयोगी हैं। राम नाम संग्रहालय समिति द्वारा इन पौधों की नियमित देखरेख, खाद एवं पानी की व्यवस्था की जाती है ताकि पौधे सुरक्षित रूप से विकसित होकर भविष्य में समाज के लिए उपयोगी बन सकें। समिति का यह अभियान लगातार प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनता जा रहा है। इसी क्रम में स्वर्गीय कमल कोचर की पुण्य स्मृति में नगर के अस्पताल परिसर में मानव सेवा संघ द्वारा सेवा कार्य आयोजित किया गया, जहां मरीजों, परिजनों एवं जरूरतमंद लोगों को खिचड़ी एवं भोजन प्रसादी वितरित की गई। इस सेवा कार्य को लोगों ने मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा सराहनीय प्रयास बताया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वर्गीय कमल कोचर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके सामाजिक सरोकारों एवं सेवा भाव को याद किया तथा संकल्प लिया कि पर्यावरण संरक्षण एवं मानव सेवा जैसे कार्य निरंतर जारी रखे जाएंगे।

बरमानकलां में 60 ट्रॉली खनिज रेत जब्त

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशन में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम के लिए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार एक जुलाई को राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जांच के दौरान करेली तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम बरमानकलां में शासकीय भूमि में अवैध रूप से भंडारित रेत पाई गई।

तेज बारिश से मंडी में रखी किसानों की उपज बर्बाद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। जवाहर कृषि उपज मंडी में किसानों की फसल विक्रय के किये रखी हुई थी । बुधवार की दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। जिससे किसानों की उपज पूरी तरह पानी में भीगकर खराब हो गई । अचानक बारिस होते ही मंडी में चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया और किसान पन्नी तिरपाल से अपनी उपज को बचाने कोशिश करने लगे लेकिन बारिस बहुत तेज थी किसान की उपज पानी से भीग गई । मंडी में विक्रय के लिए बड़ी मात्रा में किसानों की उपज आई थी। तेज बारिश ने सारी व्यवस्था बिगाड़ दी। तिरपाल उड़ गए और फसलें पानी में भीग गईं। किसानो का कहना है कि हमारी मेहनत की उपज 10 मिनट की बारिश से पानी में गीली हो गई ओर हमे काफी नुकसान हुआ है ।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 42 अ-20(1) सन्-2026-27

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 17/07/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

नजूल शीट क्र.	नगरीय क्षेत्र का नाम	प्लाट क्र.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में धारक धारकों के नाम/पिता / माता का नाम पूर्ण नाम पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता /माता का नाम पूर्ण नाम पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
16	कंदेली	49/2 60/2	3005 वर्गफुट	दिनेश कुमार अरोरा आ. नत्थाराम अरोरा निवासी पुत्रीशाला के पास, रामवार्ड कंदेली	दिनेश कुमार अरोरा आ. नत्थाराम अरोरा निवासी पुत्रीशाला के पास, रामवार्ड कंदेली

इश्तहार आज दिनांक 09/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

स्वच्छ कैमोर स्वस्थ्य कैमोर

कार्यालय नगर परिषद कैमौर जिला-कटनी (म.प्र)

E-mail : comkemore@mpurban.gov.in, Phone No. 07626-272353

क्र. 1012 स्वा. वि./न.परि./2026 कैमोर, दिनांक 01/07/2026

सार्वजनिक सूचना

एतद् द्वारा सर्व संबंधितों को सूचित किया जाता है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 एवं संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास म.प्र. भोपाल द्वारा जारी पत्र क्र. 16932 दिनाक 16/05/2026 अनुसार अधिसूचित किए गए हैं। जो दिनाक 01 अप्रैल 2026 से पूर्ण रूप से प्रभावी हो गए हैं. और निकाय सीमा क्षेत्र अंतर्गत नवीन ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 लागू कर दिये गए हैं। उक्त नियम के नियम क. 3 (झ), 6 एवं 10 में थोक कचरा उत्पादक (Bulk Waste Generator) (BWG) की श्रेणी के लिए वर्णित परिभाषा एवं प्रावधानों को जमीनी स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया गया है। जिसके अनुसार थोक कचरा उत्पादक की परिभाषा इस प्रकार है - भारी मात्रा के अपशिष्ट जनित वो इकाइयां जो निम्नलिखत मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करते हो-

(1) 20,000 वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल (Floor Area) वाले भवन या

(ii) प्रतिदिन 40,000 लीटर पानी की खपत या

(iii) प्रतिदिन 100 किलोग्राम ठोस अपशिष्ट उत्पादन सम्मिलित है

उक्तानुसार नगर परिषद कैमोर सीमा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मैरीज गार्डन, होटल/रेस्टोरेन्ट, धर्मशाला छात्रावास, सामुदायिक भवन, रहवासी संघ एवं अन्य संस्थान आदि जो कम से कम एक मानदंड को पूरा करते है तो वे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 के अनुसार थोक कचरा उत्पादक की श्रेणी में माने जायेंगे। ऐसे थोक कचरा उत्पादको को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम-2026 का पालन किया जाना अनिवार्य है।

थोक कचरा उत्पादक हेतु दिशा निर्देश-

1. सभी थोक कचरा उत्पादकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीकृत पोर्टल (Centralised Portal) पर पंजीयन कराया जाना अनिवार्य है।
2. संस्थान में उत्पन्न गीले, सूखे एवं घरेलु खतरनाक अपशिष्ट को पृथक्कीकृत कर एकत्र करना।
3. एकत्र गीले कचरे का संस्थान में ही निष्पादन करना।
4. पिट कम्पोस्टिंग, बायोगेस या ओडब्ल्यू सी. मशीन या अन्य माध्यमों से कचरे का निष्पादन करना।
5. प्रतिदिन उत्पन्न कचरे के नियमानुसार प्रबंधन हेतु केयर टेकर को नियुक्त करना।
6. निष्पादित गीले कचरे से उत्पन्न खाद का उपयोग करना।
7. संस्थान से निलकने वाले सूखे एवं अन्य अपशिष्ट को निकाय के अधिकारिक कचरा संग्राहक को सौंपना।
8. प्रतिदिन प्रसंस्कृत किये गये गीले अपशिष्ट एवं उत्पन्न खाद की लॉग बुक का संधारण करना।
9. यदि संस्थान अपने परिसर में ही गीले कचरे के प्रसंस्करण करने में असमर्थ है। तो नियमानुसार निकाय अथवा निकाय द्वारा अधिकृत संस्थान से गीले कचरे के प्रसंस्करण हेतु अनुबंध निष्पादन कर निकाय से विस्तारित धोक अपशिष्ट जनित उत्तरदायित्व प्रमाण पत्र (EUtended Bulk Waste Generator Responsibility) (EBWGR) (Certificate) प्राप्त किया जाना सुनिश्चित करें।
10. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के नियम क. 6 एवं 10 में वर्णित समस्त प्रावधानों का पालन किया जाना अनिवार्य है।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सभी थोक कचरा उत्पादक अपने परिसर में ही कचरे का निष्पादन किया जाना सुनिश्चित करें अन्यथा निकाय द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। यदि उल्लेखित संस्थान आदि उक्त अधिनियम का उल्लंघन करते पाए जाते है, तो संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी एवं प्रतिदिन के मान से अर्थदण्ड आरोपित किया जाएगा।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद कैमोर**

"स्वच्छता की, जिम्मेदारी थोड़ी आपकी थोड़ी हमारी"

कटनी जिले में विकसित भारत जी-राम-जी योजना लागू हुई

ग्रामीण आजीविका एवं अधोसंरचनात्मक विकास को मिलेगी गति

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रदेश सहित कटनी जिले में बुधवार, 1 जुलाई से विकसित भारत जी राम जी अधिनियम पूरी तरह से लागू हो गया है। अधिनियम के लागू होने से अब वर्ष भर में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इससे न सिर्फ ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अधोसंरचनात्मक विकास को भी गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एवं अधोसंरचनात्मक विकास के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम-2025 को पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। प्रदेश में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम लागू होने के साथ ही मनरेगा अधिनियम स्वत: ही निरस्त हो गया है। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण विकास के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन है जो विकसित भारत /2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप एक समेकित रूप में भविष्य उन्मुख एवं उत्पादकता आधारित ग्रामीण विकास में ढांचागत परिवर्तन कर एक नए युग की शुरुआत करता है। अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य जो अकुशल कार्य करने के इच्छुक हैं उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के रोजगार का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि के साथ आजीविका की सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी। अधिनियम के प्रावधानों में श्रमिकों द्वारा कार्य की मांग करने पर उसे समय सीमा में कार्य उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, अन्यथा उसे श्रमिक बेरोजगारी भत्ता पाने का हक होगा। अधिनियम के तहत कार्य करने वाले श्रमिकों को समय सीमा में प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली डायरेक्ट बेनीफिट ट्रान्सफर-डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक अथवा डाकघर खातों में भुगतान किया जाना अनिवार्य किया गया है। अन्यथा वह

श्रमिक विलम्बित क्षतिपूर्ति पाने का पात्र होगा। अधिनियम में विकसित भारत /2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक व पीएम गति शक्ति के एकीकरण सहित शुरू किए जाने वाले कार्यों में जल-संबंधी कार्यों के माध्यम से जल सुरक्षा, ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत अवसंरचना, आजीविका-संबंधी अवसंरचना तथा प्रतिकूल मौसमीय घटनाओं के शमन के लिये कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की अवधि का विराम

वीबी जी राम जी अधिनियम में बुवाई और कटाई के पीक सीजन में कृषि श्रमिकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक वित्तीय वर्ष में 60 दिनों की अवधि विराम अवधि के रूप में रहेगी, जिससे कृषि कार्य के लिये श्रमिकों की उपलब्धता रहे।

पारदर्शिता के लिए होगी डिजिटल निगरानी

अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन, जवाबदेही और पारदर्शिता के लिये डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना रियल टाइम निगरानी और उन्नत पारदर्शिता तन्त्र के माध्यम से मजबूती प्रदान करता है। इस प्रणाली में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित निगरानी, रियल टाइम डेशबोर्ड, एआई तकनीकी का प्रयोग किया जाना है, जिससे पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन, निगरानी, समयबद्ध रिपोर्टिंग और सुधारात्मक कार्यवाही की जा सकेगी।

पंचायतें बनाएंगी कार्ययोजना

अधिनियम में कार्ययोजना विकसित ग्राम पंचायत प्लान के माध्यम से ग्राम पंचायतों द्वारा तैयार की जाएंगी, जिसमें पंचायतों की भौगोलिक स्थिति एवं विकास स्तर के अनुसार आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाएगा। क्रियान्वयन में ग्राम पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। वह श्रमिकों का पंजीकरण करने, ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी करने के लिए उत्तरदायी होगी। ग्राम सभा नियमित सामाजिक अंकेक्षण भी करेगी। मध्यवर्ती पंचायतें, ब्लॉक-स्तरीय आयोजना, प्रस्तावों के समेकन एवं अभिसरण के सुगमीकरण पर ध्यान केंद्रित करेंगी। जिला पंचायतें, एक समर्पित संचालन समिति के माध्यम से समग्र पर्यवेक्षण एवं निगरानी की जिम्मेदारी निभाएंगी।

मार्शल आर्ट ताईक्वांडो का शिविर एवं टेस्ट सम्पन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। म.प्र. ताईक्वाण्डो संघ से सम्बद्ध जिला ताईक्वाण्डो संघ का मार्शल आर्ट ताईक्वाण्डो प्रशिक्षण सत्र एवं प्रोन्नत बेल्ट प्रदान करने का फाइनल सत्र जिला संघ के हॉल में सम्पन्न हुआ। फाइनल चक्र में प्रशिक्षक पैनल ने खिलाडियों का बेल्ट टेस्ट लेकर परिणाम घोषित किया। व्हाइट से यलो बेल्ट के लिए रितिका खरे, सचिन तिवारी, श्रेया जैन ने क्वालिफाई किया। इसी तरह यलो से हाई यलो के लिए श्रेष्ठ सोनी अभिमन्यु नायक, अनुस्मिता नायक, एकांश चौरसिया, स्वदिश गुप्ता, रूद्रप्रताप सिंह ठाकुर, प्रताप राज सिंह ठाकुर, श्रीजा सोनी ने तो हाई यलो से ग्रीन बेल्ट श्रेणी में युवांश अग्रवाल, अनादिक जैन, मोसित जैन, वैष्णवी तिवारी, सिद्धी डेंगरे, रिद्धी जैन, अवनी वोहरा, देवेश चतुर्वेदी ने क्वालीफाई किया। निशिका झॉ, शुभांग सोनी ग्रीन से हाई ग्रीन बेल्ट क्वालीफायर रहे। हाईग्रीन से ब्लू बेल्ट के लिए खिलाड़ी नमामि सोनी, आयुषी वसानी, प्रोन्नत घोषित की गई। बेल्ट टेस्ट परीक्षा प्रकाश बरसैंया ब्लैक बेल्ट थर्ड डॉन के नेतृत्व में रैफरी विकास नामदेव, आशीष लहोरिया, मनोज जैन ने सम्पन्न कराई। खिलाडियों को जिला ताईक्वाण्डो संघ अध्यक्ष डॉ. दीपक सक्सेना, विनय कनकने, सुधेश टुड्हा, शैलेन्द्र डेंगरे, गोविन्द गुप्ता, बंटू बिलैया ने बधाईयां दी।

शिशु वाटिका में आहना की समाज सेविकाओं ने किया पौधरोपण, लगाए 11 पौधे

कटनी (स्वतंत्रमत)। एक वृक्ष मां के नाम अभियान से जुड़ते हुए जॉयंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने शहर के बीचों बीच स्थित शिशु वाटिका में पौधा रोपण किया। जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरुक करना और वृक्ष है तो मानव जीवन का कल है इनकी सेवा ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है यह बात सबको समझाना रहा। इस नेक और पुनीत कार्य के दौरान आहना ग्रुप

की अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, स्वाति नायक, रश्मि राय, स्वाति जैन, शिखा गुप्ता, रश्मि गट्टानी, मुक्ता अग्रवाल, उपासना बजाज शामिल रही।

कलेक्टर जनसुनवाई में सुन रहे लोगों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 68 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ

हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, जिला प्रबंधक लोकसेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

जनसुनवाई में पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में 30 जून को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक

सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी वि.गढ धीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी अजाक शिवा पाठक जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक

आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यत: पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं।

कलेक्टर ने किया ईव्हीएम स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष तिवारी द्वारा त्रैमासिक निरीक्षण के तहत सोमवार को कार्यालय कलेक्ट्रेट स्थित निर्वाचन सदन पहुंचकर ईव्हीएम वेयर हाउस (वेयर हाउस खोलकर) स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों एवं निर्वाचन शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों की मौजूदगी रही। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान निर्वाचन कार्यालय के कार्यों का जायजा

लिया तथा संधारित रजिस्टर का अवलोकन करते हुए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्ट्रांग रूम के बाहर लगे सी.सी.टी.व्ही कैमरों की जांच कर व्यवस्था चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ईव्हीएम मशीनों के सही रख-रखाव का भी अवलोकन किया। इस दौरान भाजपा प्रतिनिधि सौरभ अग्रवाल और दीपक तिवारी, कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष (शहर) अमित शुक्ला, बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष डीसी राम एवं प्रतिनिधि धनीराम चौधरी, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, सहायक कोषालय अधिकारी जय कुमार बोहत सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

04 अधिकारी सेवा-निवृत्त, सम्मानपूर्वक दी गई विदाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। 30 जून को कटनी पुलिस विभाग में दीर्घकालीन सेवाएं प्रदान करने वाले कटनी पुलिस के 04 अधिकारी उनि चिंतामणि बिजौरिया, कार्यवाहक सउनि रामाधार चौधरी, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक बहोरीलाल तंतुवाय, सहायक उप निरीक्षक (रेडियो) सुरेश यादव के सेवा-निवृत्ति अवसर पर सम्मानपूर्वक विदाई कायक्रम आयोजित किया गया। पुलिस विभाग कटनी के दोनों अधिकारियों द्वारा अपने सेवाकाल के दौरान विभाग में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवाएं प्रदान की गईं। 30 जून को अधिवार्षिकीय आयु पूर्ण कर चारों अधिकारी एवं कर्मचारी सेवा-निवृत्त हुए। सेवा-निवृत्त के अवसर

पर पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की कामना की जाकर उनके परिजनों से सौहार्दपूर्ण चर्चा की गई। पुलिस अधीक्षक विश्वकर्मा द्वारा अपने उद्बोधन में बताया गया कि सेवानिवृत्त हो रहे सभी अधिकारियों के पुलिस सेवा में अनुशासन, निष्ठा एवं कर्तव्यपरायणता सर्वोपरि है तथा सेवानिवृत्त अधिकारियों की सेवाएं विभाग के लिए सदैव अनुकरणीय रहेंगी। सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत, सूबेदार अंजू लकड़ा सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टॉफ एवं सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा माधवशाह चिकित्सालय में आधुनिक सुविधाओं के साथ चिकित्सा सेवाओं का विस्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

माधवनगर कटनी की चिकित्सा की आवश्यकता को देखते हुए सतगुरु बाबा नारायण शाह साहिब ने मानव सेवा ही माधव सेवा के मूल मंत्र के साथ 21अप्रेल 1985 में बाबा माधवशाह चिकित्सालय की नींव रख निर्माण कार्य की शुरूआत कराया। जो सतगुरु बाबा गोविन्दशाह जी की देख-रेख मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। जिसका लोकार्पण 15 फरवरी 1991 को हुआ यह उस समय माधवनगर के एक वरदान साबित हुआ न्यूनतम दरों पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्धता के साथ चिकित्सक सेवा भाव सेवाएं प्रदान करते जिसका लाभ हजारों जरूरतमंदों को मिलता रहा नित्य विस्तार किया जाता वर्ष में 10-12 नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर सेवा भाव से निरोगी बनाने की सेवाएं प्रदान करते नि:शुल्क दवाइयां नि:शुल्क परीक्षण किया जाता। जिसमें कटनी, जबलपुर, नागपुर, रायपुर, मुम्बई, दिल्ली सहित अनेक नगरों के विशेषज्ञ चिकित्सक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करते। न्यूनतम दरों में

बेहतर चिकित्सा प्रदान करते हुए निरन्तर बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए नित्य नये उपकरणों से सुसज्जित कर आधुनिक तकनीक प्रयास किया जाता। सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब प्रेरणा एवं आशीर्वाद से चिकित्सालय को आधुनिक बनाने के साथ स्वच्छ सुन्दर विनम्र शान्त वातावरण में बाबा माधवशाह चिकित्सालय सर्वहितकारी सेवा प्रदान करता है जिसके तहत भारत सरकार की सेवाभावी योजना आयुष्मान कार्ड से नि:शुल्क चिकित्सा सेवा चिकित्सालय प्रदान करता हैं। आज की आधुनिक सुविधाओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के प्रयास निरन्तर जारी है। सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब की प्रेरणा से वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुसार चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करते हुए आधुनिक तकनीक का उपयोग करके नित्य नए उपकरण उपलब्ध कराएं जा रहे हैं। चिकित्सालय को नया आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हुए चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है पुनर्निर्माण के प्रथम चरण शुभारम्भ 28 जून को सतगुरु सांई ईश्वरशाह साहिब के कर-कमलों से हुआ। पुनर्निर्माण के प्रथम चरण के शुभारम्भ में कटनी माधवनगर के अनेक समाजसेवी एवं अनेक नगरों के सतगुरु सेवकों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस अवसर पर सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब ने चिकित्सालय के नवीन स्वरूप का अवलोकन कर प्रबंधन को

मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया के उद्देश्य से सेवाऐं प्रदान करने की प्रेरणा देते हुए समझाया कि सर्वहित की निष्काम सेवा ही सच्ची सेवा है आपजी ने सतगुरु उपकारों परमार्थी सेवाओं को याद करते हुए कहा सतगुरु बाबा नारायणशाह सेवा की प्रतिमूर्ति थे आपके अनन्त उपकार जन मानस में रहें उनकी उपकारी लीलाओं का ऋण नहीं चुका सकते हैं उनके आदर्शों पर चलकर हम मानव सेवा, करुणा, जनकल्याण की दिव्य परम्परा के पथ पर अग्रसर होकर सही मायने में नमन वंदन कर सकते हैं। 28 जून 2026 को बाबा माधवशाह चिकित्सालय नवनिर्माण फेस-1 का भव्य शुभारम्भ हुआ। जीवनमुक्त सतगुरु बाबा नारायणशाह साहिब द्वारा जनकल्याण के पावन संकल्प से स्थापित यह चिकित्सालय आज परम देव जीवनमुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहिब की असीम कृपादृष्टि से एक नवीन एवं आधुनिक स्वरूप में मानव सेवा के लिए समर्पित हुआ। यह केवल भवन का नवीनीकरण नहीं, बल्कि प्रभु सतगुरु की उसी सनातन सेवा-परंपरा का विस्तार है, जो वर्षों से निरन्तर जनकल्याण के लिए प्रवाहित हो रही है। आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह चिकित्सालय अब और अधिक व्यापक स्तर पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर मानवता की सेवा का दिव्य माध्यम बनेगा। जिस चिकित्सा सर्जरी के लिए दूर दराज सैकड़ों किलोमीटर दूर जाना पड़ता था, सतगुरु कृपा से वह समस्त चिकित्सा सुविधाएं बाबा माधवशाह चिकित्सालय में ही प्राप्त हो पाएंगी। आधुनिक उत्कृष्ट ऑपरेशन थिएटर, उन्नत चिकित्सा उपकरण, विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएँ और रोगी-केंद्रित व्यवस्थाओं से सुसज्जित यह चिकित्सालय अब केवल एक स्वास्थ्य केंद्र नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का जीवन्त प्रतीक बनकर उभरा है यहाँ आने वाला प्रत्येक मरीज केवल उपचार ही नहीं, बल्कि अपनापन, सम्मान और विश्वास का अनुभव करेगा। यह भव्य शुभारम्भ इस बात का जीवन्त प्रमाण है कि जब सेवा के साथ आध्यात्मिक संकल्प जुड़ जाता है मानवता वरदान बन जाती हैं, बाबा माधवशाह चिकित्सालय का यह नवीन स्वरूप आने वाले वर्षों में लाखों लोगों के जीवन में स्वास्थ्य, आशा और मुस्कान का नया अध्याय लिखेगा जहाँ सेवा ही साधना हो और मानवता ही धर्म, वहाँ चिकित्सालय नहीं, ईश्वर की करुणा का द्वार खुलता है बाबा माधवशाह चिकित्सालय उसी दिव्य सेवा-परम्परा का सजीव स्वरूप है।

कटनी की दाल मिल में भीषण आग

कटनी (स्वतंत्रमत)। माधवनगर थाना क्षेत्र के ग्राम इमलिया स्थित एस.के. एग्रो फर्म की दाल मिल में बुधवार दोपहर भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे मिल परिसर में रखा हजारों क्विंटल दाल का स्टॉक जलकर नष्ट हो गया। आग की भयावहता का

अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसे बुझाने के लिए दमकल विभाग के तीन अग्निशमन वाहनों को मौके पर बुलाना पड़ा। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और आसपास के हिस्सों में आग फैलने से रोका। घटना में मिल संचालक को लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। सूचना मिलते ही माधवनगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस एवं संबंधित विभाग आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हैं। घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है।

एसपी ने ०2 हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कटनी (स्वतंत्रमत)। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने ०२हाईवे पेट्रोलिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंचेगी।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम MUJAFFAR HUSAIN दर्ज हो गया है। जबकि मेरे समस्त दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर कार्ड तथा अन्य दस्तावेज में मेरा नाम MUJAFFAR HUSSAIN दर्ज है। अत: मुझे MUJAFFAR HUSSAIN के नाम से लिखा पढ़ा एवं जाना जावे।

सूचनादाता
MUJAFFAR HUSSAIN
चन्द्र शेखर आजाद वार्ड, कटनी

मेक्सिको ने इक्वाडोर को हराकर राउंड ऑफ 16 में बनाई जगह

मेक्सिको सिटी (वार्ता)। जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज के एक-एक गोलों की बदौलत मेक्सिको फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 में राउंड ऑफ-32 मैच में इक्वाडोर को 2-0 से हराते हुए प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। एस्तादियो एजटेका स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मेजबान मेक्सिको की टीम के लिए जूलियन क्विनोन्स और राउल जिमेनेज ने 1-1 गोल किए। मेक्सिको ने मैच की शुरुआत आक्रामक प्रदर्शन करते हुए की और मैच के पांचवें मिनट में युवा स्ट्राइकर गिलबर्टो मोरा ने प्रयास किया, लेकिन वे निशाना चूक गये। 22वें मिनट पर जूलियन क्विनोन्स ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 31वें मिनट में राउल जिमेनेज दाहिने पैर से शॉट मारकर गेंद को गोल में पहुंचाया। पहले हॉफ के बाद स्कोर 2-0 रखते हुए मेक्सिको ने मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बनाये रखा। दूसरा हाफ के 67वें मिनट में कॉर्नर पर मोंटेस ने हेडर से गोल करने प्रयास किया, जिसे विपक्षी गोलकीपर ने विफल कर दिया। 74वें मिनट में इक्वाडोर के रोड्रिगेज को अच्छा मौका मिला, लेकिन वह भी अपनी टीम का खाता खोलने में असफल रहे। मैच समाप्त होने से थोड़ी देर पहले इक्वाडोर के पिएरो हिंकापी को (90 5) रेड कार्ड दिखा गया।

ईशान किशन टी-20 के नंबर वन बल्लेबाज बने

दुबई (वार्ता)

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी-20 रैंकिंग में ईशान किशन अपने साथी अभिषेक शर्मा को पछाड़ते हुए दुनिया के नंबर वन बल्लेबाज बन गये है। आईसीसी की ओर जारी ताजा रैंकिंग टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन दुनिया के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने हमवतन अपने साथी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को शीर्ष स्थान से नीचे धकेल दिया है। दोनों भारतीय बल्लेबाजों के बीच केवल सात रेटिंग अंकों का मामूली अंतर रह गया है। इसके साथ ही किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और अभिषेक शर्मा के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय में नंबर-1 बनने वाले चौथे भारतीय पुरुष बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान किशन ने हाल ही में संपन्न हुए टी-20 विश्व कप 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए लगभग 200 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 317 रन बनाये थे। हालिया सीरीज में भारत के खिलाफ ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली आयरलैंड की टीम को भी इस

रैंकिंग में जबरदस्त फायदा हुआ है। आयरलैंड के बल्लेबाज लोर्कन टकर चार पायदान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 77वें और रॉस अडायर छह स्थान चढ़कर 84वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, सीरीज में चार विकेट चटकाने वाले आयरलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू हम्फ्रीज अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। भारत के ऑलराउंडर शिवम दुबे भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर ऑलराउंडर्स की सूची में सातवें पायदान पर आ गए हैं। टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविस हेड अपने करियर में पहली बार दुनिया के नवंबर वन टेस्ट बल्लेबाज बन गए हैं। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करे वाले ब्रूक खिसककर दूसरे और रूट तीसरे स्थान पर आ गए हैं। वहीं इस सीरीज में जीत दर्ज करने वाली न्यूजीलैंड टीम के रचिन रविंद्र (7वें), डेरिल मिशेल (11वें) और डेवॉन कॉनवे 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में, भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक बार फिर से दुनिया के नंबर वन गेंदबाज बन गये है। उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंचकर अपने करियर का अंत किया।

आइवरी कोस्ट को हराकर नॉर्वे राउंड ऑफ 16 में पहुंचा

टेक्सास (अमेरिका) (वार्ता)

एर्लिंग हालंद के आखिरी मिनट में किये गये गोल की बदौलत नॉर्वे ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंडर ऑफ 32 के मुकाबले में आइवरी कोस्ट के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत के साथ टूर्नामेंट के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। इस रोमांचक मुकाबले में नॉर्वे के लिए एंटोनियो नूसा ने 39वें और एर्लिंग हालंद ने 86वें मिनट में गोल किया। वहीं आइवरी कोस्ट की तरफ से एक मात्र गोल अमाद दियालो ने 74वें मिनट में किया। एर्लिंग हालंद ने इस विश्व कप में पांच गोल किए हैं, जो गोल स्कोरिंग चार्ट में किलियन म्बाप्पे और लियोनेल मेसी से एक गोल पीछे हैं। मैच शुरू से ही दोनों टीमों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। आइवरी कोस्ट की टीम ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए लगातार विपक्षी टीम के गोल पर हमले करती रही। अगबादौ और कोनान के शॉट्स से काफी दबाव बनाने के बावजूद, आइवरी कोस्ट की टीम नॉर्वे की अनुशासित रक्षा पंक्ति को नहीं भेद पाई। वहीं, नॉर्वे ने रक्षात्मक जवाबी हमले का प्रदर्शन किया। पहले हॉफ के 39वें मिनट में नुसा ने कुशलता से गोलकीपर फोफाना को पछाड़ते हुए गेंद को नेट के ऊपरी कोने में पहुंचाया और नॉर्वे को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में, आइवरी कोस्ट की टीम बराबरी का गोल करने के लिए लगातार प्रयास करती रही।74वें मिनट में, अमाद डियालो ने खुद नॉर्वे के रक्षात्मक पंक्ति को भेदते हुए शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। 86वें मिनट में ऑस्कर बॉब के शानदार पास पर बर्गे ने विंग से हमला करते हुए एरिंग हालंद के लिए एक बेहतरीन क्रॉस दिया, जिसे उन्होंने करीब से गोल में बदलकर स्कोर 2-1 कर अपनी की टीम की जीत पक्की कर दी।

स्वीडन को 3-0 से हराकर फ्रांस प्री क्वार्टर फाइनल में

न्यू जर्सी (वार्ता)

स्टार खिलाड़ी एमबाप्पे के दो गोलों की बदौलत फ्रांस ने स्वीडन को 3-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। मंगलवार रात खेले गये मुकाबले में फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने दो गोल तथा ब्रैडली बारकोला ने एक गोल किया। पहले हाफ से ही फ्रांस ने मैच पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा और लगातार स्वीडन के गोल पर हमले किए। 45 मिनट में फ्रांस के लिए एमबाप्पे ने मैच का पहला गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। शुरुआती 45 मिनट में फ्रांस ने 15 शॉट लगाए। एमबाप्पे का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द हो गया, जबकि उनका एक और प्रयास पोस्ट से टकरा गया। इसके अलावा माइकल ओलीसे की शानदार ओवरहेड किक भी गोलपोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। दूसरे हाफ के 53वें मिनट में ब्रैडली बारकोला ने 53वें मिनट में गोलकर अपनी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद 74वें मिनट में एमबाप्पे ने अपना दूसरा गोल कर फ्रांस की 3-0 की जीत पक्की कर दी। अब फ्रांस का अगले दौर में शनिवार को पराग्वे से मुकाबला होगा।

इंग्लैंड, बेल्जियम और अमेरिका नॉकआउट में करेंगे अपने प्रतिद्वंद्वियों का सामना

अटलांटा (वार्ता)

फीफा विश्वकप 2026 के नॉकआउट राउंड 32 में सह मेजबान अमेरिका, इंग्लैंड, तथा बेल्जियम अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए जोर-आजमाईश करेंगे। अमेरिका तथा बोस्निया और हर्जेगोविना के बीच बीच यह चौथा मुकाबला होगा, लेकिन किसी प्रतियोगी टूर्नामेंट में यह पहली बार आमने-सामने होगी। इससे पहले दोनों टीमें तीन फ्रेंडली मैच खेले जा चुकी हैं (2021 में हुए आखिरी मैच में अमेरिका 1-0 से जीता

था)। मेजबान टीम ने पैराग्वे (4-1) और ऑस्ट्रेलिया (2-0) के खिलाफ जीत के साथ ग्रुप डी में टॉप किया; उन्हें तुर्की (3-2) से एकमात्र हार तब मिली जब अगले राउंड में उनकी जगह पक्की हो चुकी थी। बोस्निया और हर्जेगोविना, जो अपना दूसरा पुरुष विश्व कप खेल रहे हैं, कतर पर 3-1 की अहम जीत के बाद ग्रुप डी में तीसरे स्थान पर रहकर नॉकआउट में पहुंचे। इस मुकाबले से पहले, इंग्लैंड 1966 में थ्री लायंस की मशहूर जीत के बाद अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने की कोशिश जारी रखेगा। उनका सामना पहली बार डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो से होगा। इंग्लैंड ने क्रोएशिया (4-2) और पनामा (2-0) के खिलाफ जीत और घाना के साथ 0-0 से ड्रॉ के दम पर ग्रुप एल में टॉप किया। डीआर कांगो पहली बार अपने नाम से खेल रहा है – इससे पहले वे 1974 में वेस्ट जर्मनी में हुए टूर्नामेंट में ज़ैरे के नाम से खेले थे – और ग्रुप के में चार अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद बेल्जियम जिसने कतर में हुए पिछले विश्व कप से बेहतर प्रदर्शन किया है, का मुकाबला सेनेगल से होगा। बेल्जियम के उलट, लायंस ऑफ़ टेरंगा चार साल पहले अपने ग्रुप से आगे बढ़े थे, लेकिन राउंड ऑफ़ 16 में इंग्लैंड से हार गए थे। लेकिन दुनिया में 10वें नंबर की टीम और ग्रुप जी की विजेता रेड डेविल्स को अपने अफ्रीकी प्रतिद्वंद्वी के मुकाबले जीत का दावेदार माना जाएगा।

नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन टीम में शामिल

नयी दिल्ली (वार्ता)

ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारत की टीम में शामिल हैं, जो 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में होंगे। ये गेम्स 2014 के बाद पहली बार ग्लासगो में लौट रहे हैं, लेकिन प्रोग्राम काफी आसान हो गया है। कॉमनवेल्थ गेम्स के 23वें एडिशन में सिर्फ़ 10 स्पोर्ट्स होंगे, जो बर्मिंघम 2022 से नौ कम हैं, और कॉम्पिटिशन आठ मील के कॉरिडोर में चार जगहों पर होंगे। एथलेटिक्स, स्विमिंग, 3×3 बास्केटबॉल, ट्रैक साइक्लिंग, वेटलिफ्टिंग, लॉन बॉल्स, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक, नेटबॉल, बॉक्सिंग और जूडो ग्लासगो 2026 के शेड्यूल में शामिल हैं। भारत ने पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स में 61 मेडल जीते थे। हालांकि, ग्लासगो 2026 में कम मेडल इवेंट और काफी छोटे स्पोर्टिंग प्रोग्राम के साथ एक अलग चुनौती है।

सेरेना विलियम्स बाहर-ज्वेरेव स्वियाटेक आगे बढ़े

लंदन (वार्ता)। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मंगलवार को बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉक्स की कड़ी चुनौती को पार करते हुए विंबलडन के दूसरे राउंड में जगह बनाई, उन्होंने लगभग तीन घंटे में 6-4, 6-7 (8), 7-6 (5), 7-6 (0) से जीत हासिल की। इस बीच महिला वर्ग में 44 साल की सेरेना विलियम्स की वापसी सुखद नहीं रही और उन्हें पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने भी विंबलडन सिंगल्स में ज़बरदस्त वापसी की, दूसरे सेट में मैच पॉइंट बचाने के बाद माया जॉइंट से 6-3, 6-7 (6), 6-3 से हार गईं। जॉइंट ने कहा, कल रात मुझे ज़्यादा नींद नहीं आई, मैं सुबह 2 बजे तक बस इसी के बारे में सोचती रही। उनका एक अलग ही ऑरा है।

चावल मजबूत, तेलों और दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। वहीं, गेहूं और चीनी के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़े रहे। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत चार रुपये चढ़कर 3,930 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,800 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। आटे की कीमत चार रुपये बढ़ गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। तुअर दाल की औसत कीमत 15 रुपये और चना दाल की आठ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंग दाल 29 रुपये और उड़द दाल 15 रुपये सस्ती हुई। मसूर दाल के भाव में टिकाव देखा गया। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 11 रिंगिट चढ़कर 4,557 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.61 प्रतिशत की गिरावट में 64.95 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजार में मूंगफली तेल की औसत कीमत 42 रुपये और सोया तेल की 11 रुपये टूट गयी। सरसों तेल पांच रुपये और सूरजमुखी तेल चार रुपये फिसल गया। वनस्पति 18 रुपये और पाम ऑयल 14 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव छह रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी पिछले कारोबारी दिवस से स्तर पर पड़ी रही।दाल चना 7777.17 रुपये, मसूर काली 8174.21 रुपये, मूंग दाल 10147.58 रुपये, उड़द दाल 10934.27 रुपये, तुअर दाल 11285.59 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2799.60 रुपये और चावल 3930.30 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3257.95 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4363.77 रुपये और गुड़ 5102.42 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 18342.26 रुपये, मूंगफली तेल 19350.39 रुपये, सूरजमुखी तेल 17919.85 रुपये, सोया तेल 15300.05 रुपये, पाम ऑयल 13870.88 रुपये और वनस्पति 15352.92 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया 60 पैसे लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में बुधवार को डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये पर दबाव रहा और यह 60 पैसे गिर गया। कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 95.16 रुपये का बोला गया। यह 18 जून के बाद का इसका निचला स्तर है। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा पांच पैसे टूटकर 94.56 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह मंगलवार की तुलना में 11 पैसे नीचे 94.67 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सुबह के कारोबार में यह ऊपर 94.60 रुपये प्रति डॉलर तक गया लेकिन बाद में लगातार टूटता हुआ 95.29 रुपये तक उतर गया। अंत में 95.16 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

वाहन की बिक्री में जून में भी जारी रही तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में पिछले साल सितंबर में किये गये सुधारों के बाद से वाहन उद्योग में आयी तेजी इस साल जून में भी जारी रही। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निर्माता मारुति सुजुकी ने बुधवार को बताया कि जून में उसकी कुल बिक्री 19.28 फीसदी बढ़कर दो लाख 390 इकाई पर पहुंच गयी। इसमें घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री 23.78 प्रतिशत और निर्यात 11.90 फीसदी बढ़ा। कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,47,187 यात्री वाहन बेचे। उसका निर्यात 42,768 इकाई रहा। दूसरी सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने जून

में घरेलू बाजार में 62,076 यात्री वाहन बेचे और 1,007 वाहनों का निर्यात किया। कुल बिक्री 63,083 इकाई रही जो एक साल पहले के मुकाबले 69 फीसदी अधिक है। कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 183 फीसदी बढ़कर 14,800 इकाई पर पहुंच गयी। महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री जून 2025 की तुलना में 37 प्रतिशत बढ़कर 1,06,207 इकाई दर्ज की गयी। इसमें घरेलू बाजार में बेचे गये 60,393 यात्री वाहन शामिल हैं, जो सालाना आधार पर 28 प्रतिशत की अधिक है। वाणिज्यिक वाहनों की घरेलू बिक्री 35 फीसदी बढ़कर 26,076 इकाई पर रही। हुंडई मोटर इंडिया ने जून में निर्यात सहित 51,335 वाहन बेचे। इसमें घरेलू बाजार में बेचे गये 39,635 वाहन शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि एक आपूर्तिकर्ता के विनिर्माण संयंत्र में आग लगने की घटना के कारण जून में उत्पादन में 13,900 इकाई का नुकसान हुआ।

गिरावट से उबरे शेयर बाजार

एफएमसीजी, ऑटो कंपनियों में लिवाली

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच एफएमसीजी और ऑटो कंपनियों में लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 443.97 अंक (0.58 प्रतिशत) चढ़कर 76,922.64 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 140.10 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,005.85 अंक पर पहुंच गया। दोनों प्रमुख सूचकांक मंगलवार को एक सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए थे। वृहत बाजार में भी लिवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.69 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.36 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग और वित्तीय सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे। आईटी, धातु, फार्मा, स्वास्थ्य और रसायन समूहों में गिरावट रही। एनएसई में कुल 3,425 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें से 1,852 के शेयरों में गिरावट और 1,473 में तेजी रही। अन्य 100 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 22 के शेयर ऊपर रहे। इटरनल का शेयर सबसे अधिक 5.71 प्रतिशत चढ़ा। हिंदुस्तान यूनीलिवर में 3.02 प्रतिशत, एशियन पेंट्स में 2.95, अडानी पोर्ट्स में 2.10 और मारुति सुजुकी में 2.07 प्रतिशत की तेजी रही। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 1.96 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 1.94, कोटक महिंद्रा बैंक का

1.88, अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.69, एक्सिस बैंक का 1.65, आईटीसी का 1.15, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.09, बीईएल का 1.01, भारती एयरटेल का 0.99 और बजाज फाइनेंस का 0.98 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। बजाज फिनसर्व, इंडिगो, पावरग्रिड, ट्रेंट और एनटीपीसी के शेयर भी हरे निशान में रहे।एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 3.46 प्रतिशत टूट गया। टेक महिंद्रा का शेयर 3.06 फीसदी, टीसीएस का 2.55, टाटा स्टील का में 1.59, इंफोसिस का 1.51 और एलएंडटी का 1.24 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

धान की फसल पर भी देंगे भावांतर योजना का लाभ : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री ने कोदो-कुटकी का बोनस वितरण कर विकास कार्यों का किया लोकार्पण-भूमिपूजन

सिवनी/भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे हलधर किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं, इस धरा के वास्तविक शुभंकर है। वे अपने अथक परिश्रम से पूरे समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों की खुशहाली ही हमारी सरकार का संकल्प हैं क्योंकि किसान समृद्ध होगा, तभी हमारा प्रदेश और देश समृद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकौशल की धरती धान उत्पादन के लिए जग प्रसिद्ध है। शेर की दहाड़ और सतपुड़ा के पहाड़ और अब यहां की छत्रिय धान इस क्षेत्र की बड़ी पहचान है। छत्रिय धान को अब भौगोलिक संकेतक टैग (जीआई टैग) मिल गया है। यह हमारी देशज और पारंपरिक कृषि का वैश्विक सम्मान है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के धान उत्पादक किसानों के हित में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि अब धान की फसल पर भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा। राज्य सरकार धान उत्पादक किसानों को एमएसपी और बाजार मूल्य के बीच के अंतर की राशि का भुगतान करेगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी-राम-जी योजना (मनरेगा का नया स्वरूप) के तहत प्रदेश में विभिन्न श्रेणी के कार्यम लगातार चलायें जाएंगे। किसानों और रोजगार के जरूरतमंदों को कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सिवनी जिला मुख्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय धान महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रदेश के 3 हजार 941 किसानों को 1 हजार रुपए प्रति क्विंटल की दर से कोदो-कुटकी के बोनस के रूप में 2 करोड़ 84 लाख रुपए किसानों के खातों में अंतरित किए।

समर्थन मूल्य के साथ-साथ बोनस भी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार श्रीअन्न उत्पादक किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ-साथ बोनस भी दे रही है। हमने प्रदेश में पहली बार शासकीय स्तर पर कोदो कुटकी खरीदने के लिए अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) 2.0 योजना अंतर्गत प्रदेश के 16 हजार 754 से अधिक श्रमिक परिवारों को 365 करोड़ की अनुग्रह सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। साथ ही 494 करोड़ 16 लाख रुपये की लागत से 629 विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर सिवनी जिले को बड़ी सौगात दी। इसमें 349.33 करोड़ रुपये की लागत के 586 विकास कार्यों का लोकार्पण और 144.83 करोड़ रुपए की लागत के 43 विकास कार्यों का भूमि-पूजन शामिल हैं।

बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट से सिवनी तक फोरलेन रोड निर्माण कार्य की घोषणा करते हुए कहा कि जिले के छपारा ब्लॉक के ग्राम चमारी में शासकीय महाविद्यालय खोला जाएगा। ग्राम सागर से खटकर तक पक्की रोड का निर्माण किया जाएगा। ग्राम छिड़िया पलारी में नगर वन स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के हर विधानसभा क्षेत्र में एक-एक मिनी स्टेडियम का निर्माण कराने की भी घोषणा की।

एक देश, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश, एक विधान, एक निशान, एक प्रधान के ध्येय को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इसी माह प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बंधुओं को यूसीसी के दायरे से पृथक रखा जाएगा।

ज्वार, बाजरा, मक्का को गरीबों की फसल कहा जाता था

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले कोदो-कुटकी, ज्वार, बाजरा, मक्का को गरीबों की फसल कहा जाता था। उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिये योजना शुरू कर देश-दुनिया में इसका मान बढ़ाया। श्रीअन्न में मौजूद तत्व सबसे जल्दी पचता है। राज्य सरकार ने पिछले साल से श्रीअन्न खरीदने की शुरुआत की है। इस वर्ष मानसून पर अलनीनो का प्रभाव नजर आ रहा है।

गरीब-जरूरतमंदों को संबल योजना का लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने ही गरीब-जरूरतमंदों को संबल योजना का लाभ दिया। संबल योजना में सरकार द्वारा दुर्घटना में मृत्यु पर 4 लाख, सामान्य मृत्यु पर 2 लाख और शारीरिक अपंगता आने पर 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है। श्रमिक परिवारों को आयुष्मान भारत योजना में 5 लाख रुपए तक के नि:शुल्क इलाज की सुविधा भी दी जा रही है।

गेहूं खरीद का नया रिकॉर्ड बनाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष में गेहूं खरीद का नया रिकॉर्ड बनाया है। प्रदेश के 13 लाख 46 हजार से अधिक किसानों से कुल 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदकर उन्हें 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से फसल राशि भुगतान की गई है। सोयाबीन उत्पादक किसानों को भी भावांतर योजना के माध्यम से लाभ दिया है।

किसानों के घर धन-धान्य से सदैव भरे रहें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे किसानों के घर धन-धान्य से सदैव भरे रहें, यही हमारी सफलता है।

उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि अब हमें सिर्फ पारंपरिक खेती के भरोसे नहीं बैठे रहना है। खेत में धान लगाइए, गेहूं उगाइए, लेकिन उसके साथ-साथ फसल विविधिकरण, पशुपालन और मछली पालन जैसे नए क्षेत्रों को भी अपनाइए।

श्रीअन्न उत्पादन को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार के प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने श्रीअन्न (मिलेट) उत्पादक किसानों के हित में रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना को लागू करने का फैसला लिया है। वैल्यू चेन का निर्माण कर किसानों को मार्केट एक्सेस प्रदान किया जा रहा है। कोदो-कुटकी के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और विपणन की व्यवस्था विकसित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खेत में उतरकर रोपा धान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को सिवनी में किसान के खेत में धान रोपकर धान महोत्सव का शुभारंभ किया। मिट्टी और पानी से भरे खेत में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ महिलाओं ने भी धान रोपाई की। उन्होंने रोपाई के पारंपरिक गीत चंदन राजा को परहा गढ़ से, रानी सरुपा सकारी उठ से गाकर पूरा वातावरण भक्तिमय और संगीतमय बना दिया।

मध्यप्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने खाटू श्याम मंदिर तलून (बड़वानी) के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बड़वानी सहित निमाड़ की धरती संतों, संस्कृति और लोक परंपराओं से समृद्ध रही है। भारत की संत परंपरा ने सदैव समाज को सही दिशा दिखाई है, उनके मार्गदर्शन से समाज में सद्भाव, संयम और सेवा की भावना विकसित होती है। गरीबों, जरूरतमंदों और पीड़ितों की सेवा ही सच्ची भक्ति है, समाज तभी आगे बढ़ता है जब धर्म और सेवा साथ चलते हैं, यही भारतीय संस्कृति का मूल संदेश है। बड़वानी के समीप तलून में बनने वाला खाटू श्याम मंदिर इस गौरवशाली विरासत को मजबूत करेगा और आने वाली पीढ़ियां भी इस धरोहर से जुड़ेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तलून में खाटू श्याम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और 21 कुंडीय महायज्ञ कार्यक्रम को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज का अवसर केवल मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नहीं, बल्कि श्रद्धा, विश्वास और सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण का पर्व है। बाबा श्री खाटू श्याम की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। बाबा खाटू श्याम को हारे का सहारा कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों के दु:ख हरने वाले देवता माने जाते हैं। बाबा खाटू श्याम को बर्बरीक का स्वरूप माना जाता है। महाभारत में उन्होंने धर्म की रक्षा और लोक कल्याण के लिए अपना शीश भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित कर दिया था। उनका यह अद्वितीय त्याग भारतीय संस्कृति में वीरता, विनम्रता और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है। मां नर्मदा माँ की परिक्रमा के बाद महंत शशि गिरि जी महाराज के मन में खाटू श्याम मंदिर बनाने का विचार आया और शहर के भक्तों के सहयोग से मंदिर का सपना साकार हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और धार्मिक दृष्टि से देश का अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार प्राचीन धरोहरों के संरक्षण और विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विकास से स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। यह मंदिर भी उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा श्री खाटू श्याम से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य तथा प्रदेश के विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए प्रार्थना की।

जी.एस.टी. एक राष्ट्र-संकल्प-उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीकः पटेल

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि जी.एस.टी. को लागू करना एक-राष्ट्र, एक-कर, एक-बाजार की अवधारणा तक सीमित नहीं होकर, एक-राष्ट्र, एक-संकल्प और एक-साझा उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीक है। जी.एस.टी. की नौ वर्षों की इस यात्रा से देश को दशकों पुराने इंस्पेक्टर राज और जटिल कर तरीकों के जाल से मुक्ति मिली है। यह ऐतिहासिक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि जब केंद्र और राज्य एकजुट होकर कार्य करते हैं, तो आर्थिक सुधार केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं रह जाते, बल्कि एक राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लेते हैं। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को जी.एस.टी. के नौवें वर्ष के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन सी.जी.एस.टी. और सेंट्रल एक्साईज भोपाल द्वारा सुगम कर-सशक्त भारत थीम पर रविन्द्र भवन में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेश के उत्कृष्ट करदाता और संस्थाओं को सम्मानित किया।

बाइक से गिरे भाई-बहन, ट्रक की चपेट में आए

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले के गैसाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत हिनौताकला के पास बाइक से जा रहे भाई-बहन हादसे का शिकार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार हिनौताकला निवासी 16 वर्षीय गुन्नो अहिरवार पिता दिनेश अहिरवार अपने भाई बसंत के साथ बाइक से जा रही थी। अचानक संतुलन बिगड़ने से दोनों बाइक सहित गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक का पहिया गुन्नो के हाथ पर चढ़ गया जिससे हाथ गंभीर रूप से कुचल गया। घटना की सूचना पर हिनौता कला सरपंच विक्रांत पटेल तत्काल मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। ड्यूटी पर तैनात डॉ. दिव्यांशु अवस्थी ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में दोनों भाई-बहन को जबलपुर रेफर कर दिया।

पथरिया में मेडिकल स्टोर्स की सघन जांच

जन औषधि केंद्र बंद मिला, दो दवाओं के लिए गए नमूने

पथरिया (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव द्वारा दिये गये निर्देशो के तहत् 29 जून सोमवार को अनुभागीय अधिकारी पथरिया के निर्देशन में गठित जांच दल के साथ जिसमें औषधि निरीक्षक महिमा जैन, डीओ फूड सेफ्टी राकेश अहिरवार मेडिकल ऑफिसर पथरिया डॉ. अमित जैन ने पथरिया मे संचालित विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की जांच की। जांच के दौरान 3 मेडिकल स्टोर्स पर निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान हॉस्पिटल के पास स्थित प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र बंद पाया गया जिसके लिए उन्हें नोटिस दिया जाएगा। संजय चौराहा स्थित चौधरी मेडिकल एवं संजीवनी मेडिकल स्टोर की जांच की गई। जांच के दौरान आवश्यक वैध ड्रगध्फूड लाइसेंस, फार्मासिस्ट की उपस्थिति, शैड्यूल ड्रग्स के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड, साफ सफाई, एक्सपायरी ड्रग्स मैनेजमेंट, प्रतिबंधित दवाओं की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान मेडिकल संचालकों को नियमानुसार मेडिकल संचालन हेतु सख्त निर्देश दिये गए। शेड्यूल एच१/एनआरएक्स केटेगरी की दवाइयां बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के नहीं दिए जाने एवं क्रय-विक्रय का रिकॉर्ड कंप्लीट रखने हेतु निर्देश दिए गए। दवाओं का क्रय विक्रय फार्मासिस्ट की उपस्थिति में ही किया जाना सुनिश्चित किया जाए अन्यथा विभाग द्वारा ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट 1940 नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जांच के दौरान संजीवनी मेडिकल पथरिया से 2 दवाओं के नमूने जांच हेतु लिये गए।

प्रांतीय आव्हान पर प्रोग्रेसिव पेंशनर संघ ने छह सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

बुधवार को प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय आव्हान पर मुख्यमंत्री के नाम छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में महत्वपूर्ण बात यह रही कि दमोह जिला के समस्त पेंशनर संघों द्वारा गठित संयुक्त पेंशनर मोर्चा के बैनर तले दमोह जिला के समस्त पेंशनर संघ यथा पुलिस पेंशनर संघ, पेंशनर्स समाज, विद्युत मंडल, नगर पालिका एवं प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन और उनके सदस्य भी उपस्थित रहे जिससे दमोह जिला द्वारा एकता की मिसाल पेंशनरों की गई। जगदीश चौबे अध्यक्ष प्रोग्रेसिव एसोसिएशन द्वारा ज्ञापन सौंपते समय सभी मांगो जैसे राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 को विलोपित करने जिससे केंद्र के साथ ही राज्य के पेंशनरों को समय पर राहत मिल सके, प्रस्तावित स्वास्थ्य बीमा में पेंशन से 4 प्रतिशत अंशदान न काटे जाने, कोर्ट के आदेश के बावजूद पुराना एरियर ने देने एवं न्यायालयों के निर्णय के बाबजूद पेंशनरों को उलझाए रखने आदि आदि से अवगत कराया गया। संयुक्त मोर्चा अध्यक्ष स्वामी अशोक तिवारी द्वारा पेंशनरों की समस्याओं के निराकरण हेतु शासनादेश के निर्देश पर हर 3-4 माह में बुलाई जाने वाली पेंशनर कल्याण समिति की बैठक बुलाने की भी मांग रखी अन्यथा जिला में वृहद आंदोलन की चेतावनी दी गई। अंत में जगदीश चौबे द्वारा सभी पेंशनर संघों के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पेंशनरों को उपस्थित होने आभार व्यक्त किया गया।

दमोह देहात थाना टीआई के स्थानांतरण पर विदाई समारोह

दमोह (स्वतंत्र मत)।

दमोह देहात थाना प्रभारी अमित गौतम का पीटीएस सागर स्थानांतरण होने पर जबलपुर नाका चौकी में विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक आनंद कलादगी, एडिशनल एसपी सुजीत सिंह भदौरिया और सीएसपी एचआर पांडे के निर्देशन में संपन्न हुआ। नवागत थाना प्रभारी धर्मेंद्र उपाध्याय और चौकी प्रभारी प्रियंका पटेल की उपस्थिति में स्टाफ ने अमित गौतम को भावभीनी विदाई दी। प्रधान आरक्षक सचिन, सुमन यादव, नंदलाल, आरक्षक गौरव, आशीष दांगी, निकिता, सैनिक साहबलाल, महबूब और आदर्श ने शाल श्रीफल, माल्यार्पण कर उपहार भेंट किए। पुलिस स्टाफ ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 01/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री परमानंद सिंगौर पिता मुन्नालाल सिंगौर (2) डिमलेश्वरी पति परमानंद सिंगौर ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मीबाई के भवन क्रमांक मंगलेश्वरी रियल इस्टेट कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002918838 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1250 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री जीवन सिंह पिता महाराज सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 01/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री आसित कुमार चक्रवर्ती पिता अनादीनाथ चक्रवर्ती (2) अरनव कुमार पिता आसित कुमार चक्रवर्ती ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लेट नं. 405 ब्लाक बी. नवल उत्कर्ष सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000375250 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित चतुर्थ तल 1197 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रशांत बोचरे पिता व्ही.व्ही. बोचरे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 01/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री हर्ष कनौजिया पिता राजेश कनौजिया (2) राजेश कनौजिया पिता स्व. छोटेलाल कनौजिया ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक 268, 273 हनुमान टोरिया कांचघर सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000448666 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 882 व.फु. सीमेन्ट शीट पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री छोटेलाल कनौजिया पिता धनीराम का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

हटा अनुविभाग में करंट का कहर

तीन अलग-अलग हादसों में दो युवकों की मौत किशोर गंभीर घायल

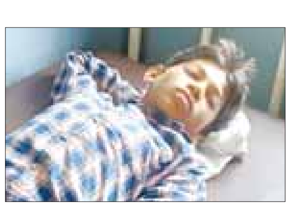

हटा (स्वतंत्र मत)। हटा अनुविभाग में बुधवार को करंट लगने की तीन अलग-अलग घटनाओं ने क्षेत्र को झकझोर दिया। दो दर्दनाक हादसों में दो युवकों की मौत हो गई जबकि एक 14 वर्षीय किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। वहीं परिजनों ने बिजली व्यवस्था और लापरवाही को लेकर सवाल उठाए हैं। पहली घटना अजब धाम चौकी क्षेत्र के निमी गांव की है, जहां 14 वर्षीय गोविंद पटेल करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तत्काल सिविल अस्पताल हटा लेकर पहुंचे, जहां उसका उपचार जारी है। दूसरी घटना मड़ियादो थाना क्षेत्र के वर्धा तिराहे पर हुई। यहां पटेरा थाना क्षेत्र के बमुरिया निवासी 21 वर्षीय अमन पिता जितेंद्र पटेल रेत से भरे डंपर पर लगी तिरपाल हटा रहा था। इसी दौरान डंपर के ऊपर से गुजर रही 33 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। अस्पताल ले जाने पर उसकी मौत हो गई।

मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद ट्रक चालक और मालिक अमन को अस्पताल छोड़कर चले गए तथा घटना की सूचना भी करीब दो घंटे बाद दी गई। परिजनों का कहना है कि चालक ने हाईटेंशन लाइन के नीचे होने के बावजूद अमन से तिरपाल हटाने के लिए कहा था। उन्होंने ट्रक मालिक उमाशंकर यादव और चालक के विरुद्ध कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की मांग की है। मड़ियादो थाना प्रभारी प्रीति पांडे ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मामला करंट लगने से मौत का है। शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम किया गया है और जांच जारी है।

तीसरी घटना हटा थाना क्षेत्र के कुआंखेड़ा बाजी गांव की है। यहां 40 वर्षीय रतन पिता रघुवीर सिंह लोधी अपने कच्चे मकान का छप्पर सुधार रहे थे। इसी दौरान घर के पास लगे ट्रांसफार्मर का बिजली तार अचानक उनके ऊपर गिर गयाए जिससे उन्हें तेज करंट लगा। गंभीर हालत में उन्हें सिविल अस्पताल हटा लाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में जर्जर बिजली तारों और झुके हुए पोलों के कारण लगातार हादसों का खतरा बना हुआ है। उनका कहना है कि समय रहते बिजली विभाग ने सुधार कार्य नहीं किया जिसके कारण यह दुखद घटना हुई। हटा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम किया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। एक ही दिन में करंट लगने की तीन घटनाओं में दो लोगों की मौत और एक किशोर के गंभीर रूप से घायल होने से पूरे हटा अनुविभाग में शोक और चिंता का माहौल है। लगातार हो रहे ऐसे हादसों ने बिजली व्यवस्था की सुरक्षा और हाईटेंशन लाइनों के रखरखाव को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर, (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	PRO-348 Date 01/07/2026	संभाग क्र. 11 सुभाषचंद्र बेनर्जी वार्ड क्र. 65 के अंतर्गत सिविल लाईन में जंक्शन होटल मेन रोड पर सिंघई पैलेस के पास नगर निगम पम्प हाउस से लेकर दत्त अपार्टमेंट के समने तक रोड के साई में नाली निर्माण एवं कव्हरिंग चेम्बर का कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह	2,000/-	
	2026_UAD_518536_1		06.97	5240/-	15/07/2026
2.	PRO-348 Date 01/07/2026	संभाग क्र. 11 सुभाषचंद्र बेनर्जी वार्ड क्र. 65 कें अंतर्गत सिविल लाईन लोहिया पुल के आगे पचपेढ़ी स्थित आंनद जी एवं अवस्थी जी के निवास स्थान के पास क्षतिग्रस्त नाले का निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	4 माह	2,000/-	
	2026_UAD_518536_2		06.00	4507/-	15/07/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptender.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

▸▸ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ यज्ञोपवीत संस्कार

बटुकों ने समझी यज्ञोपवीत संस्कार की महत्वता

सिहोरा। नगर के माता महाकाली मंदिर खितौला में ब्राह्मण समाज सिहोरा द्वारा आयोजित चौदहवें वार्षिक सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन गुरुदेव सुरेन्द्र दास महाराज के सानिध्य में श्रद्धा, भक्ति एवं वैदिक परंपराओं के साथ किया गया। इस अवसर पर 23 ब्राह्मण बटुकों ने विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञोपवीत धारण कर द्विजत्व संस्कार ग्रहण किया। आयोजन में सिहोरा सहित जबलपुर, कटनी, गोसलपुर, पनागर एवं बहोरीबंद से आए बटुकों ने सहभागिता कर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की।

▸▸ रामसागर जलाशय की सफाई में उतरा जनसमूह

घाटों की कर रहे साफ-सफाई

सिहोरा। मप्र जन अभियान परिषद एवं नगर की अनेक समितियों और सामाजिक संगठनों समाजसेवियों के सामूहिक प्रयास की एकजुटता से सिहोरा तहसील स्थित गोसलपुर कस्बे के रामसागर जलाशय में पिछले 15 हफ्ते से प्रदेश की सरकार के द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान को चरितार्थ करते हुए। पिछले 15 हफ्ते से रामसागर तालाब के घाटों की सफाई की जा रही है। रविवार को सफाई अभियान के बाद तालाब के घाटों में हवन पूजन सामग्री विसर्जित करने के लिए जन सहयोग से लोहे के बॉक्स रखवाये गये।

मप्र के 1.85 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को राहत

एफपीपीपीए 3.91 प्रतिशत से घटकर 1.11 प्रतिशत

मध्य प्रदेश के करीब 1.85 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। जुलाई में मिलने वाले बिजली बिल में अतिरिक्त भार कम होगा, क्योंकि बिजली खरीद लागत के आधार पर वसूले जाने वाले फ्यूल कॉस्ट एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट (एफपीपीपीए) को 3.91 प्रतिशत से घटाकर 1.11 प्रतिशत कर दिया गया है। संशोधित दरें 24 जून के बाद जारी होने वाले सभी बिजली बिलों पर लागू होंगी, जिससे घरेलू, व्यावसायिक, कृषि और औद्योगिक सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी ने नई दरों का सर्कुलर जारी कर दिया है। कंपनी के अनुसार एफपीपीपीए की गणना हर महीने बिजली खरीद की वास्तविक लागत के आधार पर की जाती है। इस बार लागत कम होने से अतिरिक्त शुल्क में 2.80 प्रतिशत अंक की कमी की गई है, जिसका सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा।

अप्रैल से लगातार घट रही है दर

कंपनी के चीफ जनरल मैनेजर (रेवेन्यू मैनेजमेंट) शैलेंद्र सक्सेना के अनुसार, अप्रैल में एफपीपीपीए 6 प्रतिशत से अधिक था। मई में इसे घटाकर 3.91 प्रतिशत किया गया और अब 24 जून के बाद की बिलिंग के लिए यह 1.11 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। उनका कहना है कि बिजली खरीद लागत में आई कमी का लाभ सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। बिजली कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि एफपीपीपीए कोई स्थायी शुल्क नहीं है। इसकी दरें बिजली खरीद की लागत के अनुसार हर महीने तय की जाती हैं। यदि लागत घटती है तो उपभोक्ताओं को राहत मिलती है, जबकि लागत बढ़ने पर यह शुल्क भी बढ़ सकता है। इस बार की कटौती से प्रदेश के लाखों उपभोक्ताओं के मासिक बिजली बिल में सीधी कमी देखने को मिलेगी, जिससे घरेलू बजट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

ज्यादा खपत, ज्यादा राहत

बिजली कंपनियों के अनुमान के मुताबिक उपभोक्ताओं को उनकी मासिक बिजली खपत के अनुसार राहत मिलेगी।

- 200 यूनिट तक खपत पर लगभग 15 से 30 रुपये की बचत।
- 300 यूनिट पर 25 से 40 रुपये तक राहत।
- 400 यूनिट की खपत पर 35 से 55 रुपये तक का लाभ।
- 500 यूनिट तक बिजली उपयोग करने वालों को 45 से 70 रुपये तक की राहत मिलने की संभावना है।

कितना मिलेगा फायदा?

नई व्यवस्था के तहत यदि किसी उपभोक्ता का एनर्जी चार्ज 100 रुपये है, तो पहले उसे 3.91 रुपये एफपीपीपीए देना पड़ता था। अब यह राशि घटकर 1.11 रुपये रह जाएगी। यानी प्रत्येक 100 रुपये के एनर्जी चार्ज पर 2.80 रुपये की सीधी बचत होगी।

यादगार बना सत्र का पहला दिन

विद्यार्थियों के चेहरों पर खिल उठी मुस्कान

हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी देवताल में सत्र के पहले दिन विद्यार्थियों में दिखा जमकर उत्साह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, देवताल में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ उत्साह, उमंग और सकारात्मक वातावरण के साथ किया गया। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की चहल-पहल, अभिभावकों की खुशी और शिक्षकों के उत्साह से सराबोर दिखाई दिया। नए सत्र के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय की प्राचार्या तृप्ति नारंग ने सभी विद्यार्थियों का स्नेहपूर्वक स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने अभिभावकों का विद्यालय पर विश्वास व्यक्त करने के लिए आभार प्रकट किया तथा सभी विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षकों ने किया विद्यार्थियों का स्वागत- विद्यालय के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया तथा विभिन्न रोचक एवं नवाचारी गतिविधियों का आयोजन कर पहले दिन को यादगार बना दिया। परिचयात्मक खेल, रचनात्मक गतिविधियां, प्रेरक संवाद एवं मनोरंजक शिक्षण विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विद्यालय के वातावरण से सहज रूप से जोड़ा गया। इन गतिविधियों में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। विद्यालय परिवार विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक, नैतिक एवं व्यक्तित्व विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है।

आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, रचनात्मक गतिविधियों और संस्कारयुक्त शिक्षा के माध्यम से प्रत्येक छात्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया गया है। नए शैक्षणिक सत्र का यह शुभारंभ विद्यालय परिवार के लिए नई ऊर्जा, नई उम्मीदों और नई उपलब्धियों की प्रेरणादायी शुरुआत सिद्ध हुआ।

लंबित मांगों को लेकर एकजुट हुए देशभर के निर्माणी कर्मचारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अखिल भारतीय अराजपत्रित अधिकारी संघ के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर 1 जुलाई को देशभर की सभी 41 आयुध निर्माणियों में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी धरने का आयोजन किया गया। संगठन के अध्यक्ष एल जयवर्धन रेड्डी की अध्यक्षता यह विरोध प्रदर्शन लंच के समय एक घंटे के लिए शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। इसका उद्देश्य प्रबंधन का ध्यान कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित पड़ी जायज मांगों की ओर आकर्षित करना था। राष्ट्रीय संगठन सचिव अजय रजक ने बताया कि कोलकाता कैट जेडब्ल्यूएम प्रमोशन केस से स्टे हटवाने, चार्जमैन से जेडब्ल्यूएम प्रमोशन, विभिन्न श्रेणियों में कैडर रिव्यू और एलडीसीई बैच 2016 और 2022 के साथियों को वित्तीय लाभ प्रदान करने जैसी माँगे प्रमुख हैं। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति और रिक्रूटमेंट रूल में जरूरी संशोधन की माँग भी प्रमुखता से शामिल रही।

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन को मिला

एक्टिव लोकल चैप्टर और एक्टिव एसपीओसी सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन ने शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विगत 27 जून को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर में आयोजित स्वयं-एनपीटीईएल एसपीओसी फेलिसिटेशन कार्यक्रम में महाविद्यालय की एसपीओसी डॉ. निरुपमा पाठक एवं प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी को आमंत्रित किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय को उत्कृष्ट कार्य के लिए एक्टिव एसपीओसी एवं एक्टिव लोकल चैप्टर सम्मान प्रदान किया गया । साथ ही, स्वयं-एनपीटीईएल कार्यशाला में सहभागिता के लिए सहभागिता प्रमाण-पत्र भी प्रदान किया गया । इस राष्ट्रीय कार्यक्रम में उत्तर क्षेत्र (नॉर्थ ज़ोन) के अंतर्गत आने वाले दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के विभिन्न महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से 147 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की । महाविद्यालय ने इस उपलब्धि का श्रेय हितकारिणी सभा के मंत्री विश्वमोहन, महाविद्यालय के अध्यक्ष संदीप गोलछा एवं समस्त सभा सदस्यों के सतत मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं प्रोत्साहन को दिया । इसी क्रम में इस सेमेस्टर में 160 विद्यार्थियों का स्वयं-एनपीटीईएल पाठ्यक्रमों में पंजीकरण कराया गया, जिनमें से 109 छात्राओं तथा प्राध्यापकों ने मेंटर के रूप में परीक्षाओं में सहभागिता करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया । महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने स्वयं-एनपीटीईएल के संकाय विकास कार्यक्रम के प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किए । वहीं महाविद्यालय की छात्रा रिचा उपाध्याय ने स्वयं-एनपीटीईएल के कंप्यूटर नेटवर्क एंड इन्टरनेट प्रोटोकॉल पाठ्यक्रम में टॉप रैंक प्राप्त कर महाविद्यालय एवं हितकारिणी सभा का गौरव बढ़ाया।

प्रतिभाओं की भूमि है संस्कारधानी: सीएम डॉ यादव

स्व दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में आयोजित हुआ गौरव शिखर सम्मान-2026

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्व दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में बुधवार को मानस भवन में गौरव शिखर सम्मान 2026 का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित हुए मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर प्रतिभाओं की भूमि है। मां नर्मदा की कृपा से समृद्ध इस शहर ने समाज के हर क्षेत्र में ऐसी विभूतियां दी हैं, जिन्होंने देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। मुख्य मंत्री डॉ यादव आज यहां मानस भवन में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दादा ईश्व रदास रोहाणी की स्मृति में आयोजित गौरव शिखर सम्माान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान समाज में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करने वाला सराहनीय प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष के 12 महीने और ज्योतिष की 12 राशियां जीवन के पूर्ण चक्र का प्रतीक हैं। उसी प्रकार समारोह में 12 विभूतियों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणा का अमृत है। उन्होंने आयोजन समिति की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में गौरव शिखर सम्मान की शुरुआत शिक्षा क्षेत्र से किया जाना अत्यंत सार्थक है, क्योंकि किसी भी समाज की उन्नति का आधार शिक्षा होती है। भारतीय गुरुकुल परंपरा केवल ज्ञान देने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र और जीवन मूल्यों के निर्माण का केंद्र रही है।

इन्हें किया गया सम्मानित

गौरव शिखर सम्मान 2026 में शिक्षा क्षेत्र में ज्ञान ज्योति गौरव शिखर सम्?मान 2026 सुश्री रेखा चुडासमा, समाज सेवा कर्मयोगी गौरव शिखर सम्मान 2026 डॉ. कैलाश गुप्ता, महिला सशक्तिकरण नारी शक्ति गौरव शिखर सम्मान 2026 ज्ञानेश्वरी दीदी, संस्कृति / कुटुंब प्रबोधन संस्कार गौरव शिखर सम्मान 2026 नंदलाल नेगांधी, युवाओं को प्रेरित करने हेतु युवा गौरव शिखर सम्मान 2026 सरबजीत सिंह, आचार्य / वैदिक विद्वान ब्राह्मण क्षेत्र सनातन ज्ञान गौरव शिखर सम्मान 2026 पं. रोहित दुबे, उद्योग एवं उद्यमिता उद्योग गौरव शिखर सम्मान 2026 नितिन चंडोक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संजीवनी गौरव शिखर सम्मान 2026 प्रो डॉ. वाईआर यादव, पत्रकारिता कलम वीर गौरव शिखर सम्मान 2026 श्याम कटारे, सेवानिवृत्त अधिकारी वीरता गौरव शिखर सम्मान 2026 सूबेदार आरएन तिवारी, विधि क्षेत्र विधि सेवा गौरव शिखर सम्मान आरएन सिंह पूर्व महाधिवक्ता, न्याय के क्षेत्र में न्याय रत्न गौरव शिखर सम्मान 2026 जस्टिस देवव्रत माधव धर्माधिकारी का सम्मान दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नूर, मध्यप्रदेश तीर्थ क्षेत्र एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष वनोद गोटिया, विधायक अजय विश्नोई, डॉ अभिलाष पांडे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन आदि उपस्थित रहे।

फोटो : अनिल तिवारी

दिसंबर तक जारी रहेगा जबलपुर अयोध्या धाम स्पेशल ट्रेन का संचालन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लीयर करने और यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुए जबलपुर से अयोध्या धाम जंक्शन के मध्य चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की अवधि को आगामी दिसंबर महीने तक के लिए बढ़ा दिया है। इस विस्तार के तहत ट्रेन दोनों दिशाओं में 24-24 अतिरिक्त फेरे लगाएगी। गाड़ी संख्या 01705 जबलपुर-अयोध्या धाम जंक्शन साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, जो पहले 14 जुलाई तक ही चलने वाली थी, अब आगामी 21 जुलाई से 29 दिसंबर तक हर मंगलवार को अपनी सेवाएं देती रहेगी। इस प्रकार इस ट्रेन की अवधि में 24 फेरों की बढ़ोतरी की गई है, जिससे यात्रियों को सुगम और आरामदायक सफर का लाभ मिलता रहेगा। इसी तरह, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 01706 अयोध्या धाम जंक्शन-जबलपुर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की अवधि में भी समान विस्तार किया गया है। पूर्व में 15 जुलाई तक अधिसूचित यह ट्रेन अब आगामी 22 जुलाई से 30 दिसंबर तक प्रत्येक बुधवार को अयोध्या से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह स्पेशल ट्रेन अपने पूर्व निर्धारित समय, ठहराव और कोच संरचना के अनुसार ही संचालित होती रहेगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**